ANNUAL REPORT
FOR THE YEAR 2022-23

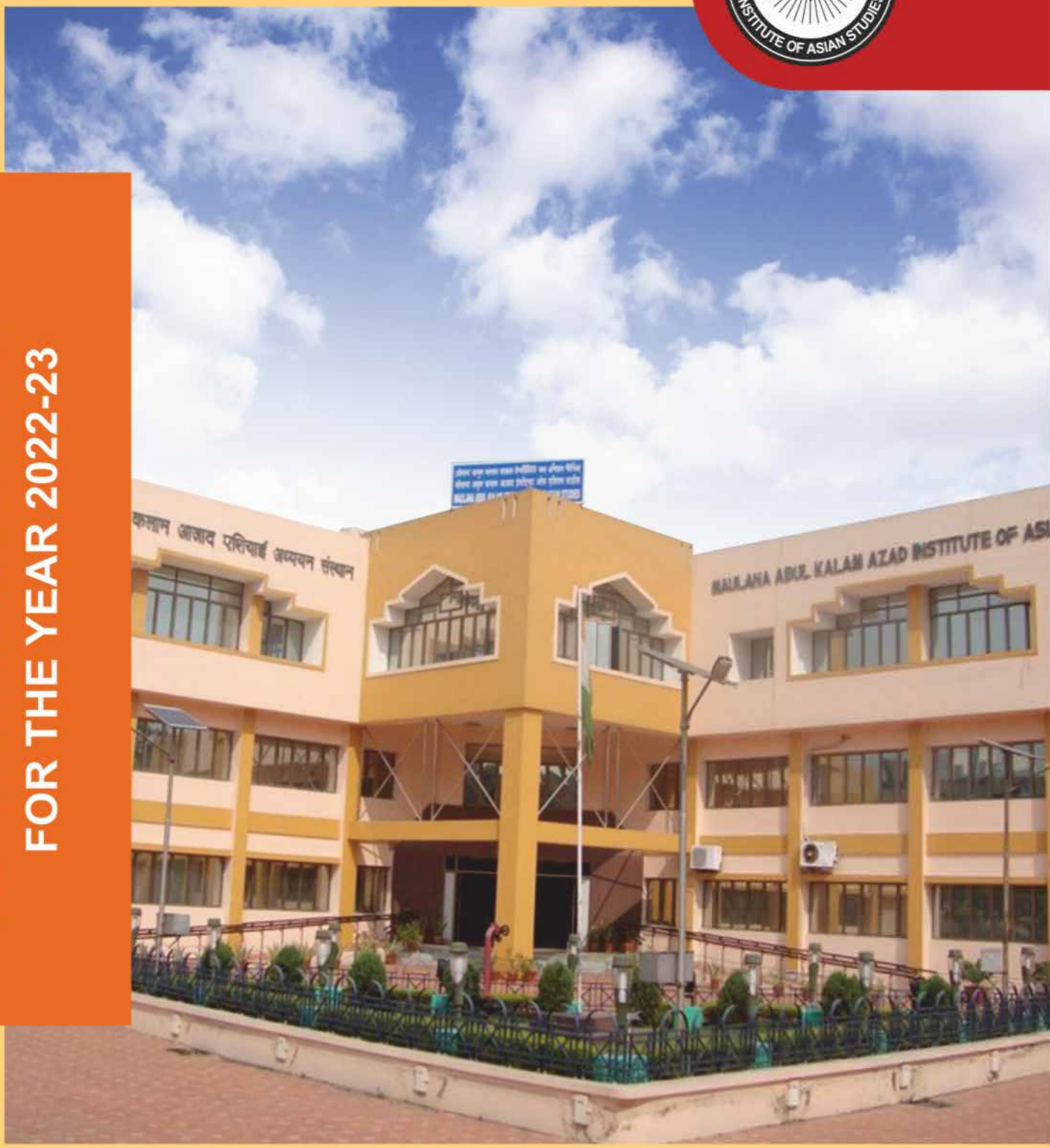

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

(An Autonomous Body under Ministry of Culture, Government of India)

"Azad Bhavan" IB Block, Plot No 166, Sector III, Salt Lake City, Kolkata, West Bengal, 700106

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन : २०२२-२३

आज़ाद भवन

आई.बी. -१६६, सेक्टर-III, सॉल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६

आज़ाद संग्रहालय

५, अशरफ मिस्त्री लेन (बालीगंज सर्कुलर रोड), कोलकाता – ७०० ०१९

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

एक नजर में

- **मौलाना आज़ाद संग्रहालय** : ५, अशरफ़ मिस्त्री लेन, कोलकाता – ७०० ०१९
- **आज़ाद भवन** : आई.बी. -१६६, सेक्टर-III, सॉल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
  कार्यालय खंड; पुस्तकालय एवं वाचनालय, प्रेक्षागृह, शोधार्थी कार्य केन्द्र एवं अतिथि गृह

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान का संगठनात्मक स्वरूप

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान	पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल, अध्यक्ष

↓

कार्यकारी परिषद्, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष एवं सदस्य

↓

निदेशक, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

प्रशासन / वित्त	पुस्तकालय/संग्रहालय/दीर्घा

सोसाइटी – मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

१. **महामहिम श्री जगदीप धनखड़**
पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल एवं सोसाइटी के अध्यक्ष,
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान,
राजभवन, कोलकाता – ७०० ०६२

२. **श्री अरिंदम मुखर्जी**
सोसाइटी के उपाध्यक्ष
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान एवं
सचिव, सामाजिक – सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान,
४८/२, डॉ सुरेश सरकार रोड, कोलकाता – ७०० ०१४

३. **सचिव,**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
कमरा संख्या – ३१८, सी विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – ११० ००१

४. **सचिव,**
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-११० ००१

५. **संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
कमरा संख्या – ३१८, सी विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली – ११० ००१

६. **उप महानिदेशक**
भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद्
(आईसीसीआर),
आज़ाद भवन, आईपी स्टेट,
नई दिल्ली – ११० ००२

७. **प्रो. वी. के मल्होत्रा**
सदस्य सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
(आईसीएसएसआर) अरूणा असाफ अली मार्ग,
नई दिल्ली – ११० ०६७

८. **डॉ. ओम जी उपाध्याय**
निदेशक (अनुसंधान) भारतीय परिषद्
ऐतिहासिक अनुसंधान (आईसीएचआर)
३५, फिरोजशाह रोड
नईदिल्ली – ११० ००१

९. **प्रो. जे. एस. राजपूत**
पूर्व अध्यक्ष, एनसीईआरटी
ए-१६, सेक्टर पी –७, मित्रा सोसाइटी, (इन्क्लेव)
(ग्रेटर वैली स्कूल के विपरीत)
ग्रेटर नोएडा – २०१ ३१०

१०. **प्रो. वी. सूर्यनारायण**
एच ११२-५, १८वाँ क्रॉस स्ट्रीट,
बेसंत नगर,
चेन्नई – ६०० ०९०

११. **डॉ. एस. उत्तम कुमार जमदाग्नि**
९/४, मेट्र स्ट्रीट, साई नगर,
वीरूगमबक्कम,
चेन्नई – ६०० ०९२

१२. **प्रो. दीपंकर सेनगुप्ता**
अर्थशास्त्र विभाग
जम्मू विश्वविद्यालय
जम्मू, जम्मू और कश्मीर - १८०००६

१३. **डॉ. सुरेश आर**
एसोसियेट प्रोफेसर एवं निदेशक,
वी. के. कृष्ण मेनन अन्तरराष्ट्रीय संबंध अध्ययन केन्द्र,
राजनीति विज्ञान विभाग
केरल विश्वविद्यालय
तिरूवनन्तपुरम
केरल – ६९५ ५८१

१४. **डॉ. राजीव नयन**
एशियाई सुरक्षा एवं रक्षा विश्लेषक
रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषक संस्थान (आईडीएसए)
१, डेवलॉपमेंट एन्क्लेव (यूएसआई के समीप)
राव तुला राम मार्ग,
नई दिल्ली – ११० ०१०

१५. **प्रो. प्रियंकर उपाध्याय**
यूनेस्को चेयर मानवीय शांति अनुसंधान केन्द्र,
शांति एवं अन्तरसांस्कृतिक समझ के लिए
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू)
वाराणसी – २२१००५

१६. **प्रो. चन्द्र शेखर**
फारसी विभाग के प्रमुख
दिल्ली विश्वविद्यालय
कमरा संख्या- ८१, कला संकाय,
साउथ मोती बाग, साउथ कैंपस,
दिल्ली –११० ०२१

१७. **प्रो. के. वारिकू**
आंतरिक एशिया एवं केन्द्रीय एशियाई अध्ययन में विशेषज्ञता
अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन स्कूल
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली – ११० ०६७

सोसाइटी – मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

१८. **प्रो. अश्विनी कुमार महापात्र**
पश्चिम एशियाई,दक्षिण एशियाई एवं
केन्द्रीय एशियाई अध्ययन में विशेषज्ञता
अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन स्कूल,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली – ११० ०६७

१९. **प्रो. आर. के. मिश्रा**
राजनीति विज्ञान विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ विश्वविद्यालय मुख्य भवन, यूनिवर्सिटि रोड,
बाबूगंज, हसनगंज
लखनऊ – २२६ ००७ उत्तर प्रदेश

२०. **प्रो. पूरबी राय**
अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सेवानिवृत्त प्रोफेसर
जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता
४७सी, अब्दुल हलीम लेन, कोलकाता -७०००१६
(मदर टेरेसा शिशु भवन के पास, केएमसी गैरेज)

२१. **प्रो. रिपू सुदन सिंह**
पश्चिम एशियाई अध्ययन में विशेषज्ञता
राजनीति विज्ञान विभाग
बाबासाहब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय
सी-७७ दक्षिण शहर, रायबरेली रोड,
लखनऊ – २२६ ०२५

२२. **प्रो. जी गोपाल रेड्डी**
सदस्य, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली
एच न. ३-५-१९९/बी/७, हरिविहार कॉलोनी,
नारायण गुडा, हैदराबाद – ५०० ०२९
तेलांगना

२३. **श्री बिनोद बावरी**
बावरी समूह
७वां तल, ३ए इकोस्पेस,
न्यू टाउन, राजारहाट,
कोलकाता – ७०० १५६

२४. **प्रो. शांतिश्री धुलीपुदी पंडित,**
प्रोफेसर, राजनीति विभाग एवं लोक प्रशासन विभाग,
सावित्री बाई फूले पूणे विश्वविद्यालय, (पूर्व में पूणे विश्वविद्यालय),
गणेशखिंड, पुणे – ४११ ००७, महाराष्ट्र

२५. **प्रो. निखिलेश गुहा**
सेवानिवृत प्रोफेसर, इतिहास, कल्याणील विश्वविद्यालय,
६५-ए, जोराबागान रोड,
नाकतल्ला – ७०० ०४७

२६. **डॉ. अमरजीव लोचन**
अध्यक्ष,
दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व संस्कृति एवं धर्म संघ,
(एसएसईएएसआर) एवं महासचिव अन्तरराष्ट्रीय सांस्कृतिक
अध्ययन केन्द्र (आईसीसीएस)
९५, विद्या विहार, रिंग रोड, नई दिल्ली – ११० ०९५

२७. **डॉ. पी. एम. कमाथ**
अध्यक्ष और माननीय निदेशक,
वी पी एम सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज (रजि.)
४३, रीता अपार्टमेंट्स,
देवीदयाल रोड, मुलुंड (पश्चिम), मुम्बई –४०० ०८०

२८. **श्री सुदेश वर्मा**
प्रसिद्ध पत्रकार/लेखक,
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवनीकार

२९. **श्री कंचन गुप्ता**
पूर्व संयुक्त संपादक, दैनिक "पायनियर"
बी १-१०१, स्टेलर सिग्मा अपार्टमेंट्स
सेक्टर सिग्मा ४
ग्रेटर नोएडा – २०१ ३१०

३०. **कुलपति**
कलकत्ता विश्वविद्यालय
८३/१, कॉलेज स्ट्रीट
कोलकाता – ७०० ०७३

३१. **सचिव,पश्चिम बंगाल सरकार**
उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सामाजिक शिक्षा शाखा,
बिकास भवन, केन्द्रीय विस्टा, सॉल्टलेक,
कोलकाता-७०० ०९१

३२. **प्रो. सुभाष रंजन चक्रवर्ती**
उपाध्यक्ष
द एसियाटिक सोसाइटी, बीबी-४५, फ्लैट नं १
सॉल्टलेक सिटि,
कोलकाता - ७०० ०६४

३३. **प्रो. अनुराधा लोहिया**
कुलपति
प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, ८६/१, कॉलेज स्ट्रीट,
कोलकाता – ७०० ०७३

३४. **रिक्त** (पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा नामित)

३५. **डॉ. सरूप प्रसाद घोष**
निदेशक मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
सदस्य सचिव

कार्यकारी परिषद्
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

१. **प्रो. सुजीत कुमार घोष**
अध्यक्ष
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
ब्लॉक – आई बी, सेक्टर -III, सॉल्टलेक सिटि
कोलकाता – ७०० १०६

२. **प्रो. के. सी. बराल**
उपाध्यक्ष
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई
अध्ययन संस्थान
भारतीय अध्ययन के प्रोफेसर तथा पूर्व उप-कुलपति
अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद
विश्वविद्यालय
टरनाका के समीप, हैदराबाद – ५००००७, तेलांगना

३. **सचिव, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,**
कमरा संख्या ५०२- सी विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – ११० ००१

४. **अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
कमरा संख्या ३१८ सी विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – ११० ००१

५. **सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार**
उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
सामाजिक शिक्षा शाखा,
बिकास भवन, केन्द्रीय विस्टा, सॉल्टलेक,
कोलकाता – ७०० ०९१

६. **प्रो. आई. एस. चौहान**
पूर्व कुलपति एवं राजदूत (फिजि)
४, ऋषि नगर, चार इमली
भोपाल - ४६२०१६

७. **डॉ. के. एस. चक्रवर्ती**
क्षेत्रीय निदेशक
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)
कॉलेज टिल्ला, अगरतल्ला – ७९९००४, त्रिपुरा

८. **प्रो. स्मृतिकुमार सरकार**
पूर्व कुलपति
वर्धमान विश्वविद्यालय
५७/२, बी.सी. चटर्जी स्ट्रीट
बेलघरिया, कोलकाता – ७०००५६

९ **प्रो. ओम प्रकाश मिश्रा**
अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग
जादवपुर विश्वविद्यालय
कोलकाता -700032

१०. **डॉ. श्रीराधा दत्ता**
सेंटर हेड, नेबरहुड स्टडीज और सीनियर फेलो
विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन
3, सैन मार्टिन मार्ग, चाणक्यपुरी
नई दिल्ली - 110021

११. **डॉ. सरूप प्रसाद घोष**
निदेशक,
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
सदस्य सचिव

वित्तीय समिति – मकायास

१. **अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार-अध्यक्ष**
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
३१८ सी, शास्त्री भवन, नई दिल्ली -११० ००१

२. **प्रो. के. सी. बराल**
कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष,
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संसथान, कोलकाता

३. **प्रो. कुमार रत्नम**
सदस्य सचिव
इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च,
नई दिल्ली

४. **प्रो. एस. के. यादव**
निदेशक, स्कुल ऑफ लाएँ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली

५. **डॉ. सरूप प्रसाद घोष**
निदेशक, स्कुल ऑफ लाएँ
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
पदेन सदस्य

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान (MAKAIAS) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन है। संस्थान 19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक/प्रशासनिक विकास पर ध्यान देने के साथ अनुसंधान और सीखने का एक केंद्र है, जिसमें भारत के साथ उनके संबंधों पर विशेष जोर दिया गया है। यह मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जीवन और कार्यों पर भी केंद्रित है। प्रारंभ में, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और पश्चिम एशिया में आधुनिक और समकालीन मामलों पर जोर दिया गया था, और पूर्व सोवियत संघ (उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान) के पांच मध्य एशिया के तुर्की, ईरान अफगानिस्तान और बांग्लादेश गणराज्यों पर क्षेत्रीय अध्ययन किया गया था। संस्थान ने अब भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र, दक्षिण पूर्व एशिया और चीन में अध्ययन के क्षेत्र का विस्तार किया है।

संस्थान कोलकाता में मौलाना आज़ाद के पूर्व निवास पर एक व्यक्तित्व संग्रहालय का रखरखाव करता है। संग्रहालय एक विशिष्ट राष्ट्रीय नेता और विचारक के रूप में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालता है। संस्थान के पास एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है जो भारत और उसके बाहर के सभी हिस्सों के विद्वानों को आकर्षित करता है। यह नियमित रूप से सम्मेलनों, विशेष व्याख्यानों, कार्यशालाओं, निधि अनुसंधान परियोजनाओं और अन्य अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन करता है।

मकायास के माननीय आजाद फेलो द्वारा शुरू की गई शोध परियोजना

प्राचीन और मध्ययुगीन काल के सामाजिक-धार्मिक संदर्भों पर विशेष जोर देने के साथ मध्य एशिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण- पूर्व एशिया के इंटरएक्टिव नेटवर्क को फिर से देखने के लिए साहित्यिक और पुरातात्विक स्रोतों का सर्वेक्षण

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय

आजाद फेलो, मकायास

विजिटिंग फैकल्टी, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता

गेस्ट फैकल्टी, वेस्ट बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, बारासात

सामाजिक विज्ञान के पूर्व विवेकानंद चेयर प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय

पूर्व 'परेश चंद्र चटर्जी इतिहास के प्रोफेसर', प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता

पुर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पुरातत्व विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय

मेरे प्रस्तावित शोध का उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप के हिमालय और उप-हिमालयी क्षेत्रों के तथाकथित सीमावर्ती क्षेत्रों में प्राचीन समाजों के सांस्कृतिक मैट्रिसेस का पुनर्निर्माण करना और एशियाई दुनिया के साथ इसके संबंध को उजागर करना है। कुल क्षेत्र के सांस्कृतिक पच्चीकारी से संबंधित संपूर्ण निष्कर्षों को निकालना बहुत मुश्किल है, जहां से हमने प्राचीन समाजों से संबंधित बहुआयामी पुरातात्विक और साथ ही भाषाई डेटाबेस एकत्र किए हैं। दूसरी ओर, प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों और प्राचीन समुदायों के उदय, विकास और फैलाव और उनके सांस्कृतिक संदर्भों को प्रस्तुत करने वाले शोध कार्यों की एक बड़ी संख्या मौजूद है। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि यदि कोई डी.टी. पॉट्स द्वारा संपादित दो खंडों में ए कंपेनियन टू द आर्कियोलॉजी ऑफ द एंशियंट नियर-ईस्ट को पढ़ता है, तो उसे आसानी से सिनॉप्टिक-फ्रेमवर्क के साथ-साथ स्पष्टीकरण भी मिल सकता है। वॉल्यूम बाद के मुद्दों के औचित्य को प्रस्तुत करने के लिए भौगोलिक, स्थलाकृतिक, जल विज्ञान और जलवायु संबंधी पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हैं। इसके अलावा, प्रारंभिक उत्खनन, पुरातात्विक अभ्यास के राजनीतिक आयाम, पुरावशेषों में व्यापार, और प्राचीन निकट पूर्व सांस्कृतिक क्षितिज का विनाश, खंड उप-विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं। एक ओर, अनातोलियन क्षेत्र में होलोसीन अनुकूलन की शुरुआत, दक्षिण पश्चिम एशिया में कृषि-ग्रामीण समाजों का आगमन, पशु-पालन, सिंचाई प्रणाली, जल शिल्प, चीनी मिट्टी के उत्पादन, धातु विज्ञान का समेकन; दूसरी ओर उत्तरी और दक्षिणी लेवांते, उत्तरी और दक्षिणी मेसोपोटामिया, अरब प्रायद्वीप, ईरानी पठार, दक्षिण-पश्चिमी ईरान में शुरुआती गाँव और शहर के जीवन की किस्में और जाहिर तौर पर मेसोपोटामिया, मिस्र, एकेमेनिड हार्टलैंड में विकसित साम्राज्यों की पुरातत्व नियर-ईस्ट में रोमन शासन, बीजान्टिन और ससैनियन साम्राज्य।

दिलीप के. चक्रवर्ती ने अपने हालिया काम 'द बॉर्डरलैंड्स एंड बाउंडरीज ऑफ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' में तथाकथित सीमावर्ती क्षेत्रों और बलूचिस्तान से अराकान-म्यांमार क्षेत्र तक फैले एक सांस्कृतिक जाल के संदर्भ में प्रमुख अवधारणाओं पर प्रकाश डाला है। वर्तमान उद्देश्य एक नए प्रकाश में चक्रवर्ती के सिद्धांत की खोज करने की ओर उन्मुख है। यूरेशियन स्टेप्स, मंगोलिया, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान, पामीर पर्वतीय क्षेत्र, शिनजियांग के चीनी प्रांत, तुर्कमेनिस्तान, लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश के भौगोलिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण के साथ- साथ मध्य एशिया, ईरान, अफगानिस्तान के शैक्षणिक संदर्भों से संबंधित विभिन्न निष्कर्षों की खोज करते हुए। म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्र, "विभिन्न सीमा रेखाएँ, जो

19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में समय-समय पर उपमहाद्वीप को उसके थलचर पड़ोसियों के संबंध में परिभाषित करने के लिए खींची गई थीं, समकालीन राजनीतिक के उत्पाद थे।

परिस्थितियों और बातचीत करने वाली सरकार के बीच आम सहमति लेकिन इन सीमा रेखाओं की स्पष्ट सटीकता के पीछे, जिसे हम सीमावर्ती क्षेत्र कह सकते हैं, एक बातचीत क्षेत्र छिपा हुआ है, जो एक बिंदु पर बलूचिस्तान से और दूसरे पर अराकानयोमा पहाड़ियों से फैला हुआ है।

इसके अलावा, इस विषय की और खोजबीन करने पर, दो विशेष बिंदु मुझे सबसे अधिक प्रभावित करते हैं: (1) धर्म ने बस्तियों के धर्मनिरपेक्ष और धार्मिक विस्तार, भूमि मार्गों के निर्माण, व्यापार और वाणिज्य के साथ-साथ अस्तित्व की रणनीतियों के बदलते संदर्भों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और (2) हिमालयी और उप-हिमालयी क्षेत्रों में आम जनसंख्या समूह अपनी भाषाओं के साथ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसका पता लगाया जाना चाहिए। यहाँ, मुझे यह उल्लेख करना चाहिए कि शैवाचार्य के साम्राज्य और बाद के बौद्ध धर्म विशेष रूप से लोकेश्वरविष्णु छवियों के प्रसार से संबंधित हमारी खोजों की खोज करते हुए, हमने गतिविधि के एक प्रमुख केंद्र और अन्य के बीच संबंध को छुआ है। उदाहरण के लिए, नेपाल में शैववाद का स्पष्ट रूप से उत्तर बंगाल में और उसके आसपास शैव विचारधारा के उदय और विकास के साथ संबंध था। दूसरी ओर, तिब्बती ग्रंथों और बोधिसत्व बौद्ध धर्म के उदय का उत्तरी और दक्षिणी बिहार और प्राचीन बंगाल के आसपास के हिस्सों के साथ पर्याप्त संपर्क था। इस क्षेत्र में बौद्ध मठ और उनकी कार्यप्रणाली एक प्रसिद्ध मामला है। कोई यह नोट कर सकता है कि कभी-कभी हमें कर्मकांडों या संस्कार और संस्कार के साथ भ्रम होता है और हम सोचते हैं कि ये कठोर धार्मिक व्यवस्थाओं के अंग हैं। विभिन्न सामाजिक समूहों की गतिशीलता और पुरानी दुनिया के सांस्कृतिक पच्चीकारी को पूर्वजों और हमारी सांस्कृतिक भूमिकाओं के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए जो कार्यों की अधिकता में निर्दिष्ट की गई हैं।

प्रस्तावित अनुसंधान इन संवादात्मक नेटवर्क के संदर्भ में युगों से धर्म द्वारा निभाई गई भूमिका को महत्व देगा, और अंतर्क्षेत्रीय विविधताओं के साथ उनके असर को जानने का भी प्रयास करेगा। उदाहरण के लिए, उपर्युक्त भौगोलिक स्थान के बड़े सामाजिक-धार्मिक प्रतिमानों का अध्ययन करते समय भारतीय उपमहाद्वीप का उत्तर-पूर्वी भाग स्पष्ट रूप से उपेक्षित रहता है। यदि संभव हो तो, वर्तमान शोध 'फ्रंटियर' बंगाल में इस्लाम के योगदान को समझने का प्रयास करेगा, विशेष रूप से वर्तमान बांग्लादेश, अराकान और बड़े दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्रों में इस्लामी सिद्धांतों के प्रसार के संबंध में।

चूंकि एशियाई अध्ययन MAKAIAS के अनुसंधान कार्यक्रम का एक प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है, इसलिए प्रस्तावित कार्य उनके उद्देश्य को और आगे बढ़ा सकता है। फेलोशिप के अलावा, लाइब्रेरी सुविधाओं सहित अन्य लॉजिस्टिक सपोर्ट निश्चित रूप से मुझे संबंधित विषय में गहन शोध कार्य करने की गुंजाइश प्रदान करेगा।

श्री अमित बर्मन

उत्तर पूर्व भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में इंटरएक्टिव नेटवर्क और पर्यटन: असम और म्यांमार का एक केस स्टडी

पर्यटन किसी भी देश या क्षेत्र के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन उद्योग में उच्च दर से बढ़ने और क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के परिणामी विकास को सुनिश्चित करने की क्षमता है। यह सेवा क्षेत्र में देश की सफलता से लाभान्वित हो सकता है और विकास के स्थायी मॉडल प्रदान कर सकता है। पर्यटन क्षेत्र कृषि, बागवानी, मुर्गीपालन, हस्तशिल्प, परिवहन, निर्माण आदि जैसे अन्य आर्थिक क्षेत्रों को प्रोत्साहित करता है। पर्यटन व्यय से निकलने वाली खपत की मांग भी अधिक रोजगार को प्रेरित करती है और अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव उत्पन्न करती है। पर्यटन उद्योग में कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित करने का अनूठा लाभ है। यह स्थानीय लोगों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करता है। उत्तर पूर्व भारत में दोहन की अपार क्षमता है। किसी भी क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस क्षेत्र में पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह तिब्बत (चीन), म्यांमार, भूटान और बांग्लादेश जैसी कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से घिरा हुआ है। दूसरी ओर, यह क्षेत्र प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक और ऐतिहासिक स्थानों, संस्कृति, खान-पान और परंपरा से बहुत समृद्ध है, जो पर्यटकों को आसानी से इस क्षेत्र की यात्रा के लिए आकर्षित कर सकता है।

हालांकि इसमें विकास की क्षमता है, इस क्षेत्र में पर्यटन उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे बुनियादी सुविधाओं की कमी, कनेक्टिविटी की कमी, पर्यटन क्षेत्र में कौशल की कमी, उग्रवाद आदि। परिणामस्वरूप, यह क्षेत्र अविकसित रहता है। हालाँकि, 'लुक ईस्ट पॉलिसी' का नाम बदलकर 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' करने के बाद, कई कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट तेजी से चल रहे हैं। इसलिए, इसी संदर्भ में, वर्तमान अध्ययन म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों के संबंध में उत्तर पूर्व भारत में पर्यटन विकास की संभावनाओं को समझने की कोशिश करता है।

मकायास के आंतरिक साथियों द्वारा किए गए अनुसंधान परियोजनाएं

श्री अर्का चौधरी

प्रतिवाद, प्रौद्योगिकी और शाही सीमा: भारत और मध्य एशिया की उत्तर-पश्चिम सीमा, छोटे युद्धों से कुल युद्ध तक, 1850-1947

क्या औपनिवेशिक भारत में सीमा युद्ध की प्रतीत होने वाली अराजक प्रकृति के अंतर्निहित ठोस तर्क का पता लगाना संभव है? औपनिवेशिक प्रतिवाद के संदर्भ में युद्ध, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी के बीच क्या संबंध है? क्या ब्रिटिश-भारतीय सेना ने भारत की सीमाओं में अपने अभियानों में 'न्यूनतम बल' के सिद्धांत का पालन किया था? सैन्य प्रौद्योगिकी ने ब्रिटिश भारतीय सेना के युद्ध के सैद्धांतिक विकास को किस हद तक प्रभावित किया? अंत में, आज दुनिया में किस हद तक औपनिवेशिक प्रतिवाद प्रतिवाद के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत प्रदान कर सकता है? ये केंद्रीय प्रश्न हैं जिनके चारों ओर प्रस्तावित कार्य घूमता है। इसका उद्देश्य भारत की अस्थिर और अस्थिर सीमाओं में ब्रिटिश भारतीय सेना के उग्रवाद विरोधी युद्ध में एक प्रवेश बिंदु के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना है ताकि यह विश्लेषण किया जा सके कि युद्ध के परिणाम में प्रौद्योगिकी कैसे एक निर्धारक कारक हो सकती है।

प्रस्तावित कार्य भारत की सीमाओं में ब्रिटिश साम्राज्य-निर्माण के विचार पर फिर से विचार करने का प्रयास करता है। उनकी बहस और विचार-विमर्श में मौजूदा साहित्य राज्य गठन के संबंध में उत्तर-पश्चिम सीमांतों में मध्य एशिया तक फैले आदिवासियों की संस्थानों को नकारता है। उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी में अफगानिस्तान में ब्रिटिश-भारतीय सेना का आक्रमण इस तथ्य को प्रदर्शित करता है कि अफगान अमीर के शासन को मजबूत करने के बजाय, यह उसके अधिकार को अस्थिर करने के लिए प्रवृत्त हुआ और इस तरह उसकी वैधता और उसके प्रति निष्ठा को कम कर दिया। इसलिए, थीसिस औपनिवेशिक आतंकवाद विरोधी अभियान से प्राप्त सबक और आज के संदर्भ में उनके व्यावहारिक निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित करके भारतीय सीमाओं में राज्य-निर्माण की संपूर्ण धारणा को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करती है।

सुश्री बरनाली शर्मा

प्रवासन शहरीकरण की ओर ले जाता है: प्रवासी स्ट्रीट वेंडर्स और उनके गुवाहाटी शहर में आजीविका का एक अध्ययन

प्रवासन जनसंख्या के आकार, वितरण और वृद्धि को उसकी संरचना और विशेषताओं के साथ निर्धारित करता है। प्रवासन हमेशा आजीविका का एक घटक रहा है और ग्रामीण भारत में सबसे गरीब वर्ग के बीच मुख्य रूप से श्रम की मौसमी गतिशीलता के रूप में अपनाई गई सबसे महत्वपूर्ण आजीविका रणनीतियों में से एक है। यह अध्ययन उन सामाजिक-आर्थिक कारकों का विश्लेषण करने का प्रयास करता है जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवासन में भिन्नता की व्याख्या करते हैं। इस प्रकार स्ट्रीट वेंडर न केवल अनौपचारिक क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग भी हैं। भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(जी) सभी भारतीय नागरिकों को कोई भी पेशा करने, या कोई पेशा, व्यापार या व्यापार करने का अधिकार देता है। विरोधाभासी रूप से, दूसरी ओर, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराएं पुलिस को सड़कों पर किसी भी अवरोध को हटाने का अधिकार देती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और लाभकारी रोजगार की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग काम और आजीविका के लिए शहरों की ओर पलायन कर गए। भारत के उत्तर पूर्व के प्रवेश द्वार के रूप में अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, गुवाहाटी एक प्रमुख व्यापार और वाणिज्य केंद्र बन गया और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ता शहर बन गया जहां इसके अधिकांश कर्मचारी अनौपचारिक क्षेत्र में हैं। यह अध्ययन प्रवासी स्ट्रीट वेंडर्स की आजीविका और गुवाहाटी शहर में प्रवास के परिणामों पर केंद्रित है। आज भी, स्ट्रीट वेंडर और स्ट्रीट वेंडिंग/बाजार गुवाहाटी के शहरी जीवन और व्यापार और वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जैसा कि तीन प्रमुख प्रकार के अनौपचारिक बाजारों के कामकाज के माध्यम से देखा जा सकता है, अर्थात्, ए) 13 जीएमसी (गुवाहाटी नगर निगम) किराया बाजार, b) 3 दैनिक बाज़ार, और c)1 द्वि-साप्ताहिक बाज़ार (महादेविया et.al. 2016:10)।

श्री बेदब्रत भादुड़ी

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सड़क अवसंरचना: चयनित आसियान देशों के संबंध में क्षेत्रवाद और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर एक अध्ययन

अवसंरचनात्मक सुविधाएं, विशेष रूप से सड़क अवसंरचना उत्तर-पूर्वी भारत में विकास कथा के तहत अन्य चुनौतियों के साथ-साथ पहुंच, समावेशन, निष्पक्षता और सामाजिक न्याय को समझने के लिए एक आधार प्रदान करती है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उचित संचार और कनेक्टिविटी सुविधाओं की कमी ने आर्थिक विकास और क्षेत्र की समग्र समृद्धि की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में बुनियादी ढांचे के महत्व को भारत सरकार ने प्रारंभिक चरणों में मान्यता दी थी। क्षेत्र के आर्थिक विकास और आज भी संबोधित किया जा रहा है।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान), जिसमें अधिकांश दक्षिण पूर्व एशियाई देश शामिल हैं, क्षेत्रीय राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास को और बढ़ावा देना चाहता है। 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के एक भाग के रूप में आसियान देशों के साथ जुड़ाव के संदर्भ में यह अध्ययन म्यांमार के साथ संबंध पर जोर देता है - दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार और थाईलैंड पर क्योंकि उनका भारत के साथ महत्वपूर्ण मात्रा में व्यापार आदान-प्रदान हुआ है, विशेष रूप से उत्तर -पूर्वी क्षेत्र के साथ। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कई प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजनाओं की शुरुआत की है। भारत सरकार की ओर से की गई प्रमुख पहल में शामिल हैं - उत्तर पूर्व के लिए विशेष त्वरित सड़क विकास कार्यक्रम (SARDP-NE), प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY), उत्तर पूर्वी राज्य सड़क निवेश परियोजना (NESRIP)। यह शहरीकरण प्रक्रिया को गति दे सकता है जो नागरिकों के जीवन स्तर के समग्र स्तर में सुधार करेगा जो सरकार की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" का समर्थन करने में मदद करेगा।

श्री एलोइट कार्डोज़ो

भारत में हिप हॉप संस्कृति का जातीय इतिहास

इस परियोजना के माध्यम से मैं भारत में भूमिगत हिप हॉप संस्कृति के मौखिक इतिहास को रिकॉर्ड और दस्तावेज करने का प्रयास करता हूं। इसके लिए, मैं एक नृवंशविज्ञान संबंधी दृष्टिकोण अपनाने की योजना बना रहा हूं: नृवंशविज्ञान फील्डवर्क को हेर्मेनेयुटिक विश्लेषण के वर्णनात्मक तरीकों के साथ जोड़ना। यह मुख्य रूप से बंगलौर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली और मुंबई के साथ-साथ कुछ अन्य छोटे शहरों में नृवंशविज्ञान संबंधी डेटा संग्रह की आवश्यकता होगी। भारत में हिप हॉप के इतिहास के व्यापक खाते को समेटने के लिए नृवंशविज्ञान डेटा को फिर वर्णनात्मक विश्लेषण के अधीन किया जाएगा। ऐसा करने में, मैं देश में हिप हॉप की दूसरी पीढ़ी के नेतृत्व वाले परिवर्तन के आगमन से पहले भारत में संस्कृति के विकास को समझना चाहता हूं। भारत में हिप हॉप संस्कृति पर मौजूदा शोध के विपरीत, मुख्य रूप से एथ्रियाज गेब्रियल दत्तात्रेयन और जसपाल नवील सिंह (जो दिल्ली में हिप हॉप संस्कृति पर केंद्रित है) का काम, भारत के भीतर विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैले हिप हॉप समुदायों में यह परियोजना इन ऐतिहासिक आख्यानों के बीच समानता को समझने के उद्देश्य से व्यापक है।

डॉ. फरहीना रहमान

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का निर्माण

राष्ट्रवाद, विचारधारा इस आधार पर कि राष्ट्र-राज्य के प्रति व्यक्ति की वफादारी और भक्ति अन्य व्यक्ति या समूह के हितों से परे है। राष्ट्रवाद को आधुनिक आन्दोलन कहा जाता है। पूरे इतिहास में लोग अपनी मूल भूमि, परंपराओं और स्थापित क्षेत्रीय अधिकारियों से जुड़े रहे हैं, लेकिन 18 वीं शताब्दी के अंत तक ऐसा नहीं था कि राष्ट्रवाद सार्वजनिक और निजी जीवन को ढालने वाली एक आम तौर पर मान्यता प्राप्त भावना बन गया और उनमें से एक आधुनिक इतिहास के महान एकल निर्धारण कारक बन गया। हालाँकि, भारतीय संदर्भ में, राष्ट्रवाद के विचार को "अखंड भारत" बनाने के विचार के साथ समेकित किया जा सकता है, जिसका शाब्दिक रूप से अविभाजित भारत में अनुवाद किया जा सकता है। यह धारणा अंग्रेजों से लड़कर प्राचीन भारतीय सभ्यता को फिर से जोड़ने के इर्द-गिर्द घूमती है। भारतीय उपमहाद्वीप की सभ्यता दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है। इसकी सांस्कृतिक निरंतरता और एशिया के अधिकांश हिस्सों में इसके शक्तिशाली प्रभाव का प्राचीन काल से पता लगाया जा सकता है। यह तर्क दिया जा सकता है कि भारत ब्रिटिश निर्मित राष्ट्र नहीं हो सकता। भारत को सभ्यता की एक विशिष्ट निरंतरता और अपनी धार्मिक, सभ्यतागत, सांस्कृतिक और भाषाई निरंतरता के साथ राष्ट्रीयता की एक प्राचीन अवधारणा का आशीर्वाद प्राप्त है। भारत इतिहास, प्राचीन विरासत, संस्कृति और सभ्यता वाला राष्ट्र है। भारत सांस्कृतिक बहुलवाद या सांस्कृतिक विविधता का देश है। अति प्राचीन काल से, यह कई भाषाओं, धर्मों, जनजातियों, जातियों और जातियों और उप-जातियों का घर रहा है। भारत में सांस्कृतिक बहुलवाद के इन तत्वों में, भाषा, जनजाति और धर्म महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे न केवल समूह पहचान के महत्वपूर्ण चिन्हों के रूप में काम करते हैं, बल्कि राष्ट्रीयता के गठन के लिए व्यवहार्य आधार भी प्रदान करते हैं। इसलिए, यह तर्क दिया जा सकता है कि बीसवीं सदी के पहले दशक में औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ अखिल भारतीय प्रतिरोध के उदय के साथ उभरने वाली भारतीय राष्ट्रवाद की प्रमुख राजनीतिक विचारधारा के खिलाफ; सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में भारत में राष्ट्रवादी विमर्श को भारत के प्राचीन काल में खोजा जा सकता है। यह पाया जा सकता है कि सांस्कृतिक मूल्य बहुत पहले से किसी विशेष राष्ट्र से संबंधित लोगों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उपरोक्त संदर्भ में, वर्तमान अध्ययन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में राष्ट्र और राष्ट्रवाद को आकार देने वाले भारतीय विचारों का पता लगाने की कोशिश करता है क्योंकि ऐसे कई तरीके हैं जिनमें राष्ट्रवाद खुद को प्रकट कर सकता है। अध्ययन भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अभिव्यक्तियों के ऐतिहासिक पथ का विश्लेषण करने का प्रयास करेगा। इस प्रयोजन के लिए, अध्ययन का उद्देश्य 15वीं-16वीं शताब्दी के भारत में भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के निर्माण में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के योगदान का विश्लेषण करना है।

श्री जय प्रकाश गुप्ता

सतत विकास के लिए सार्वजनिक नीति और प्रभावी पर्यावरण शासन: म्यांमार का केस स्टडी

सतत विकास के तहत लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफलता का कारण राष्ट्र राज्यों की तत्काल विकास आवश्यकताओं के साथ इसका सीधा टकराव है। विश्व तत्काल और सतत विकास के चक्रव्यूह में फंसने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। अपने म्यांमार के दृष्टिकोण में सबसे अधिक विचित्रता महसूस की जाती है - एक ऐसा क्षेत्र जो विशाल प्राकृतिक संसाधनों के साथ गरीबी की विडंबना का अनुभव कर रहा है। जातीयता, संस्कृति और राष्ट्रवादी आकांक्षाओं के मुद्दों से उलझे इस क्षेत्र का विकास बाकी दुनिया की तुलना में धीमा था। धीमे विकास ने म्यांमार की आबादी के बीच और अधिक मोहभंग पैदा कर दिया, जिन्होंने सापेक्षिक अभाव की भावना महसूस की जिसके कारण विभिन्न रंगों की विद्रोह मांगों में वृद्धि हुई। म्यांमार की सरकार के सामने अब जो कठिन कार्य है, वह इस क्षेत्र में विकास का कारण है जो पर्यावरण, संस्कृति और क्षेत्र के अन्य पच्चीकारी के अनुरूप है। इसलिए क्षेत्र में जलवायु शासन और सतत विकास के मुद्दों के लिए एक केंद्रित शोध बहुत जरूरी है। अध्ययन नीति निर्माताओं और अकादमिक समुदाय को मानवता के लाभ के लिए व्यापक पैमाने पर अनुसंधान के परिणाम का पता लगाने में मदद करेगा। विशिष्ट उद्देश्य हैं:

1. म्यांमार क्षेत्र में सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों और महत्वपूर्ण पर्यावरणीय संधियों के कार्यान्वयन में विफलता के कारणों को समझना।
2. अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और राष्ट्रीय स्तर के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्र राज्य की प्रतिबद्धताओं के बीच मौजूदा अंतराल को समझना।
3. म्यांमार क्षेत्र में क्षेत्रीय स्तर पर सार्वजनिक नीति निर्माण और शासन की बाध्यताओं की प्रक्रिया में तल्लीन करना।
4. म्यांमार क्षेत्र में सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वैश्विक पर्यावरण शासन की भूमिका का मूल्यांकन करना।
5. राष्ट्र राज्यों के लिए प्रभावी सार्वजनिक नीति और शासन का सुझाव दें जो टिकाऊ भविष्य के लिए 2015 के बाद के एजेंडे के कार्यान्वयन के लिए मॉडल होंगे।

डॉ. कानु हलदर

कोविड-19: बंगाल नामशूद्र (मटुआ) समाज पर प्रभाव (2021 से 2022)

कोविड-19 (SARS-CoV-2) महामारी, जिसने दुनिया भर में तबाही मचाई है, ने भारत में भी अपना जाल फैलाया है। अन्य भारतीय राज्यों की तरह, पश्चिम बंगाल भी इस बीमारी के तेजी से प्रसार से खुद को नहीं बचा सका। इस महामारी का राजनीति, अर्थशास्त्र, विज्ञान और समाज जैसे क्षेत्रों पर लंबे समय तक प्रभाव पड़ा है और इस संदर्भ में पश्चिम बंगाल के पिछड़े समाज की स्थितियों पर फिर से विचार करना और उनका पुनर्मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण हो गया है। वर्तमान अध्ययन महामारी से त्रस्त बंगाल के बदलते सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवेश में मतुआओं की स्थिति को फिर से संदर्भित और पुनर्व्याख्या करने का प्रयास करता है। एक सच्चा कल्याणकारी राज्य समाज के सभी वर्गों के लोगों को अपनी विकासात्मक परियोजना में एकीकृत करने का प्रयास करता है। वर्तमान अध्ययन इस ट्रोप का उपयोग सीमांत समूहों/पिछड़े समाज में अनुसंधान के कार्य को अधिक यथार्थवादी और उपयोगितावादी बनाने के लिए करता है। वर्तमान अध्ययन न केवल कोविड -19 (SARS-CoV-2) महामारी और बंगाल में फैली पिछली महामारियों के बीच मौजूद अंतरों को चाक-चौबंद करना चाहता है, बल्कि यह मटुआ पर महामारी के प्रभाव की जांच भी करना चाहता है। लॉकडाउन, बेरोजगारी, कृषि भूमि पर दबाव, संपत्ति की हानि, स्वच्छता, स्वास्थ्य देखभाल आदि जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए, और कैसे इन कारकों का उनके सामाजिक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ा है, जिसमें मनोवैज्ञानिक क्षेत्र, सार्वजनिक मान्यता, विवाह, नारी मुक्ति, शिक्षा, बच्चे जैसे कारक शामिल हैं। ये कारक मटुआ के राजनीतिक मानस पर लंबे समय तक चलने वाले प्रभाव पैदा करेंगे, यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है। इसलिए, वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य यह जांचना है कि बंगाल के मटुआ ने अपने विभिन्न तौर-तरीकों और पहलुओं के साथ अपनी बातचीत के माध्यम से महामारी के रूबिकॉन को कैसे पार किया और इसका क्या प्रभाव रहा है।

सुश्री एल. दीपिका सिंहा

दक्षिण पूर्व एशिया में कुछ सामाजिक समूहों के तुलनात्मक अध्ययन के साथ डिमोरिया, असम के करबियों के बीच प्रागैतिहासिक पत्थर के औजारों के अर्थ को समझना

एक प्रागैतिहासिक मानव अतीत का अस्तित्व सबसे पहले प्रकृतिवादियों द्वारा पत्थर के औजारों और ऐसी अन्य वस्तुओं की खोज के साथ स्थापित किया गया था। प्रागैतिहासिक पत्थर के उपकरण लंबे समय से मानव तकनीकी और सांस्कृतिक विकास के शुरुआती चरणों के बारे में जानकारी का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहे हैं। यह विश्वास कि पत्थर की नोक गड़गड़ाहट से जुड़ी हुई है, प्राचीन है और इसमें एशिया के कई हिस्सों और दुनिया भर में पाई जाती है । प्राचीन काल से प्रागैतिहासिक पत्थर के औजारों से जुड़ी मान्यताएं पुरातत्वविदों और प्रकृतिवादियों के लिए अध्ययन का विषय रही हैं। जहाँ विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से 'थंडरबोल्ट्स' की पहचान करने और उपयोग करने के संबंधित उदाहरण दिए गए हैं, वहीं भारतीय उपमहाद्वीप में 'थंडरबोल्ट्स' से जुड़ी मान्यताओं से संबंधित शोध पर जोर बहुत सीमित है। इस अध्ययन का उद्देश्य सामाजिक-सांस्कृतिक नृविज्ञान और पुरातत्व के बीच अभिसरण क्षेत्र में एक अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से प्रागैतिहासिक भौतिक संस्कृति के अवशेषों के प्रति भारत के उत्तर पूर्वी हिस्से में असम की एक प्रमुख जनजाति कार्बी लोगों के दृष्टिकोण का पुनर्निर्माण करना है। वर्तमान अध्ययन कार्बी लोगों के बीच प्रागैतिहासिक पत्थर के औजारों से जुड़े उत्पत्ति के विचारों का पता लगाने का एक प्रयास है। यह क्षेत्र के लोगों के बीच इन वस्तुओं से संबंधित अर्थों और मान्यताओं को भी सामने लाने का प्रयास करेगा। अध्ययन लोगों के सामाजिक-धार्मिक जीवन में इन वस्तुओं की भूमिका और उपयोग पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

श्री मिंटू बरुआ

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव: निवेश के माध्यम से प्रभुत्व हासिल करना

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2013 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की शुरुआत की थी। बीआरआई में अब तक लगभग 68 देश और वैश्विक जीडीपी का 40 प्रतिशत शामिल है। हालाँकि, BRI के कार्यान्वयन के पीछे की प्रेरणा के बारे में मतभेद हैं। कुछ विद्वानों ने तर्क दिया है कि BRI को मौजूदा क्षेत्रीय-वैश्विक व्यवस्था को चीन-केंद्रित क्रम में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जबकि अन्य का तर्क है कि BRI क्षेत्रीय प्रभुत्व हासिल करने के लिए एक चीनी भू-रणनीति है। कुछ लोगों का तर्क है कि बीआरआई एक आर्थिक पहल है; फिर भी, कुछ तर्क देते हैं कि BRI में रणनीतिक आयाम बहुत प्रमुख हैं। चीन अपने बीआरआई लक्ष्यों को हासिल करने और अपने वित्तीय और रणनीतिक हितों को सुरक्षित करने के लिए निवेश को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए, चीन यूरोप से लेकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक, दुनिया के विभिन्न कोनों में भूमि आधारित और समुद्री बुनियादी ढांचे में निवेश करता रहा है। इसके अलावा, चीन आर्कटिक क्षेत्र में निवेश कर रहा है। यह शोध परियोजना इस बात की पड़ताल करती है कि विदेशों में चीनी निवेश कैसे चीन को अपनी रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद कर सकता है और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य को अपने पक्ष में संशोधित कर सकता है। उदाहरण के लिए, चीनी ऋण चुकाने में श्रीलंका की अक्षमता का उपयोग करते हुए, चीन ने हंबनटोटा बंदरगाह पर 99 साल की लीज पर कब्जा कर लिया। हंबनटोटा इस बात का सबसे स्पष्ट उदाहरण है कि चीन अपने रणनीतिक हितों को बढ़ाने के लिए निवेश का उपयोग कैसे करता है। हाल ही में हंबनटोटा पोर्ट में एक चीनी युद्धपोत को शरण दी गई थी। यह शोध चीनी की जांच करता है दुनिया के विभिन्न हिस्सों में निवेश और विश्लेषण करता है कि कैसे ये निवेश उन क्षेत्रों में चीन की रणनीतिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। विदेशों में चीनी निवेश के उद्देश्यों, चुनौतियों और संभावित परिणामों की व्याख्या करते हुए, यह शोध परियोजना चीनी विदेश नीति पर मौजूदा छात्रवृत्ति में योगदान कर सकती है।

डॉ. राजू सरकार

उत्तर पूर्व भारत और इसके पड़ोसी दक्षिण पूर्व क्षेत्र में शहरीकरण और प्रवासन: सामाजिक-आर्थिक असमानताओं और नीतिगत सिफारिशों का एक अध्ययन

भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में जनसांख्यिकी, स्वास्थ्य, आर्थिक स्थितियों, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और जीवन स्तर में असमानता है। उत्तर-पूर्व भारत भारत का सबसे कम शहरीकृत राज्य है, जहां 414 छोटे शहरों में केवल 18% आबादी रहती है। भारत में, पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में जाने वाले पूर्वी और मध्य क्षेत्रों के लोगों में प्रवासन का प्रभुत्व रहा है। दूसरी ओर, पूर्वोत्तर में प्रवासन और परिणामी तनाव के लिए एक प्रतिष्ठा है, लेकिन क्षेत्र से बाहर प्रवासन पर बहुत कम शोध है। क्षेत्र की जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल को उच्च जन्म दर, प्रवासन द्वारा उत्पन्न जनसंख्या विस्तार की तीव्र गति और एक युवा आयु संरचना (जनसांख्यिकीय लाभांश) के साथ जनसंख्या संरचना द्वारा परिभाषित किया गया है। शहरीकरण का निम्न स्तर, कृषि रोजगार का प्रसार, भाषाओं की विविधता, और देशी भाषाएँ कम सामान्य जनसांख्यिकीय विशेषताओं में से हैं। वर्तमान अध्ययन जनगणना के आंकड़ों के आधार पर उत्तर पूर्व भारत और इसके पड़ोसी दक्षिण पूर्व क्षेत्र में असमान शहरीकरण की प्रकृति, पैटर्न और माप पर ध्यान केंद्रित करता है, फिर शहरीकरण के निर्धारकों और कारणों का पता लगाता है। यह अध्ययन पूर्वोत्तर में आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के साथ-साथ प्रवास के कारणों की जांच करता है। अंत में, यह अध्ययन पूर्वोत्तर भारत में सामाजिक आर्थिक असमानताओं का विश्लेषण करता है और कुछ नीतिगत प्रभावों का सुझाव देता है। शहरीकरण को प्रभावित करने वाले कारकों की जांच के लिए साधारण न्यूनतम वर्ग (OLS) प्रतिगमन का उपयोग किया जाएगा। पूर्वोत्तर भारत में सामाजिक आर्थिक अंतराल का पता लगाने के लिए एक मिश्रित-तरीके के दृष्टिकोण को नियोजित किया जाएगा। उपजाऊ कृषि भूमि के विस्तार और विशाल प्रतिभा पूल के साथ संसाधन संपन्न उत्तर पूर्व भारत के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में से एक में बदल सकता है। हालांकि, खराब बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी, बेरोजगारी और कम आर्थिक विकास, और कानून और व्यवस्था की समस्याओं के कारण हम मानते हैं कि बाजार आधारित समाधान यहां काम नहीं कर सकते हैं। नीति प्रभावी शहरी नियोजन से संबंधित होनी चाहिए, जिसमें संचालनात्मक, विकासात्मक और पुनरोद्धार योजना शामिल है। शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार, जैसे सड़क, यातायात और परिवहन, परिचालन योजना का फोकस होगा।

सुश्री सायंती गांगुली

बंगाल के बाउल्स: उनकी उत्पत्ति, क्षेत्रीय विविधता और सामाजिक-सांस्कृतिक गतिशीलता का एक अध्ययन

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में हमारे पूर्वजों से विरासत में मिली परंपराएँ या जीवित अभिव्यक्तियाँ शामिल हैं और हमारे वंशजों को दी गई हैं। इनमें मौखिक परंपराएं, प्रदर्शन कलाएं, सामाजिक प्रथाएं, अनुष्ठान, प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान और प्रथाएं या पारंपरिक शिल्प बनाने के लिए ज्ञान और कौशल शामिल हैं। वे न केवल सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो हमें अतीत से विरासत में मिली है बल्कि समकालीन ग्रामीण और शहरी प्रथाओं का भी प्रतिनिधित्व करती है जो सांस्कृतिक विविधता में योगदान करती हैं। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत समुदायों में इसके आधार पर फलती-फूलती है और उन लोगों पर निर्भर करती है जिनकी परंपराओं, कौशल और रीति-रिवाजों का ज्ञान शेष समुदाय को, पीढ़ी दर पीढ़ी या अन्य समुदायों को दिया जाता है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसे बनाने, बनाए रखने और प्रसारित करने वाले समुदायों, समूहों या व्यक्तियों द्वारा मान्यता प्राप्त होने के बाद ही यह विरासत बन जाती है। प्रस्तावित परियोजना ऐसी ही एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत से संबंधित है।

बाउल ग्रामीण भाट हैं जो परिवर्तन के गीत गाते हैं। बाउल सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक रूप से हाशिए पर थे। उन्होंने ग्रामीण बंगाल में एक अलग सांस्कृतिक समुदाय का गठन किया। बाउल आमतौर पर खुद को किसी भी संगठित धर्म के दायरे से बाहर रखते हैं और जाति व्यवस्था के नियमों के अनुरूप नहीं होते हैं। उनके गीत मुख्य रूप से मुक्ति के हैं। बाउल अपने गीतों के माध्यम से प्रभुत्वशाली सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से कायम अन्याय, भेदभाव और असहिष्णुता पर चर्चा करते हैं। बाउलों का उद्देश्य अपने गीतों के माध्यम से एक विशिष्ट आध्यात्मिक परंपरा की स्थापना करते हुए सामाजिक चेतना को बढ़ाना है। ऐतिहासिक रूप से, बाउल तीन अलग-अलग धार्मिक परंपराओं से प्रभावित थे; ये सहजिया, भक्ति और सूफीवाद थे। बाउल ग्रामीण बंगाल में यात्रा करते समय गीतों का प्रदर्शन करके अपनी आध्यात्मिकता और समाज की आलोचना व्यक्त करते थे। परंपरागत रूप से, इन गीतों को वैकल्पिक, कम शोषक, समतावादी और न्यायपूर्ण आध्यात्मिक और सामाजिक व्यवस्था खोजने की आशा के साथ समुदाय के भीतर और बाहर के लोगों को मौखिक रूप से पढ़ाया जाता था। 25 नवंबर, 2005 को यूनेस्को ने मौखिक और अमूर्त विरासत की उत्कृष्ट कृतियों की वैश्विक सूची में बाउल परंपरा को शामिल किया। किसी भी अन्य सांस्कृतिक विरासत की तरह, यह परंपरा भी हाल के वर्षों में परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ऐसे कई कारक हैं जो परंपरा और इस परंपरा को निभाने वालों के लिए लगातार खतरा पैदा कर रहे हैं। प्रस्तावित अध्ययन का उद्देश्य खेल के इन कारकों में से कुछ को समझना है। अध्ययन के व्यापक उद्देश्यों में पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के विशिष्ट जिलों में इस परंपरा की उत्पत्ति और क्रमिक विकास का पता लगाना शामिल है। इन गीतों की सामग्री में आए परिवर्तन और इस परंपरा के कलाकारों की वर्तमान स्थिति को समझने का प्रयास किया जाएगा। इस अध्ययन में उनकी वैश्विक अपील का कारण और उन चुनौतियों को भी शामिल किया जाएगा जिनका आज कलाकार सामना करते हैं।

श्री सुब्रत मंडल

भारतीय ओबीसी समुदाय के अतीत, वर्तमान और भविष्य की सामाजिक-आर्थिक राजनीतिक और सांस्कृतिक गतिशीलता

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित विषय बहुआयामी है; इसके समझ में कई पहलु है, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, धर्म और कानून का एक ठोस ज्ञान आवश्यक है। ओबीसी या अन्य पिछड़ा वर्ग कोई एक जाति नहीं बल्कि संवैधानिक रूप से स्वीकृत वर्ग है। यह है जिसमें हिंदू, मुस्लिम अन्य अल्पसंख्यक वर्ग से पांच से छह हजार जाति, उप- जाति शामिल हैं। मंडल आयोग के अनुसार देश की कुल जनसंख्या के आधे से अधिक (52%) है। ओबीसी से संबंधित मुद्दे हिंदू जाति प्रथा से उत्पन्न होते हैं इसके बारे में विद्वानों और इतिहासकारों ने बहुत कुछ लिखा है, धर्मशास्त्रों के लेखकों का मानना था कि लोग एक विशेष जाति में पैदा होते हैं और उससे संबंधित पेशा करते हैं, और सख्त नियमों के अनुसार। यह वर्गीकरण व्यापक चार-प्रणाली दृष्टिकोण के माध्यम से बनाए रखा जाता है। भारत की जाति व्यवस्था राष्ट्रीयता के प्रतीक का एक उदाहरण है। यह प्राचीन भारत में और मध्य आधुनिक काल में विभिन्न समूहों विशेष रूप से मुगल साम्राज्य और ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा रूपांतरित किया गया था। मुस्लिम विजय के बाद, इस्लाम राज्य बन गया। इस्लाम सामाजिक समानता के सिद्धांत पर स्थापित है, इसलिए यह बड़ी संख्या में हिंदुओं, विशेषकर निचली जातियों और दलितों को आकर्षित करता है। इस्लाम कबूल करने के बाद सामाजिक भेदभाव और छुआछूत के जुल्म से भी वह अछूते नहीं रहे। उच्च जाति के हिंदू, ईरान और अरब के वंशजों लोगों के साथ- साथ सामाजिक पदानुक्रम में सर्वोच्च स्थान पर हैं, और अशरफ के रूप में जाने जाते हैं। शूद्रों जिसमें मुख्य रूप से कारीगर शमिल हैं, आजलआफ रूप में जाने जाते हैं, दूसरे स्थान पर हैं। दलित सबसे निचले सामाजिक स्थान पर हैं,आरजल रूप में जाने जाते हैं।

ईसाई धर्म की स्थिति अच्छी नहीं है। ब्रिटिश शासन के आगमन के बाद, हिंदू धर्म के कई संप्रदाय, उच्च और निम्न, ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए। उच्च जाति के हिंदुओं ने आकर्षक नौकरियों और महत्वपूर्ण पदों का आनंद लिया। दूसरी ओर निचली जाति के हिंदू (दलित और शूद्रों) जाति व्यवस्था के उत्पीड़न और हिंदू धर्म के तहत उन्हें मिलने वाली सामाजिक अक्षमताओं से बच नहीं सके।

हिंदू महिलाओं की स्थिति दयनीय थी, विशेषकर सबसे नीचे के लोग जिन्हें हम दलित और शूद्र कहते हैं, सभी सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्वतंत्रता से वंचित थे और जाति पदानुक्रम में ऊपर की ओर बढ़ने के सभी रास्ते उनके लिए बंद थे। विभिन्न समाज सुधारक जैसे कबीर, गुरु नानक, श्री चैतन्य, राजा राम मोहन राय, पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर, स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई फुले, नारायण गुरु, ई. वी. रामास्वामी, डॉ. बी. आर अंबेडकर सहित समाज सुधार दुष्ट जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया। सामाजिक रूप से उत्पीड़ित जाति अभी भी न्याय, राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए दशकों से लड़ रहे हैं । इस ओबीसी आंदोलन में एक खामी है इसके सशक्तिकरण में है क्योंकि यह उनके बीच एक अंतर्जातीय एकता बनाने में विफल रहा। कृषि भूमि से आर्थिक संपन्नता के कारण एक नव उच्च शूद्रों वर्ग का उदय हुआ। इसने उनका नेतृत्व किया, अंधविश्वास की बेड़ियों को तोड़कर उन्हें घृणा और शोषण से मुक्त किया। इसी आंतरिक कलह का फायदा उठाकर राजनीतिक नेता अपने वोट बैंक की खातिर उनकी एकता को भंग कर दिया। इसके अलावा, राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया हर क्षेत्र में रूढ़िवादी वर्ग के प्रभुत्व के लिए इस आंदोलन बहुत कम सफलता मिली है। अधिकार की मांग पूरे देश में प्रचलित थी। उत्तर से आवाजे (उत्तरप्रदेश, बिहार) दक्षिण में (तमिलनाडु, कर्नाटक, हैदराबाद औ तेलंगाना) पूर्व में (पश्चिम बंगाल) और पश्चिम में (गुजरात) कोई बड़ा परिवर्तन लाने में असफल रहे। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में वोट बैंक की खातिर हिंदू ओबीसी को आरक्षण के विशेषाधिकार से वंचित किया गया, 2012 पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधान सभा में ओबीसी-ए अधिनियम पारित किया है, जिसका नाम West Bengal backward class reservation of vacancy in services and post act 2012 है. इसमें कुल ओबीसी आरक्षण 17%, ओबीसी-ए 10% और ओबीसी-बी 7% का गठन किया हैं। बिना किसी उचित सर्वेक्षण के ओबीसी-ए में 73 मुस्लिम समुदायों को शॉर्टलिस्ट किया गया है ओबीसी-ए में 81 समुदायों है , और ओबीसी-बी में 97 में से 45 मुस्लिम समुदायों को सूचीबद्ध किया गया , मंडल आयोग की सिफारिश के अनुसार पश्चिम बंगाल में 150 में केवल 69 हिंदू जातियाँ हैं जिन्हे ओबीसी आरक्षण के दायरे में लाया गया है, बड़ी संख्या में हिंदु आरक्षण से वंचित हैं , अभी तक आयोग ने केवल 12 इस्लामी जातियों को अंतिम रूप दिया था जहां इसे अवैध रूप से बढ़ाकर 118 कर दिया गया।

7 अगस्त 1990 को तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने घोषणा की कि उनकी सरकार मंडल आयोग की सिफारिश को लागू करने का निर्णय लिया । मंडल आयोग की 27% आरक्षण सिफारिश को लागू करने का निर्णय लिया । ओबीसी आरक्षण के इस मुद्दे ने 2014 के नरेंद्र मोदी की सरकार दौरान फिर से जोर पकड़ा । इस बार न केवल उपरोक्त आरक्षण संरक्षित किया गया था लेकिन सूची में और भी लाभ जोड़े गए। इसका कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी समुदाय को समाज के मुख्य वर्ग में शामिल किया हैं।

1. इतिहास में पहली बार 27 कैबिनेट मंत्री ओबीसी समुदाय से आए हैं।
2. ओबीसी समुदाय को संवैधानिक सम्मान दिया गया है।
3. केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सेना विद्यालय प्रवेश हेतु संवैधानिक आरक्षण करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया।
4. केंद्र सूचीबद्ध ओबीसी समुदाय से अति पिछड़े वर्ग की पहचान के लिए रोहिणी आयोग बनाया गया है।
5. क्रीमी लेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दी गई है।
6. संविधान में संशोधन कर राज्यों को ओबीसी सूची बनाने का अधिकार दिया गया है
7. वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान मोदी सरकार ने ओबीसी को 27% आरक्षण दिया और मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए आर्थिक रूप से पिछड़े 10% आरक्षण।
8. मोदी सरकार ने विशेष रूप से ओबीसी समुदाय की शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर जोर दिया है।

अनुसंधान लेख जिस पर मकायास के आंतरिक अनुसंधान सहायक काम कर रहे हैंसुश्री मधुमिता मालाकार

सुश्री मधुमिता मालाकार

यात्रा वृत्तांतों की समीक्षा: बंगाल प्रांत का बौद्ध धर्म

भारत सांस्कृतिक विविधता का देश है, जिसका अपना गौरवशाली अतीत है, और यह विशेषता स्वयं प्रागैतिहासिक काल के युगों से लेकर वर्तमान ऐतिहासिक समय तक उसी गौरव और समृद्धि के साथ चली आ रही है। हमारे समाज के दार्शनिक पहलू का वर्णन करने के लिए यात्रा वृतांत एक बड़ा हिस्सा लेता है। प्राचीन पाठ और यात्रा वृतांत के संदर्भ में, हमारे समाज की जड़ों और उसके विचार के प्रमुख स्रोतों को खोजना बहुत दिलचस्प है जो हमारे प्राचीन समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक और दार्शनिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। पूरे भारत में और विशेष रूप से बंगाल में बौद्ध धर्म विभिन्न समयों पर शासक राजाओं द्वारा शाही संरक्षण में बड़े पैमाने पर फला-फूला। । पूरे बंगाल की भूमि में बौद्ध धर्म के विस्तार के अनुसंधान और समझ को समाप्त करने के लिए पुरातात्विक साक्ष्यों को पाठ या साहित्यिक स्रोतों के साथ सहसंबंधित करना बहुत आवश्यक है जो ह्वेन त्सांग, फा-हियान, आदि के यात्रा वृत्तांतों के रूप में उपलब्ध हैं। । प्रस्तावित शोध में स्थलों और उनके महत्व और आसपास के यात्रा वृतांतों गाओ, मुख्य रूप से विदेशी खाते और राहुल सांकृत्यायन के भारतीय यात्रा खाते के साथ सहसंबंध के साथ-साथ बंगाल प्रांत में बौद्ध धर्म के गौरवशाली अतीत की आशावादी संभावनाओं के बारे में बात करने की कोशिश की जाएगी। इस ग्रन्थ के समाप्त होने तथा इसका पुरातात्विक साक्ष्यों से सहसम्बन्ध बंगाल प्रांत में बौद्ध धर्म के प्रसार को सिद्ध करने में सहायक होगा।

श्री पुलकित बटन

भारत की शरणार्थी नीति

समकालीन दुनिया ने विभिन्न प्रकार और परिमाण के प्रवासी आंदोलनों को देखा है। इनमें से एक प्रकार है शरणार्थियों और राज्यविहीन व्यक्तियों का सीमाओं के भीतर और बाहर आना-जाना। मूल स्थान पर जातीय संघर्ष, नागरिक संघर्ष और युद्ध सहित विभिन्न कारकों के कारण शरणार्थियों, स्टेटलेस व्यक्तियों, शरण चाहने वालों और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों का आंदोलन उत्पन्न हो सकता है। वर्तमान में, दुनिया भर में 79.5 मिलियन जबरन विस्थापित लोग हैं। उनमें से 26 मिलियन शरणार्थी हैं, 45.7 मिलियन आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, और 4.22 मिलियन शरण चाहने वाले हैं (यूएनएचसीआर 2020)।

भारत दक्षिण एशिया में प्रवासियों और शरणार्थियों के प्राथमिक प्राप्तकर्ताओं में से एक रहा है। भारत में लगभग 300000 लोगों को शरणार्थी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। लेकिन भारत न तो 1951 यूएनएचसीआर कन्वेंशन का हस्ताक्षरकर्ता है और न ही इसके प्रोटोकॉल ने एक व्यापक समान नीति विकसित की है। इसने इसे समय- समय पर अपनी नीतिगत प्रतिक्रियाओं को बदलने की अनुमति दी है और सुरक्षा की आवश्यकता वाले लोगों के मन में अक्सर अस्पष्टता उत्पन्न की है, जैसा कि हाल ही में रोहिंग्याओं के मामले में हुआ, जहां यह अक्सर विदेशी अधिनियम या भारतीय पासपोर्ट अधिनियम का सहारा लेता है। श्रीलंकाई तमिलों के प्रति इसकी प्रतिक्रिया पूरी तरह से अलग थी जहां सरकार ने नॉन-रिफॉलमेंट के सिद्धांत का पालन किया है। यह भारत के शरणार्थियों के असंगत उपचार (सुब्रमण्यम 2021) की ओर इशारा करता है।

यह अस्पष्टता कानून में भी दिखाई देती है। विदेशी अधिनियम 1946, पासपोर्ट अधिनियम 1967, प्रत्यर्पण अधिनियम 1962, नागरिकता अधिनियम 1955 सहित भारत में शरणार्थियों से संबंधित महत्वपूर्ण अधिनियम, विदेशियों और शरणार्थियों पर लागू होते हैं। यह अक्सर यह निर्धारित करने के लिए अधिकारियों के विवेक पर छोड़ देता है कि सुरक्षा की आवश्यकता किसे है। हाल ही में, भारत सीएए, 2019 के साथ सामने आया, जिसने अपने घरेलू देशों में धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने वालों को नागरिकता देने की मांग की, लेकिन मुसलमानों को इस बहाने से बाहर कर दिया कि वे तीन देशों में अल्पसंख्यक नहीं हैं। कन्वेंशन के हस्ताक्षरकर्ता नहीं होने के बावजूद, भारत में अभी भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत शरणार्थियों के प्रति कुछ दायित्व हैं, जिन पर भारत ने हस्ताक्षर किए हैं, जैसे कि नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध। भारत में अफगानिस्तान और म्यांमार दोनों से शरणार्थियों की बढ़ती संख्या के साथ, भारत की शरणार्थी नीति की प्रकृति और इसे प्रभावित करने वाले कारकों को समझने की आवश्यकता है। यह अध्ययन भारत की शरणार्थी नीति की प्रकृति को समझने की कोशिश करता है और भारत की शरणार्थी नीति को निर्धारित करने में न्यायपालिका, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और यूएनएचसीआर जैसे गैर- राज्य अभिनेताओं सहित विभिन्न अभिनेताओं की भूमिका का विश्लेषण करता है।

श्री रेबंता गुप्ता

रिकॉर्ड किए गए संगीत के युग में महिला हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार

इस परियोजना का उद्देश्य यह समझना है कि बीसवीं शताब्दी और इक्कीसवीं शताब्दी में महिला हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकारों ने गौहरजान, बेगम अख्तर जैसे कुछ चुनिंदा महिला संगीतकारों के प्रदर्शन/जीवनी संबंधी विवरणों का विश्लेषण करके उत्तर भारत के संगीतमय वातावरण में अपना स्वयं का एक सत्तामीमांसा स्थान कैसे बनाया। केसरबाई केरकर, किशोरी अमोनकर, और कौशिकी चक्रवर्ती जैसे कुछ नाम हैं। विश्लेषण का नेतृत्व करने के लिए यह परियोजना वर्जीनिया वूल्फ की साहित्यिक कृति का उपयोग उसके ए रूम ऑफ वन्स ओन (1929) में की गई व्याख्या के रूप में करती है। यह परियोजना यह भी पता लगाने का प्रयास करती है कि क्या ये संगीतकार अपनी अनूठी संगीत संवेदनाओं और सिमेंटिक रजिस्टरों के साथ अपनी खुद की एक विशिष्ट संगीत भाषा तैयार करने में सक्षम थे।

सुश्री सहेली डे

भौतिक संस्कृति और आदिवासी: पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में संथालों के बीच बदलती स्थिति पर एक अध्ययन

जनजातीय समाज को आमतौर पर यांत्रिक एकजुटता की विशेषता वाले कबीले-वंश आधारित खंड प्रणाली के रूप में माना जाता है। बेते (1977) ने जनजाति को एक समाज के रूप में वर्णित किया; रिश्तेदारी पर आधारित समाज, जहां सामाजिक स्तरीकरण अनुपस्थित है। मोटे तौर पर जनजाति सामाजिक मूल्यों, सामान्य बोली, क्षेत्र और संस्कृति को साझा करने वाले लोगों का एक समूह है। भारतीय जनजाति की आजीविका के कई तरीके हैं और यह सच है कि उन्हें विशेष रूप से इसके सख्त अर्थों में विशेष रूप से नहीं रखा जा सकता है। वे इसके निर्वाह को पूरा करने और जटिल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करते हैं, हालांकि भारत के आदिवासियों के पास अर्थव्यवस्था के प्राथमिक साधन हैं जो देश की विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुसार शिकार और इकट्ठा करने के चरण से लेकर स्थिर कृषि चरण तक ग्रेडिंग करते हैं। इस प्रकार, भारत की कुल आबादी का 8 प्रतिशत से अधिक, आदिवासियों की संस्कृति, जीवन शैली और सबसे बढ़कर उनके अपने अलग-अलग रीति-रिवाजों और विश्वदृष्टि में विविधता है।

आज बड़े समाज की संस्कृति, आधुनिकीकरण, औद्योगीकरण के अपने अनुकूलन और जोखिम के बावजूद, वे गतिशील अलगाव की दुनिया में रहते हैं जो उन्हें अपनी विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में मदद करती है। संथालों की भौतिक संस्कृति की बदलती स्थिति आधुनिकीकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू है। आबादी का सबसे पुराना नृवंशविज्ञान वर्ग होने के नाते, वे अभी भी अपने जीवन के आदिम तरीके का अनुसरण करते हैं। यदि प्रमुख नहीं, तो अधिकांश संथाल समुदाय स्वत: ही कभी बदलते आधुनिक समाज में गोता लगाते हैं।

श्री श्रीदाम मंडल

बंगाल में पुर्तगाली और डच वास्तुकला के सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास पर दोबारा गौर करना

वर्तमान शोध प्रस्ताव अपनी धर्मनिरपेक्ष और धार्मिक विरासत की समझ के लिए चिनसुराह क्षेत्र में डच बस्ती से संबंधित स्थापत्य इतिहास का पता लगाने का एक प्रयास है। आम तौर पर हुगली के तट पर डच बस्तियों के उद्भव और विशेष रूप से चिनसुराह के बारे में एक संक्षिप्त ऐतिहासिक प्रवचन के अलावा, डच विरासत के अवशेषों के दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया जाएगा। प्रस्तावित कार्य की बुनियादी शैक्षणिक महत्वाकांक्षा में मौलिक डेटा का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन और उसी की व्याख्या शामिल है, इस उम्मीद के साथ कि यह संबंधित विषय की एक सुसंगत तस्वीर प्रदान करेगा। ऐतिहासिक रूप से, उन्हें सहजन के यूरोप की गिनती से एक कानूनी आदेश प्राप्त हुआ। दस्तावेज़ में कहा गया है कि "डच द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, बंगाल के सूबेदार को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया जा रहा है कि कोई भी पुराने कानूनों द्वारा घोषित सीमा से परे धन की वसूली नहीं कर सकता है और कोई भी इसमें कोई नया कानून या तरीका लागू नहीं कर सकता है। "शुरुआत में डच कंपनी ने पहले हुगली पर कब्जा कर लिया था, लेकिन बाढ़ और अन्य प्राकृतिक समस्याओं के कारण वे स्थानांतरित हो गए और लगभग 1656 ई में चिनसुराह में नया व्यापारिक केंद्र बना लिया। बाद के वर्ष में डच कंपनी ने बंगाल के नवाब के साथ बातचीत की। यह लंबा इतिहास हमारे दायरे से बाहर है। अगस्त 1759 में कुछ डच और यूरोपीय सैनिकों को ले जाने वाले एक डच जहाज का आगमन हुआ और ब्रिटिश इंडिया कंपनी और डच व्यापारियों के बीच टीसेल चल रहा था। अंत में, चिनसुराह को 1783 में एक बार फिर से डचों के लिए बहाल कर दिया गया। यह बनाए रखने योग्य है कि समय से व्यापार और चिंता बंगाल का एक सक्रिय हिस्सा बन गया, विशेष रूप से चिनसुरहांड में कुछ और स्थान। कई डच व्यापारियों ने स्थानीय अर्थव्यवस्था के पक्ष में बात की। मुगल कला प्रशासन या बंगाल का नवाब ब्रिटिश व्यापारियों के साथ साजिश में शामिल था, यह डच थे जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था के पक्ष में अपनी राय दी और स्थानीय विकास करने के संदर्भ में सोचा।

वर्तमान कार्य अनिवार्य रूप से उक्त क्षेत्र में डच विरासत के अवशेषों का पता लगाने के लिए है। अस्थायी रूप से वर्तमान कार्य डच ईस्ट इंडिया कंपनी और फैक्ट्री, पुराने बैरकों (चिनसुराह कोर्ट के आसपास), गवर्नर निवास, जनरल पेरोन हाउस (अब हुगली मोहसिन कॉलेज), चर्च, कब्रिस्तान और अन्य विविध अवशेषों के साक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करेगा। गंगा या हुगली के किनारे डच बस्तियों की उपस्थिति ने 17-19 शताब्दियों में बंगाल के वर्णन को बढ़ावा दिया है। डच व्यापारियों के लिए जो 1607 से बंगाल में बस रहे थे। बंगाल डेल्टा ने शुरुआती यूरोपीय लोगों को आकर्षित किया और माना कि यह क्षेत्र दीर्घकालिक व्यापार और वाणिज्य के लिए सबसे अधिक लाभदायक था। डच बस्ती की शुरुआत चिनसुराह में और लगभग 50 कि.मी. हुगली नदी के तट पर कोलकाता से उसके आसपास दर्ज की जा सकती है । चिनसुराह में जीवंत डच उपस्थिति की ऐतिहासिक विरासत आज मजबूत किले, सुंदर मकबरे, ग्रांट कंट्री हाउस, मूक कारखानों, विशाल कब्रिस्तान और अन्य शेष ईंटों के पत्थर और प्लास्टर के रूप में दिखाई देती है। साहित्यिक और पुरातात्विक स्रोत हमें अनुसंधान का विशाल दायरा देते हैं।

वर्ष २०२२-२०२३ का वार्षिक प्रतिवेदन

मामलों पर ध्यान केंद्रित करने वाला अनुसंधान और सीखने का केंद्र है। दक्षिण एशिया, मध्य एशिया, यूरेशिया और पश्चिम एशिया।

मकायास की स्थापना एक शोध संस्थान के रूप में की गई थी जो समाज और संस्कृति, वैज्ञानिक तर्कसंगतता और एशियाई संबंधों के व्यापक क्षेत्र का अध्ययन करेगा। विशेष रूप से संस्थान की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक/प्रशासनिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अनुसंधान करने के उद्देश्य से की गई थी, जिसमें भारत के साथ उनके संबंधों और मौलाना के जीवन और कार्यों पर विशेष जोर दिया गया था। आजाद.

उत्तर पूर्व भारत अनुसंधान कार्यक्रम के तहत, उत्तर-पूर्वी राज्यों के विश्वविद्यालयों/संस्थानों के सहयोग से सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से एनईआईआर के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान की प्रमुख गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ:

- मकायास की प्रमुख गतिविधियाँ/उपलब्धियाँ
- मौलाना आज़ाद संग्रहालय की गतिविधियाँ
- अनुसंधान परियोजनाएं/शैक्षणिक कार्यक्रम
- पुस्तकों/न्यूज़लेटर्स/सामयिक पत्रों का प्रकाशन
- एशिया संबंधों के विषयों पर सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं
- आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) विषय पर सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं
- भारत की G20 अध्यक्षता पर सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं
- भारत सरकार के राष्ट्रीय आयोजनों/राष्ट्रीय हस्तियों/अभियानों/मिशनों की वर्षगाँठों का पालन।

२०२२ के दौरान मकायास की गतिविधियाँ

अप्रैल, २०२२

भारत के गुमनाम नायक, प्रसिद्ध पुरातत्वविद्, उपन्यासकार और संग्रहालय विशेषज्ञ राखलदास बनर्जी की 137वीं जयंती मनाने के लिए; जिनकी खोजों से मोहनजो-दारो और हड़प्पा स्थलों पर खुदाई हुई, जिससे तत्कालीन अज्ञात कांस्य युग सिंधु घाटी सभ्यता का अस्तित्व स्थापित हुआ; मकायास ने **12 अप्रैल, 2022** को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का विषय था "राखल दास बनर्जी: भारतीय इतिहास और संस्कृति में उनका योगदान"। सेमिनार की वक्ता भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कोलकाता सर्कल की अधीक्षण पुरातत्वविद् डॉ. शुभा मजूमदार थे। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सत्र की अध्यक्षता की।

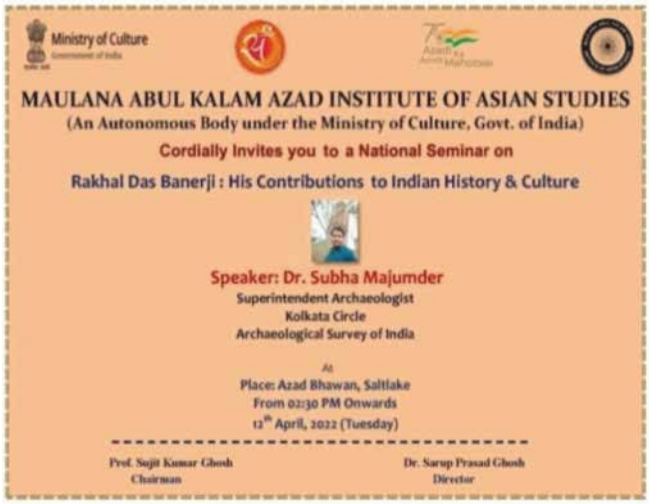
Ministry of Culture

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Govt. of India)
Cordially Invites you to a National Seminar on
Rakhal Das Banerji : His Contributions to Indian History & Culture

Speaker: Dr. Subha Majumder
Superintendent Archaeologist
Kolkata Circle
Archaeological Survey of India

At
Place: Azad Bhawan, Saltlake
From 02:30 PM Onwards
12th April, 2022 (Tuesday)

Prof. Sujit Kumar Ghosh, Chairman
Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director

अतिथि वक्ता को MAKAIAS के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा सम्मानित किया गया

मकायास के माननीय निदेशक, डॉ. सरूप प्रसाद घोष सत्र को संबोधित करते हुए

18 अप्रैल,2022 को, मकायास ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर एक इन-हाउस व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से "विश्व विरासत दिवस" मनाया। इस इन-हाउस व्याख्यान श्रृंखला में संस्थान के सभी अनुसंधान अध्येताओं, अनुसंधान सहायकों और प्रशिक्षुओं ने भाग लिया और अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। निम्नलिखित मकायास अध्येताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए थे।

बेदब्रत भादुड़ी ने " भारत की सांस्कृतिक विरासत का डिजिटलीकरण" पर एक पेपर प्रस्तुत किया, जबकि अर्का चौधरी ने "आधुनिक भारत की सैन्य विरासत" विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया, जिसमें "रोजगार के अवसर और विरासत प्रबंधन के साथ इसके संबंध" का पता लगाया गया। सुब्रत मंडल ने "प्राकृतिक विरासत स्थल (आदिगंगा): बैंडेल से गंगासागर" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। मिंटू बरुआ ने "भारतीय सांस्कृतिक विरासत का निर्माण, विखंडन एवं पुनर्निर्माण" विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया। डॉ. राजू सरकार ने "भारत में विश्व विरासत दिवस का महत्व" पर और डॉ. फरहीना रहमान ने "माजुली: यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के लिए एक मजबूत दावेदार" पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

संस्थान के निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों ने संबंधित विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

पुलकित बटन ने " विक्टोरियन गोथिक एंड आर्ट डेको एन्सेम्बल्स ऑफ मुंबई" विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया है। मधुमिता मालाकार ने "सिवसगढ़ की भव्य विरासत" पर अपना पेपर प्रस्तुत किया। सहेली डे ने" रामप्पा मंदिर का एक

अध्ययन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। रेबंता गुप्ता ने "ए कैरिज इन द मिस्ट: एन ओवरव्यू ऑफ द दार्जिलिंग हिमालयन रेलवेज़" विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया है। श्रीदाम मंडल ने "हुगली में सुज़ाना अन्ना मारिया का मकबरा: एक संक्षिप्त अध्ययन" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

संस्थान के निम्नलिखित प्रशिक्षुओं ने संबंधित विषयों पर अपने पेपर प्रस्तुत किए हैं।

श्वेता गुप्ता ने "मैंग्रोव मार्जिन पर: सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान पर एक चर्चा" विषय पर प्रस्तुति दी, जबकि मधुरिमा बागची ने "धोलावीरा के खंडहरों की खोज: नया जोड़ा गया विश्व धरोहर स्थल" विषय पर प्रस्तुति दी। जुई पॉल ने "बहुधार्मिक गुफाएँ: एलोरा गुफा मंदिर पर एक अध्ययन" विषय पर प्रस्तुति दी है। अनिंदिता साहा ने "व्हेयर एवरी स्टेप टेल्स ए स्टोरी: रीविजिटिंग रानी की वाव" पर अपना पेपर प्रस्तुत किया और दिब्या बनर्जी ने "अमूर्त सांस्कृतिक विरासत: एक विश्लेषण" पर अपना पेपर प्रस्तुत किया।

मकायास ने **25 अप्रैल 2022** को "भारत-कोरियाई संबंध" विषय पर 'एशिया सेंट्रिक लेक्चर प्रोग्राम्स' की मकायासपहल के तहत एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। इस सेमिनार में मकायास फेलो ने अपने पेपर प्रस्तुत किए। इस सत्र के वक्ता बेदब्रत भादुड़ी थे जिन्होंने "भारत और कोरिया के बीच आर्थिक संबंध: एक व्यापक दृष्टिकोण" विषय पर प्रस्तुति दी। अर्का चौधरी ने "द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के परिप्रेक्ष्य से भारत-दक्षिण कोरियाई संबंधों की जांच" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। जय प्रकाश गुप्ता ने "एक्सप्लोरिंग सत्र की अध्यक्षता मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की। उन्होंने समापन भाषण और धन्यवाद ज्ञापन दिया। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मकायास के माननीय निदेशक, डॉ. सरूप प्रसाद घोष के साथ समूह फोटो

अर्का चौधरी, मकायास फेलो, अपना व्याख्यान दे रहे हैं

इंडिया- साउथ कोरिया: द टाइम ऑफ हाइचो एंड प्रेजेंट" पर प्रस्तुति दी, जबकि सुब्रत मंडल ने "भारत और कोरिया गणराज्य के बीच व्यापार और आर्थिक संबंध" पर प्रस्तुति दी। मिंटू बरुआ ने "भारत-प्रशांत और भारत-दक्षिण कोरिया संबंधों में सुरक्षा राजनीति" विषय पर बात की। डॉ. कानू हलदर ने "भारत-कोरिया: अंतर सांस्कृतिक समानताएँ" विषय पर प्रस्तुति दी। डॉ. राजू सरकार ने "भारत-दक्षिण कोरिया संबंध: जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक और रणनीतिक आयाम" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. फरहीना रहमान ने "भारत और कोरिया के बीच सांस्कृतिक बातचीत: कोरिया पर बौद्ध धर्म के प्रभावों का एक अध्ययन" विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया। अमित बर्मन ने "उत्तर-पूर्व भारत में कोरियाई संस्कृति का प्रभाव" विषय पर बात की। सत्र की अध्यक्षता मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की। उन्होंने समापन भाषण और धन्यवाद ज्ञापन दिया। मकायास के आज़ाद फेलो प्रो. रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने भी सत्र को संबोधित किया। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

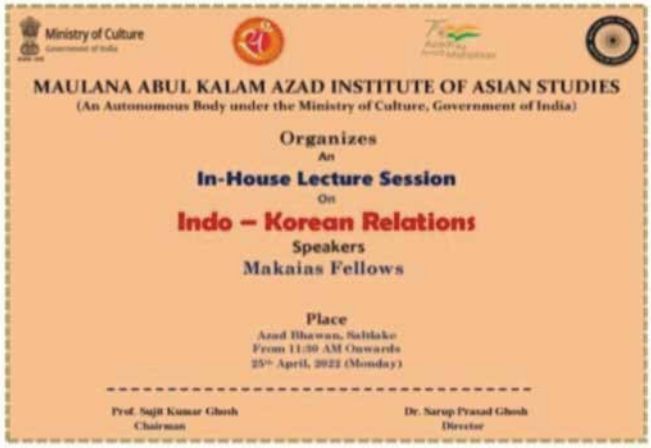

मकायास के माननीय निदेशक, डॉ. सरूप प्रसाद घोष और मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र क्र.चट्टोपाध्याय के साथ लिया गया सेमिनार का एक समूह फोटो

भारत सरकार के शिक्षा विभाग के माननीय राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने **28अप्रैल, 2022** को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज (MAKAIAS) का दौरा किया। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने उनका स्वागत किया। उन्होंने इस संस्थान की लाइब्रेरी का दौरा किया और लाइब्रेरी और अन्य स्टाफ सदस्यों के साथ बातचीत की।

मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय सत्र को संबोधित करते हुए।

भारत सरकार के शिक्षा विभाग के माननीय राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार का मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने स्वागत किया।

भारत सरकार के शिक्षा विभाग के माननीय राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार को मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सम्मानित किया।

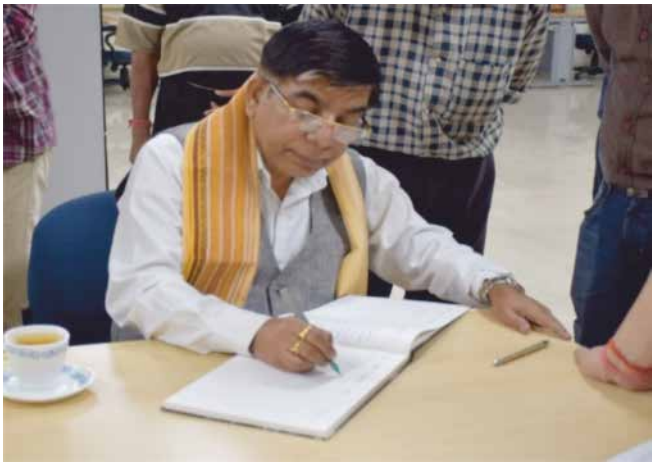

भारत सरकार के शिक्षा विभाग के माननीय राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार मकायास लाइब्रेरी के आगंतुक रजिस्टर में हस्ताक्षर करते हैं।

27 और 28 अप्रैल, 2022 को, मकायास ने " "एशिया में भारतीय धर्म और विज्ञान का प्रसार: युगों से" विषय पर, रामाश्रय बालेश्वर कॉलेज, दलसिंगसराय, समस्तीपुर, बिहार के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग सह अनुसंधान कक्ष के सहयोग से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सेमिनार के रिसोर्स पर्सन डॉ. राजकिशोर, सहायक प्रोफेसर, पीजी इतिहास विभाग, आर.बी. कॉलेज, दलसिंगसराय, श्री अनुप कुमार, सहायक प्रोफेसर, पीजी इतिहास विभाग, आर.बी. कॉलेज, दलसिंगसराय, प्रोफेसर संजय झा, आर.बी. कॉलेज, दलसिंगसराय प्राचार्य-सह-संयोजक थे।

मई, 2022

2 मई 2022 को, मकायासS ने "भारत-जापानी संबंध" पर एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के निम्नलिखित अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों ने इन-हाउस सेमिनार में संबंधित विषयों पर अपने पेपर प्रस्तुत किए।

एलोइट कार्डोज़ो - आई एम ओडिया जैप': रैपर बिग डील की इंडो-जापानी पहचान पर बातचीत

अर्का चौधरी- साइबर-सुरक्षा, रक्षा और भारत-जापान सहयोग

जय प्रकाश गुप्ता - भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक समानताएँ

बेदब्रत भादुड़ी - भारत-जापान के बीच विकसित होते संबंध: एक आर्थिक दृष्टिकोण

डॉ. कानू हलदर - रवीन्द्र नाथ टैगोर और जापान

डॉ. राजू सरकार- 21वीं सदी में भारत जापान संबंध: आर्थिक, रणनीति और सुरक्षा सहयोग

मिंटू बरुआ- भारत-जापान संबंध और क्वाड

अमित बर्मन- नेताजी के विशेष संदर्भ में जापान के साथ भारत के संबंध

सयंती गांगुली- भारत में जापानी व्यंजनों का बढ़ता प्रभाव

डॉ. फरहीना रहमान- जापान के साथ भारत की विकास साझेदारी: भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विशेष संदर्भ में सतत विकास

सुब्रत मंडल- जापान और भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर वैश्वीकरण का प्रभाव

मधुमिता मालाकार - बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत-जापान संबंध: बौद्ध वास्तुकला का विशेष संदर्भ

रेबंता गुप्ता- द सेल्युलाइड ब्रिज: भारत और जापान के बीच सिनेमाई लेनदेन

पुलकित बटन- जापान में भारतीय प्रवासी

मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सत्र की अध्यक्षता की

सेमिनार को संबोधित करते हुए मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष।

सेमिनार के बाद लिया गया ग्रुप फोटो

मकायास फेलो एलोइट कार्डोजो भारत-जापान संबंधों पर अपना पेपर प्रस्तुत करते हुए।

अनुसंधान सहायक मधुमिता मालाकार भारत-जापान संबंधों पर अपना पेपर प्रस्तुत करती हुईं

9 मई 2022 को, मकायास ने "रवींद्रनाथ टैगोर और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन" पर एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। इसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मकायास अध्येताओं, अनुसंधान सहायकों और प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सत्र की अध्यक्षता की।

मकायास अध्येताओं, अनुसंधान सहायकों और प्रशिक्षुओं ने निम्नलिखित विषयों पर प्रस्तुति दी:

बेदब्रत भादुड़ी- टैगोर और स्वदेशी पर एक संक्षिप्त प्रवचन - एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य

अर्का चौधरी - रवीन्द्रनाथ, राष्ट्रवाद और सभ्यता का संकट

डॉ. कानू हलदर - बिग्यन चेतोनार अलोके रवीन्द्रनाथ

जय प्रकाश गुप्ता- रवीन्द्रनाथ और भारतीय राष्ट्रवाद

अमित बर्मन- रवीन्द्रनाथ टैगोर और असम और त्रिपुरा के साथ उनका संबंध

डॉ. फरहीना रहमान - रवीन्द्रनाथ टैगोर और उत्तर-पूर्व भारत कनेक्शन: उनके शिलांग प्रवास के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन

सयंती गांगुली- गांधी और टैगोर के बीच विचार-विमर्श

डॉ. राजू सरकार - भारतीय शिक्षा प्रणाली पर रवीन्द्रनाथ टैगोर का योगदान: महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान

मिंटू बरुआ- रवीन्द्रनाथ टैगोर और अंतर्राष्ट्रीयवाद

सुब्रत मंडल - कृषि पर रवीन्द्रनाथ टैगोर की अवधारणा

रेबंता गुप्ता- आज़ाद हिंद के संगीतमय परिदृश्य का पुनरावलोकन: जन गण मन और सुभ सुख श्रृंखला का विश्लेषण

मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सत्र की अध्यक्षता की।

व्याख्यान सत्र के बाद लिया गया समूह चित्र उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. सरूप प्रसाद घोष और प्रो. रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने दीप प्रज्ज्वलित किया

मकायास ने **17 मई 2022** से **21 मई 2022** तक मकायास अध्येताओं, अनुसंधान सहायकों और प्रशिक्षुओं के लिए पांच दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया।

17 मई, 2022: शैक्षणिक सत्र I: मकायास के माननीय अध्यक्ष, प्रोफेसर सुजीत के. घोष ने मंगलाचरण भाषण दिया। प्रोफेसर के.सी. बराल मकायास के माननीय उपाध्यक्ष ने ओरिएंटेशन कार्यक्रम की थीम पेश की। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति और फिजी के पूर्व उच्चायुक्त प्रोफेसर आईएस चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

शैक्षणिक सत्र II: प्रोफेसर के.सी. बराल मकाइयास के माननीय उपाध्यक्ष ने भारतीय ज्ञान प्रणाली: एक महत्वपूर्ण पूछताछ पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास, और कलकत्ता विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान के पूर्व विवेकानन्द चेयर प्रोफेसर, ने समापन नोट दिया।

शैक्षणिक सत्र III: मकायास फेलो द्वारा प्रस्तुत इंटरकल्चरल नेगोशिएशन के माध्यम से लोगों से लोगों के बीच संपर्क विकसित करना। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास, ने सत्र की अध्यक्षता की।

मकायास द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम के पहले दिन के शैक्षणिक सत्र की झलकियाँ

18 मई, 2022: शैक्षणिक सत्र IV: प्रोफेसर के.सी. बराल, माननीय उपाध्यक्ष, मकायास ने अनुशासन, अंतर-अनुशासन और विवेकपूर्ण सूत्रीकरण पर एक व्याख्यान दिया। समापन नोट प्रोफेसर आईएस चौहान, पूर्व कुलपति, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल और फिजी के पूर्व उच्चायुक्त द्वारा दिया गया, जिन्होंने सत्र की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक सत्र V: प्रोफेसर आईएस चौहान, पूर्व कुलपति, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल और फिजी के पूर्व उच्चायुक्त ने अनुसंधान अनुदान संभावनाएं: एक सफल प्रस्ताव के लिए मुद्दे और चुनौतियां पर व्याख्यान दिया। समापन नोट प्रख्यात पुरालेखपाल डॉ. अमलेंदु भट्टाचार्जी द्वारा दिया गया, जिन्होंने सत्र की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक सत्र VI: मकायास के अनुसंधान सहायकों द्वारा प्रस्तुत इंटरकल्चरल नेगोशिएशन के माध्यम से लोगों से लोगों के बीच संपर्क विकसित करना। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सत्र की अध्यक्षता की।

मकायास द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दूसरे दिन के शैक्षणिक सत्र की झलकियाँ

मकायास द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तीसरे दिन के शैक्षणिक सत्र की झलकियाँ

19 मई, 2022: शैक्षणिक सत्र VII: बर्दवान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर स्मृतिकुमार सरकार ने लुकिंग बियॉन्ड द आर्काइव्स: मैपिंग द हिस्ट्री ऑन द बेसिस ऑफ एम्पिरिकल स्टडीज पर व्याख्यान दिया। समापन नोट प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास द्वारा दिया गया, जिन्होंने सत्र की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक सत्र VIII: प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास, ने अनुसंधान पद्धति में सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य पर व्याख्यान दिया। समापन नोट प्रोफेसर के.एस. चक्रवर्ती, पूर्व वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू, द्वारा दिया गया जिन्होंने सत्र की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक सत्र IX: मकायास के प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत इंटरकल्चरल नेगोशिएशन के माध्यम से लोगों से लोगों के बीच संपर्क विकसित करना। मकायास के अकादमिक और संग्रहालय सलाहकार डॉ. अबीर कुमार गोराई ने सत्र की अध्यक्षता की

मकायास के शोध सहायक सहेली डे (शीर्ष) और रेबंता गुप्ता (नीचे) शैक्षणिक सत्र "इंटरकल्चरल नेगोशिएशन के माध्यम से लोगों से लोगों के बीच संपर्क विकसित करना" पर रवीन्द्र संगीत गा रहे हैं।

20 मई, 2022: शैक्षणिक सत्र X: प्रोफेसर एस विक्टर बाबू, डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज और रजिस्ट्रार, बाबासाहेब अम्बेडकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ ने अनुसंधान विचारों और अनुसंधान विषयों को कैसे विकसित करें और अनुसंधान चर द्वारा हम क्या समझते हैं विषय पर व्याख्यान दिया। समापन नोट प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास द्वारा दिया गया, जिन्होंने सत्र की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक सत्र XI: प्रोफेसर सुबीरस भट्टाचार्य, कुलपति, उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय ने मानवीय मूल्यों को समझने और सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर इसके प्रभाव पर व्याख्यान दिया। समापन नोट प्रख्यात पुरालेखपाल डॉ. अमलेंदु भट्टाचार्जी द्वारा दिया गया, जिन्होंने सत्र की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक सत्र XII: संस्कार भारती द्वारा प्रस्तुत इंटरकल्चरल नेगोशिएशन के माध्यम से लोगों से लोगों के बीच संपर्क विकसित करना। मकायास के अकादमिक और संग्रहालय सलाहकार डॉ. अबीर कुमार गोराई ने सत्र की अध्यक्षता की।।

मकायास द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम के चौथे दिन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकियाँ

21 मई, 2022: शैक्षणिक सत्र XIII: प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, MAKAIAS, ने समापन भाषण दिया। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

समापन भाषण देते हुए डॉ. सरूप प्रसाद घोष

पांच दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतिम दिन के बाद लिया गया समूह चित्र।

31 मई 2022 को, मकायास ने "रिमेम्बरिंग सर जदुनाथ सरकार: ए लेजेंडरी पर्सनैलिटी अमंग हिस्टोरियन्स" शीर्षक से एक दिवसीय व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास, ने सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने विषय का परिचय दिया और धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस सत्र के वक्ता और उनके संबंधित विषय थे-

बेदब्रत भादुड़ी - "ब्रिटिश भारतीय अर्थव्यवस्था पर सर जदुनाथ सरकार का विचार - एक पूर्वव्यापी चर्चा",

डॉ. कानू हलदर - "सर जदुनाथ सरकार का भारतीय इतिहास में योगदान"

डॉ. राजू सरकार - "मुग़ल भारत पर सर जदुनाथ सरकार का ऐतिहासिक विश्लेषण"

जय प्रकाश गुप्ता - "सर जदुनाथ सरकार: परिचय और उनका योगदान"

डॉ. फरहीना रहमान - सर जदुनाथ सरकार की "इंडिया थ्रू द एजेस" के माध्यम से भारत की अनूठी और अमिट संस्कृति को समझना

अर्का चौधरी - "सर जदुनाथ सरकार: भारतीय सैन्य इतिहास के एक अग्रदूत"

मिंटू बरुआ - "भारतीय मुद्रा प्रणाली का परिवर्तन: सर जदुनाथ सरकार के परिप्रेक्ष्य से"।

एल. दीपिका सिंघा - "सर जदुनाथ सरकार द्वारा मुस्लिम भारत में कला का एक ऐतिहासिक लेखा-जोखा"

सयंती गांगुली - "मुगल शासन के तहत बंगाल का परिवर्तन"

और सुब्रत मंडल - "सर जदुनाथ सरकार- भारतीय इतिहास के पुनर्जागरण में एक अथक शोधकर्ता

उद्घाटन सत्र के दौरान सर जदुनाथ सरकार को पुष्पांजलि अर्पित की गई

मकायास फेलो अर्का चौधरी सर जदुनाथ सरकार पर अपना व्याख्यान देते हुए

सेमिनार के विषय का परिचय देते हुए डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास

मकायास फेलो मिंटू बरुआ सर जदुनाथ सरकार पर अपना व्याख्यान देते हुए

जून, 2022

8 जून, 2022 को, मकायास ने एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र आयोजित किया, जिसका शीर्षक था "शीत युद्ध के बाद के युग में एशियाई सुरक्षा चिंताएँ: समकालीन परिप्रेक्ष्य में भारत-क्वाड संबंध"। मकायास फेलो द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। मकायास फ़ेलो द्वारा निम्नलिखित पेपर प्रस्तुत किए गए:

डॉ. राजू सरकार- इक्कीसवीं सदी के भारतीयों के लिए क्वाड का महत्व: अवसर और चुनौतियाँ

जय प्रकाश गुप्ता- क्वाड और भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व

अर्का चौधरी-नए भारत का उदय: NAM से QUAD तक भारतीय विदेश नीति का विकास

बेदब्रत भादुड़ी-आने वाले दिनों में क्वाड के आलोक में भारत-अमेरिका आर्थिक संबंध: एक प्रक्षेपण

सयंती गांगुली- क्वाड और पर्यावरण संकट

मिंटू बरुआ-क्या क्वाड को नाटो का एशियाई संस्करण बनाया जा सकता है?

एल. दीपिका सिंघा-भारत-जापान संबंध और क्वाड पर इसके प्रभाव

डॉ. फरहीना रहमान-इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ): भारत के लिए व्यापार और विकास का एक अवसर

डॉ. कानू हलदर-क्वाड: उद्देश्य, सिद्धांत, महत्व और भारत के हित

सुब्रत मंडल- क्वाड के आलोक में ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंधों में बदलती गतिशीलता की खोज

माननीय आज़ाद फेलो प्रो. आर. चट्टोपाध्याय टिप्पणियाँ देते हुए

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास ने सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

व्याख्यान सत्र के बाद लिया गया समूह चित्र

सेमिनार में अपनी प्रस्तुति के दौरान मकायास फेलो डॉ. फरहीना रहमान

मकायास ने **10 और 11 जून,2022** को कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज (KSAS) और एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के सहयोग से "भारत और विश्व के सतत भविष्य के लिए बंगाली पुनर्जागरण के सार्वभौमिक मिशन की प्रासंगिकता" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

सेमिनार के विशिष्ट संसाधन व्यक्ति थे डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती, सचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता; डॉ. शंभू नाथ, प्रोफेसर हितेंद्र पटेल, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, प्रोफेसर राम अहलाद चौधरी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, रवि पंडित, आदित्य कुमार गिरि, डॉ. संजय जायसवाल, विद्यासागर विश्वविद्यालय।

13 जून, 2022 को, मकायास ने एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था "आजादी का अमृत महोत्सव: भारत के गुमनाम नायकों को याद करना"।

मकायास फेलो डॉ. राजू सरकार सेमिनार में अपना व्याख्यान देते हुए

मकायास द्वारा कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज (KSAS) और एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार की कुछ झलकियाँ

मकायास अध्येताओं, अनुसंधान सहायकों और प्रशिक्षुओं द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। निम्नलिखित कागजात प्रस्तुत किये गये:

पुलकित बटन- उद्योग और भारतीयता: जे.आर.डी. की कहानी टाटा

सहेली डे- भारत के विवेक के रक्षक: सी. राजगोपालाचारी को याद करते हुए

मधुमिता मालाकार- राममोहन और देबेंद्रनाथ: ब्रह्म समाज का प्रारंभिक इतिहास

रेबंता गुप्ता- चेज़िंग द कॉसमॉस: डॉ. विक्रम साराभाई और इसरो की कहानी

अर्का चौधरी- अग्नियुग की एक भूली हुई घटना: 1914 की रोडा आर्म्स डकैती

डॉ. कानू हलदर- बीना दास: बंगाल की भूली हुई बेटी

सुब्रत मंडल-द फायरबर्ड ऑफ बंगाल: द लाइफ एंड टाइम्स ऑफ उल्लासकर दत्ता

श्रीदाम मंडल- जतीन्द्र नाथ दास: बंगाल के बहादुर सैनिक

सप्तर्षि घोष-खुदीराम बोस: साम्राज्य के विरुद्ध एक युवा विद्रोही के दिमाग के अंदर

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास, ने सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

मकायास फेलो डॉ. कानू हलदर अपना भाषण दे रहे हैं

पुलकित बटन, अनुसंधान सहायक मकायास ने अपने विचार-विमर्श के दौरान

मकायास फेलो सुब्रत मंडल अपनी प्रस्तुति के दौरान

व्याख्यान सत्र के बाद लिया गया समूह चित्र

13 और 14 जून, 2022 को मकायास ने अंग्रेजी विभाग, एम.सी. कॉलेज, बारपेटा, असम के सहयोग से "दक्षिण-पूर्व एशिया में पहचान के दावे और संघर्ष के संदर्भ" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग, एम.सी. कॉलेज, बारपेटा, असम के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की झलकियाँ

20 जून 2022 को, मकायास ने एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी: भारतीय राष्ट्र निर्माण में उनका बहुमुखी योगदान"। मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। दो उद्घाटन व्याख्यान प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास , और डॉ. सरूप प्रसाद घोष, माननीय निदेशक, मकायास द्वारा दिए गए। प्रोफेसर चट्टोपाध्याय ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. घोष ने मुखर्जी सिद्धांत: उत्तर आधुनिक युग में इसकी प्रासंगिकता शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। इसके अलावा, मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों द्वारा निम्नलिखित पत्र प्रस्तुत किए गए:

मिंटू बरुआ- भारतीय विदेश नीति पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आलोचनात्मक दृष्टिकोण

अर्का चौधरी- भारतीय शिक्षा में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का योगदान

जय प्रकाश गुप्ता- शिक्षा और संस्कृति पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दृष्टिकोण

डॉ. कानू हलदर-बंगाल विभाजन पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दृष्टिकोण

अमित बर्मन- शरणार्थी मुद्दे (भारत के पूर्वी क्षेत्र में) में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका

बरनाली सरमा- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत की अखंड सांस्कृतिक विरासत

डॉ. फरहीना रहमान- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और 1946 कैबिनेट मिशन टू इंडियाज ग्रुपिंग प्लान

सायंती गांगुली- विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार

बेदब्रत भादुड़ी- स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री के रूप में आर्थिक विकास की शुरुआत में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका

पुलकित बटन- श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत के पश्चिमी भाग में शरणार्थी समस्या

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास , ने सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

व्याख्यान सत्र की शुरुआत में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि

मकायास फेलो सयंती गांगुली अपने व्याख्यान के दौरान

. मकायास फेलो बरनाली सरमा अपना व्याख्यान दे रही हैं

21 जून 2022 को मकायास ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक दिवसीय व्याख्यान सत्र का आयोजन किया, जिसका विषय था "मानवता के लिए योग"। सत्र को तीन भागों में बांटा गया था. पहले शैक्षणिक सत्र में, स्वामी कमलास्थानंद, माननीय प्राचार्य, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द सेंटेनरी कॉलेज, राहरा ने योग: ए जर्नी टूवार्ड्स स्पिरिचुअलिटी शीर्षक से एक व्याख्यान दिया। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास , ने सत्र की अध्यक्षता की।

दूसरे शैक्षणिक सत्र में, प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास ने श्री अरबिंदो: इंटीग्रल योग शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। तीसरे शैक्षणिक सत्र में, मकायास फेलो ने संबंधित विषय पर पेपर प्रस्तुत किए। निम्नलिखित कागजात प्रस्तुत किये गये:

बेदब्रत भादुड़ी- योग की परंपरा: प्राचीन से आधुनिक समय तक और भारत के लिए विश्व में सांस्कृतिक कूटनीति के प्रवेश द्वार का विस्तार करने में इसका हिस्सा

डॉ. फरहीना रहमान- मानवता के लिए योग

जय प्रकाश गुप्ता- अंतर्राष्ट्रीय योग का इतिहास

अमित बर्मन- शारीरिक और मानसिक कल्याण पर योग: एक संक्षिप्त चर्चा

सत्र की अध्यक्षता मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने की, जिन्होंने समापन टिप्पणी दी। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

अतिथि वक्ता श्री स्वामीजी को माननीय निदेशक
डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा सम्मानित किया गया

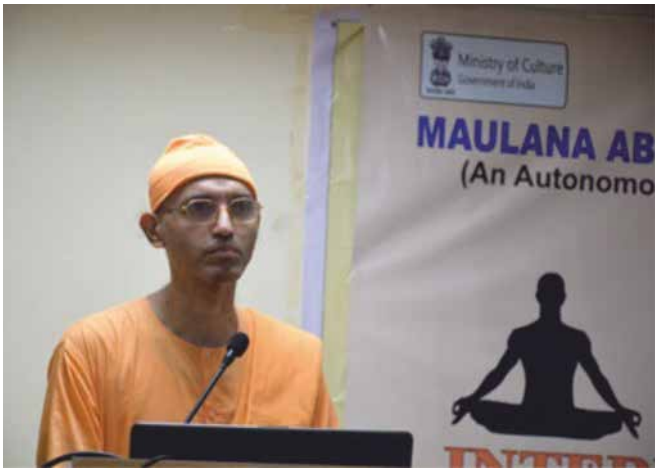

स्वामी कमलास्थानंदजी अपने भाषण के दौरान

माननीय निदेशक, डॉ. सरूप प्रसाद घोष धन्यवाद ज्ञापन करते हुए

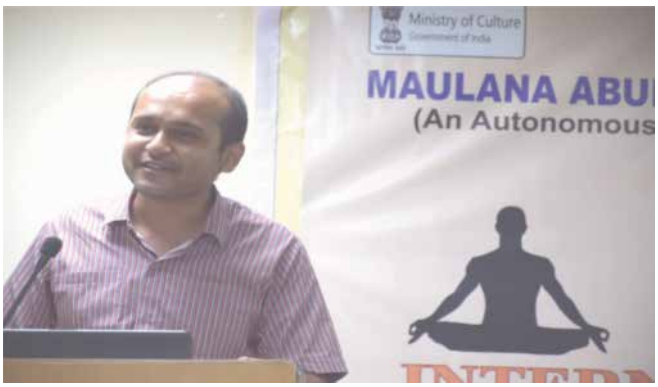

सेमिनार में योग पर बोलते मकायास फेलो बेदब्रत भादुड़ी

23 जून 2022 को, मकायास ने डॉ. लवली शर्मा के साथ "सांस्कृतिक प्रदर्शनी: लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना- एक संगीतमय मिलन" नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर (डॉ.) लवली शर्मा, पूर्व कुलपति, राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश, प्रतिष्ठित सितार वादक थे। उन्होंने दर्शकों के सामने सितारवादन प्रस्तुत किया। श्री सुभद्रकल्याण ने तबले पर संगत की। कार्यक्रम का विषय मकायास के माननीय अध्यक्ष प्रोफेसर सुजीत के घोष द्वारा प्रस्तुत किया गया था। धन्यवाद ज्ञापन मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा दिया गया।.

प्रोफेसर (डॉ.) लवली शर्मा अपने प्रदर्शन के दौरान

कार्यक्रम के बाद संसाधन व्यक्तियों के साथ लिया गया समूह चित्र

सांस्कृतिक प्रदर्शन के दौरान प्रोफेसर सुजीत के. घोष, अध्यक्ष, मकायास, डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक मकायास और प्रोफेसर रूपेंद्र चट्टोपाध्याय, आज़ाद फेलो, मकायास

27 जून 2022 को, श्री संजय भट्टाचार्य, आईएफएस, एच.ई. स्विट्ज़रलैंड में भारत के राजदूत ने साल्ट लेक, कोलकाता में मकायास का दौरा किया। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने उनका स्वागत किया और विभिन्न मुद्दों पर विचार साझा किए। उन्होंने मकायास में लाइब्रेरी का भी दौरा किया।

श्री संजय भट्टाचार्य, आईएफएस, एच.ई. स्विटजरलैंड में भारत के राजदूत का स्वागत मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने किया

स्विट्जरलैंड में भारत के राजदूत ने मकायास में सिस्टर निवेदिता लाइब्रेरी का भी दौरा किया

जुलाई, 2022

1 जुलाई, 2022 को मकायास ने भारत-सार्क संबंध विषय पर एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। मकायास फेलो द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए। सत्र की अध्यक्षता मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने की। निम्नलिखित कागजात प्रस्तुत किये गये:

एल. दीपिका सिंघा- श्रीलंका और तमिलनाडु के बीच प्राचीन व्यापार संबंधों की खोज

सुब्रत मंडल- तालिबान विद्रोह की पृष्ठभूमि में भारत-अफगानिस्तान के प्राचीन संबंधों का परिवर्तन-एक संक्षिप्त अध्ययन

सयंती गांगुली- बौद्ध धर्म: भारत और भूटान के बीच एक एकीकृत शक्ति

डॉ. कानू हलदर- श्रीलंका का वर्तमान आर्थिक संकट और भारत की स्थिति

बरनाली सरमा- कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में भारत-नेपाल सहयोग और विकासात्मक साझेदारी

मिंटू बरुआ- चीन की ऋण-जाल कूटनीति के रणनीतिक आयामों को समझना: श्रीलंका के हंबनटोला बंदरगाह का केस स्टडी

डॉ. फरहीना रहमान- बांग्लादेश से असम में अवैध प्रवासन के आर्थिक परिणामों का एक अध्ययन

अर्का चौधरी- महान खेल का पुनरीक्षण: अफगानिस्तान और ब्रिटिश-भारतीय

सुरक्षा 19वीं सदी में

अमित बर्मन- एक्ट ईस्ट पॉलिसी के संदर्भ में बांग्लादेश के साथ भारत का संबंध

जय प्रकाश गुप्ता- भारत-नेपाल संबंध और मधेसी मुद्दे

बेदब्रत भादुड़ी- भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों का इतिहास और सॉफ्ट डिप्लोमेसी को बढ़ावा देने में इसकी उत्प्रेरक भूमिका

समापन टिप्पणियाँ मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा दी गईं।

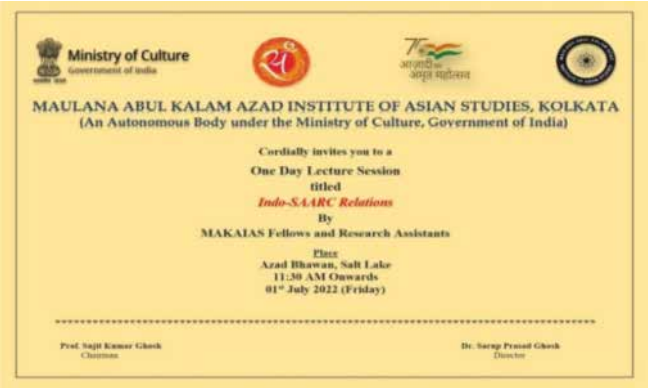
Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Cordially invites you to a
One Day Lecture Session
titled
Indo-SAARC Relations
By
MAKAIAS Fellows and Research Assistants

Place
Azad Bhawan, Salt Lake
11:30 AM Onwards
01st July 2022 (Friday)

Prof. Sajit Kumar Ghosh
Chairman

Dr. Sarup Prasad Ghosh
Director

सेमिनार के बाद लिया गया समूह चित्र

सत्र की अध्यक्षता प्रो चट्टोपाध्याय ने की

मकायास ने **6 जुलाई, 2022** को "डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी: पूर्व और पश्चिम का मिश्रण" विषय पर एक इन-हाउस व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। जहां मकायास के माननीय आज़ाद फ़ेलो, प्रो. रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय और मकायासफ़ेलो द्वारा

शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। सेमिनार को तीन शैक्षणिक सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक सत्र के बाद एक इंटरैक्टिव सत्र हुआ। पहले शैक्षणिक सत्र में, प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आज़ाद फेलो, मकायास ने "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारतीय शिक्षा प्रणाली" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। मकायास फेलो अर्का चौधरी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उपयोगितावादी यथार्थवाद का अनावरण शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। दूसरे शैक्षणिक सत्र में, मकायास के माननीय निदेशक प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय और डॉ. सरूप प्रसाद घोष की उपस्थिति में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और कार्यों पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। तीसरे शैक्षणिक सत्र में प्रसार भारती द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर निर्मित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। सत्र की अध्यक्षता मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की।

मकायास के माननीय निदेशक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आज़ाद फेलो, मकायास, अपना व्याख्यान दे रहे हैं

डॉ. सरूप प्रसाद घोष, माननीय निदेशक, मकायास अध्यक्ष की टिप्पणी देते हुए

मकायास फेलो एल. दीपिका सिंघा ने सत्र की एंकरिंग करते हुए अपने विचार साझा किए

मकायास फेलो अर्का चौधरी अपने विचार-विमर्श के दौरान

11 जुलाई, 2022 को श्री जी किशन रेड्डी, माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार द्वारा कोलकाता के जे डब्ल्यू मैरियट होटल में संस्कृति मंत्रालय के संगठनों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई गई थी। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने माननीय संस्कृति मंत्री के समक्ष मकायास की प्रस्तुति दी।

मकायास निदेशक डॉ. सरूप पी. घोष के द्वारा माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार श्री जी किशन रेड्डी सम्मानित किये गये

श्री जी किशन रेड्डी माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार अपने भाषण के दौरान

मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद. घोष माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार श्री जी किशन रेड्डी से पहले प्रस्तुति दे रहे हैं

मकायास द्वारा **14 और 15 जुलाई**, को मकायास के अध्येताओं, अनुसंधान सहायकों और प्रशिक्षुओं के लिए "सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकीय पैकेज (SPSS)" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. राहुल कुमार घोष थे। दो दिवसीय कार्यशाला के अंत में मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

रिसोर्स पर्सन को मकायास के माननीय निदेशक, डॉ. सरूप पी. घोष द्वारा सम्मानित किया जा रहा है

कार्यशाला में भाग लेते मकायास के आंतरिक अध्येता

मकायास ने शोध के सहयोग से "भारत के विभाजन के डरावने दिनों को याद करते हुए (विभाजन विभीषिका के अवसर पर)" शीर्षक पर एक सेमिनार का आयोजन किया।

इस सेमिनार के रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर अचिंत्य बिस्वास, पूर्व-कुलपति, गौर बंगा विश्वविद्यालय और प्रोफेसर मनोरंजन जोद्दार, इतिहास विभाग, बंगबासी कॉलेज, कोलकाता थे। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सेमिनार का विषय प्रस्तुत किया और धन्यवाद ज्ञापन किया।

29, 30 और 31 जुलाई, 2022 को मकायास ने बिपिन चंद्र पाल स्मृति भवन, मिशन रोड करीमगंज, असम में बराक उपोत्योका बोंगो साहित्य ओ संस्कृति सम्मेलन के सहयोग से "स्वाधीनता, देशभाग, आबोंग उत्तर-पूर्व भारत" शीर्षक पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सेमिनार के रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर जॉयती भट्टाचार्य, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर, डॉ. अनिंदियाता घोषाल, डायमंड हार्बर वूमेन यूनिवर्सिटी, पश्चिम बंगाल, डॉ. प्रसून बर्मन, कॉटन यूनिवर्सिटी और एनईएचयू से डॉ. बिनायक दत्ता थे। मुख्य भाषण कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रो. समीर कुमार दास ने दिया।

अगस्त, 2022

5 अगस्त 2022 को, मकायास ने "भारत-थाई संबंध" शीर्षक से एक दिवसीय व्याख्यान सत्र का आयोजन किया, जिसमें मकायास फेलो ने भाग लिया। निम्नलिखित कागजात प्रस्तुत किये गये:

डॉ. राजू सरकार- भारत-थाई सामाजिक आर्थिक संबंध: एक सिंहावलोकन

एल. दीपिका सिंघा- थायस और पूर्वोत्तर भारत के ताई फाके समुदाय के बीच सांस्कृतिक संबंध

डॉ. फरहीना रहमान- भारत-थाई संबंधों में भारतीय प्रवासियों की भूमिका

मिंटू बरुआ- क्रा इस्तमुस नहर की भू-राजनीति को समझना

सयंती गांगुली- थाईलैंड की सांस्कृतिक विरासत में रामायण का प्रभाव।

जय प्रकाश गुप्ता- आसियान के संदर्भ में भारत थाईलैंड संबंध

अमित बर्मन- उत्तर पूर्व भारत के विशेष संदर्भ में भारत-थाई संबंध की समस्याएं और संभावनाएं

बेदब्रत भादुड़ी- 1997-98 के एशियाई वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि पर भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर दोबारा गौर करना - भारत-थाई संबंधों पर इसका प्रभाव

बरनाली सरमा- उभरती सुरक्षा साझेदारी के परिप्रेक्ष्य से भारत-थाईलैंड द्विपक्षीय संबंध

सुब्रत मंडल- रवीन्द्रनाथ टैगोर का थाईलैंड और विश्व में योगदान

मकायास के आज़ाद फेलो, प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने सत्र की अध्यक्षता की और धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

मकायास फेलो अमित बर्मन सेमिनार में उनकी प्रस्तुति

मकायास फेलो जय प्रकाश गुप्ता सेमिनार में उनकी प्रस्तुति

मकायास फेलो डॉ. कानू हलदर ने **10 अगस्त, 2022** को आज़ाद भवन, मकायास में "बंगाल का नामसुद्र समुदाय: कोविड-19 महामारी के दौरान उनकी प्रासंगिकता और जिम्मेदारियाँ" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने सत्र की अध्यक्षता की और धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के अवसर पर मकायास ने **13 और 14 अगस्त, 2022** को शिक्षा विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता के सहयोग से "स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष के बौद्धिक इतिहास को फिर से देखना: विचारों के महत्व पर जोर देते हुए बहस और प्रवचनों को डिकोड करना और कार्रवाई"विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की सहयोगात्मक संगोष्ठी का आयोजन किया। ।

इस राष्ट्रीय सेमिनार के रिसोर्स पर्सन डॉ. सुजाता मुखर्जी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, इतिहास विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, डॉ. झूमा सान्याल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, इतिहास विभाग, महिला क्रिश्चियन कॉलेज, कोलकाता, डॉ. सहारा अहमद, प्रोफेसर, इतिहास विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, डॉ. काबेरी चक्रवर्ती, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, डॉ. अपराजिता धर, इतिहास विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, डॉ. फरहत बानो, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, डॉ. रोमित एस. बीड, सेंट. जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता, डॉ. अरूप क्र. मित्रा, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता थे। जिसमें मकायास के दो मकायास फेलो डॉ. फरहीना रहमान और एल. दीपिका सिंघा शामिल हैं। मकायास फेलो जय प्रकाश गुप्ता के साथ-साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के शोध विद्वानों ने भी अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सेमिनार का फ़्लायर, सेमिनार की संयोजक डॉ. चार्लोट सिम्पसन वेइगास, सेंट जेवियर्स कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल, अपना भाषण दे रही हैं

15 अगस्त, 2022 को, मकायास ने आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के एक भाग के रूप में भारत के 76वें स्वतंत्रता दिवस के महत्वपूर्ण अवसर को महत्वपूर्ण तरीके से और उचित महत्व के साथ मनाया है।

- आज़ाद भवन मकाइयास और मौलाना आज़ाद संग्रहालय, कोलकाता में माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।
- भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजाद भवन परिसर को तिरंगी रोशनी से रोशन किया गया।
- आजादी का अमृत महोत्सव की थीम को बढ़ावा देने वाले नियॉन साइन बोर्ड और ध्वजारोहण मंच और भवन की तिरंगे सजावट की शुरुआत मकायास में की गई।
- मकायास की आधिकारिक वेबसाइट को आजादी का अमृत महोत्सव की थीम पर प्रकाशित किया गया।
- हर घर तिरंगा मिशन को बढ़ावा देने वाले वीडियो स्निपेट/संदेश मकायास, कोलकाता के सोशल मीडिया संपर्कों (फेसबुक/ट्विटर/इंस्टाग्राम आदि) के माध्यम से प्रसारित किए गए थे।

मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा मकायास और आज़ाद संग्रहालय, कोलकाता के दोनों परिसरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव की थीम को बढ़ावा देने वाले नियॉन साइन बोर्ड और ध्वजारोहण मंच और भवन की तिरंगे सजावट की शुरुआत मकायास में की गई

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन और भारत के संविधान की स्मृति में एक फोटो गैलरी आज़ाद भवन, मकायास में लॉन्च की गई है।

मकायास ने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी श्री चंडी चरण दास को सम्मानित किया।

अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी श्री चंडी चरण दास को 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. अबीर गोराई, सलाहकार, अकादमिक और संग्रहालय और प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा सम्मानित किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के अवसर पर **16, 17 और 18 अगस्त, 2022** को मकायास ने चार दिवसीय व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों द्वारा निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए गए: भारत के गुमनाम नायक, नेताजी और आईएनए, मातृभूमि के रूप में भारत, विभाजन का पुनरावलोकन, और श्री अरबिंदो के 150 वर्ष।

निम्नलिखित पेपर मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों द्वारा प्रस्तुत किए गए:

16 अगस्त, 2022:

अर्का चौधरी-'बिप्लोबी' अरबिंदो घोष का अनावरण: जुगांतर दल का योगदान और ऐतिहासिक अलीपुर बम कांड

जय प्रकाश गुप्ता-भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर फोकस के साथ भारतीय समाज में श्री अरबिंदो का योगदान।

श्रीदाम मंडल-देशभक्त से योगी तक की यात्रा: श्री अरबिंदो का एक अध्ययन

17 अगस्त, 2022:

डॉ. फरहीना रहमान-चंद्र प्रभा सैकियानी: भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की एक गुमनाम नायक

मिंटू बरुआ- रिमेम्बरिंग द पार्टिशन: द केस स्टडी ऑफ खुलना

डॉ. कानू हलदर-बंगाल: विभाजन के अभिशाप ने आम लोगों के जीवन पर भयानक प्रभाव डाला है

बरनाली सरमा- रानी गाइदिन्ल्यू: पूर्वोत्तर भारत की एक आदिवासी महिला स्वतंत्रता सेनानी

एल. दीपिका सिंघा-पथरुघाट विद्रोह: असम का एक कम ज्ञात किसान विद्रोह

अमित बर्मन- वीर संभुदान फोंगलो: उत्तर पूर्व भारत के एक अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी

मधुमिता मालाकार- पाइका विद्रोह की जेल में बंद नायक: जयी राजगुरु

सुब्रत मंडल- रानी शिरोमणि का एक अध्ययन

18 अगस्त, 2022:

डॉ. राजू सरकार-भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में आईएनए और सुभाष चंद्र बोस का योगदान

सयंती गांगुली-आईएनए की झाँसी रेजिमेंट की रानी को याद करते हुए

सहेली दे-द हाउसहोल्ड "मीनू" जो बन गई "तूफानी": मालती चौधरी का एक अध्ययन

रेबंता गुप्ता-अकिलिस शील्ड को डिजाइन करना: भारतीय राष्ट्रीय सेना के कायाकल्प में भारतीय डायस्पोरा का योगदान।

मकायास ने श्री अरबिंदो की अर्धशताब्दी जयंती मनाने के लिए, इतिहास और दर्शनशास्त्र विभाग, महिला कॉलेज, शिलांग के सहयोग से **22 अगस्त, 2022** को "श्री अरबिंदो घोष: अतीत और वर्तमान" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस सेमिनार के रिसोर्स पर्सन डॉ. रत्नदीप रॉय, प्रिंसिपल, महिला कॉलेज, शिलांग, प्रोफेसर दिलीप कुमार मोहंता, प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, प्रोफेसर देबाशीष बनर्जी, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रल स्टडीज, सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, प्रोफेसर सचिदानंद मोहंती, पूर्व कुलपति, उड़ीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्री अनुराग बनर्जी, संस्थापक, ओवरसीज फाउंडेशन, कोलकाता और प्रोफेसर सुष्मिता सेनगुप्ता, राजनीति विज्ञान विभाग, नॉर्थ-ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग थे।

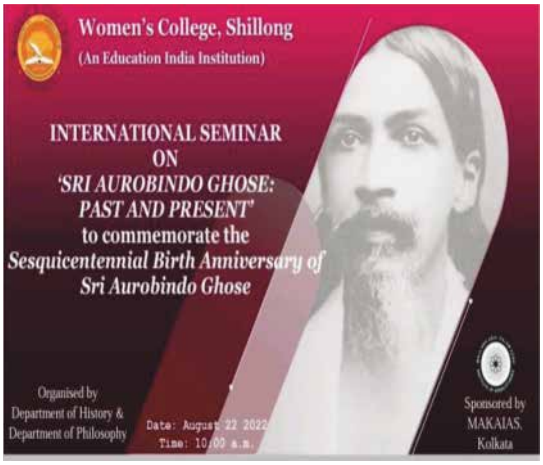

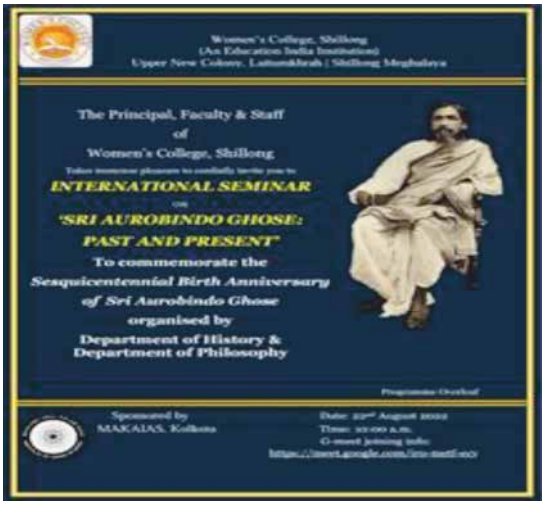

सितंबर, 2022

2 सितंबर, 2022 को, मकायास ने सिलचर, असम में मानव विकास अध्ययन केंद्र (CSHD) असम विश्वविद्यालय के साथ "एनईपी 2020 के विज़न की कार्यान्वयन रणनीतियाँ: उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए चुनौतियाँ और अवसर" पर एक सहयोगात्मक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस सहयोगी कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति थे, प्रो. निरंजन रॉय, निदेशक, सीएसएचडी, असम विश्वविद्यालय, प्रो. जी. राम, पूर्व निदेशक, सीएसएचडी, असम विश्वविद्यालय, प्रो. अजॉय के. सिंह, शिक्षा विभाग, असम विश्वविद्यालय, प्रो. .एन.बी. डे, पूर्व एमेरिटस प्रोफेसर, असम विश्वविद्यालय, प्रो. अनुप क्र. डे, प्रमुख, अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय, दीफू परिसर और डॉ. देबोतोष चक्रवर्ती, राजनीति विज्ञान विभाग, असम विश्वविद्यालय।

मकायास ने 2 सितंबर, 2022 को मकायास द्वारा खोजी गई बराक-कुशियारा-सूरमा घाटियों के प्रारंभिक इतिहास से जुड़ी 141 पांडुलिपियों (276 पृष्ठ) वाली दुर्लभ पांडुलिपि अध्ययन की पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया। मकायास के निम्नलिखित तीन प्रकाशन सिलचर, असम में जारी किए गए।

- दक्षिण असम की पांडुलिपियों की एक वर्णनात्मक सूची (सामान्य स्कूल का संग्रह) वॉल्यूम I और II, डॉ. अमलेंदु भट्टाचार्जी द्वारा लिखित।
- दक्षिण असम में बराक घाटी की पत्रकारिता, प्रोफेसर ज्योतिलाल चौधरी द्वारा लिखित
- स्वदेशी लोगों के संक्रमणकालीन पहलू: उत्तर-पूर्वी भारत, डॉ. दीपानिता चक्रवर्ती और डॉ. रीता दास नायक द्वारा लिखित
- मुख्य अतिथि माननीय संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार श्रीजुत अर्जुन राम मेघवालजी ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और पुस्तकों का विमोचन किया।

मुख्य अतिथि माननीय संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार श्रीजुत अर्जुन राम मेघवालजी ने पुस्तकों का विमोचन किया।

इस अवसर पर मकायास के अध्यक्ष प्रोफेसर सुजीत के. घोष संबोधित करते हुए

2 सितंबर, 2022 को बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के साथ मकायास ने आजादी का अमृत महोत्सव पर एक सहयोगात्मक राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का स्मरणोत्सव: भारतीय दिमाग को उपनिवेश से मुक्त करना" का आयोजन किया।

5 और 6 सितंबर, 2022 को मकायास ने जवाहरलाल नेहरू कॉलेज, पासीघाट, पूर्वी सियांग, अरुणाचल प्रदेश के साथ "आस्था और पहचान: अरुणाचल प्रदेश में पारंपरिक विश्व दृष्टिकोण और संस्थागत क्षेत्र" पर एक सहयोगात्मक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

मकायास के उपाध्यक्ष, प्रो. के.सी. बराल अपने विचार विमर्श के दौरान

सेमिनार के दौरान पुस्तक विमोचन समारोह

मकायास ने **9 और 10 सितंबर, 2022** को गौहाटी विश्वविद्यालय, असम के साथ "भारत के संविधान के तहत भाषण और संघ की स्वतंत्रता के इंटरफेस की गतिशीलता को समझना" विषय पर एक सहयोगात्मक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य भाषण प्रोफेसर लॉरेंस लियांग, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा दिया गया।

NUMALIGARH REFINERY LIMITED
NRL
Oil India Limited

Two Days National Seminar on

Understanding the Dynamics and Interface of Freedom of Speech and Expression under the Constitution of India

Organized by PG Department of Law, Gauhati University, September 9 & 10, 2022.

We cordially invite you to the inaugural session to the keynote address by

Prof Lawrence Liang

(Liang is a graduate from the National Law School of India University, and pursued a master's degree in Warwick, England on a Chevening Scholarship. He obtained his PhD in Cinema Studies from the School of Arts and Aesthetics at Jawaharlal Nehru University in 2017. He was a visiting scholar at the University of Michigan School of Information and the Center for South Asian Studies as part of the Hughes Fellowship in 2014 and Rice Visiting Scholar at Yale University in 2016-17. He is currently Professor of Law at School of Law, Governance and Citizenship, Ambedkar University Delhi, India.)

on

Dancing on a Double-Edged Sword: The Paradoxes and Challenges of Free Speech in a Post-Truth World

at 9: 30to 11:00 Am, Friday, September 9, 2022

PG Department of Law, Gauhati University, Jalukbari, Guwahati, Assam

Programme Schedule

Welcome : Prof. **Stuti Deka**, Head & Dean Faculty of Law, Gauhati University
Introduction to the Seminar: Dr. **Pallavi Devi**, Coordinator, National Seminar
Chairperson: Prof. **Pratap Jyoti Handique**, Hon'ble VC, Gauhati University,
Chief Guest: Prof. **Nani Gopal Mahanta**, Education Adviser to the Government of Assam
Invited Guest: Dr. **H.K Nath**, Registrar, Gauhati University
Guest of Honour: Prof. **Romesh Ch Barpartragohain**, Former Advocate General of Assam
Guest of Honour : Prof. **Subhram Rajkhowa**, Former Head and Dean Faculty of Law
Key Note Address: Prof. **Lawrence Liang**, Ambedkar University, Delhi & Founder of Alternative Law Forum
Vote of Thanks: **Gaurav Goswami**, Research Scholar, PG Department of Law, Gauhati University

Professor Stuti Deka
Head & Dean

Dr Pallavi Devi
Seminar Coordinator

16 और 17 सितंबर, 2022 को, मकायास ने प्राणनबानंद महिला कॉलेज, दीमापुर, नागालैंड के साथ "उत्तर पूर्व भारत की महिलाएं और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन" पर एक सहयोगात्मक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

16 सितंबर, 2022 को मकायास ने "हिंदी पखवाड़ा 2022 के संबंध में 75 आज़ादी का अमृत महोत्सव विषय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उपेक्षित और गुमनाम नायक"विषय पर हिंदी पखवाड़ा के संबंध में एक इन-हाउस सेमिनार का आयोजन किया। मकायास के माननीय आजाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के फेलो जय प्रकाश गुप्ता, एल. दीपिका सिंघा और सुब्रत मोंडोल ने हिंदी में अपने पेपर प्रस्तुत किए।

आमंत्रण पत्र

Ministry of Culture

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एसियाई अध्ययन संस्थान
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय)

हिंदी पखवाड़ा 2022
के संबंध में आयोजित
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव शीर्ष
"भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उपेक्षित और गुमनाम नायक"
के विषय में एक आंतरिक विचार-विमर्श।

सितम्बर 16, 2022; सायं 2.00 बजे से

मकायास के अध्येताओं और शोध सहायकों ने विषय पर चर्चा करेंगे।

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, मौलाना आज़ाद फेलो
सत्र की अध्यक्षता करेंगे

कार्यक्रम में सभी का हार्दिक स्वागत है

डॉ सरूप प्रसाद घोष
निदेशक, मकायास, कोलकाता

****

हिंदी पखवाड़ा के दौरान चर्चा

अक्टूबर, 2022

सुश्री संजुक्ता मुद्गल, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने **14 अक्टूबर, 2022** को मकायास, कोलकाता के आज़ाद भवन परिसर में चल रहे स्वच्छता अभियान के दौरान मकायास का दौरा किया। मकायास में चल रही स्वच्छता गतिविधि संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के पर्यवेक्षण और निर्देशों के तहत 14 अक्टूबर 2022 को आयोजित की गई थी।

सुश्री संजुक्ता मुद्गल, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने आज़ाद भवन में स्वच्छता अभियान के दौरान मकायास का दौरा किया

मकायास ने **17 अक्टूबर 2022** को मकायास के आज़ाद भवन में "राजभाषा के कार्यान्वयन और प्रगति पर आयोजित चर्चा/संवाद" पर एक चर्चा का आयोजन किया। डॉ. आर रमेश आर्य, माननीय निदेशक (ओएल), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने संस्थान का दौरा किया और सेमिनार में संबोधित किया और आंतरिक अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों के साथ बातचीत की। चर्चा की अध्यक्षता मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की।

मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष उद्घाटन भाषण देते हुए

डॉ. आर रमेश आर्य, माननीय निदेशक (ओएल),

मकायास के अध्येता और कर्मचारी चर्चा में भाग लेते हुए

सेमिनार के बाद लिया गया ग्रुप फोटो

मकायास ने **18 अक्टूबर, 2022** को आज़ाद भवन, मकायास में "दुर्गा पूजा: भारत की एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" शीर्षक पर एक दिवसीय व्याख्यान सत्र का आयोजन किया। मकायास अध्येताओं और अनुसंधान सहायकों ने सेमिनार में अपने पत्र प्रस्तुत किए। शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने की। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सेमिनार के विषय का परिचय दिया और धन्यवाद ज्ञापन किया। निम्नलिखित कागजात प्रस्तुत किये गये:

अर्का चौधरी-द रिमेंबरेंस अब्रॉड: द डायस्पोरिक सेलिब्रेशन ऑफ दुर्गा पूजा

डॉ. राजू सरकार- दुर्गा पूजा यूनेस्को की विश्व धरोहर कैसे बनी?

मिंटू बरुआ- पश्चिम बंगाल में कुछ शताब्दी पुरानी दुर्गा पूजाओं की कथाएँ

जय प्रकाश गुप्ता- पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा: इतिहास और सांस्कृतिक महत्व

डॉ. फरहीना रहमान- प्राचीन असम में शक्ति परंपरा: एक अध्ययन

सयंती गांगुली- दुर्गा पूजा और पश्चिम बंगाल की रचनात्मक अर्थव्यवस्था

बेदाबरता भादुरी-दुर्गा पूजा: अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई-एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण

अमित बर्मन- दक्षिणी असम में दुर्गा पूजा का प्रसार

जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आज़ाद हिंद (स्वतंत्र भारत) की अनंतिम सरकार के निर्माण की घोषणा की थी, मकायास ने उस दिन के गौरवशाली अवसर का जश्न मनाते हुए और स्मरण करते हुए आज़ाद भवन, मकायास में "INA और नेताजी सुभाष चंद्र बोस" शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस दिन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा स्वतंत्र भारत की अनंतिम सरकार या हुकुमत-ए-आजाद हिंद के गठन की स्मृति में आजाद भवन, माकियास के पुस्तकालय अनुभाग में आईएनए गैलरी का उद्घाटन किया गया था। राष्ट्रीय सेमिनार के रिसोर्स पर्सन थे :

अर्का चौधरी- एक सैन्य रणनीतिज्ञ के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस

अमित बर्मन- पूर्वोत्तर भारत के संबंध में नेता जी: एक अध्ययन

मिंटू बरुआ- उल्लेखनीय व्यक्तित्वों की नजर में नेताजी सुभाष: एक कथा

जय प्रकाश गुप्ता-नेताजी सुभाष और आईएनए के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन

एल. दीपिका सिंघा- नागालैंड में नेता जी

डॉ. फरहीना रहमान- आईएनए और पूर्वोत्तर भारत: इंफाल और कोहिमा अभियान

बेदब्रत भादुड़ी-नेताजी और आर्थिक योजना पर उनके विचार: एक व्यापक अवलोकन

डॉ. राजू सरकार- भारतीय राष्ट्रीय सेना (आई.एन.ए.) और सुभाष चंद्रा की भूमिका

बोस से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन: एक सिंहावलोकन

सयंती गांगुली- आईएनए और लक्ष्मी सहगल के परिप्रेक्ष्य से सुभाष चंद्र बोस की भूमिका

शैक्षणिक सत्र के अध्यक्ष एनटीटीटीआर के निदेशक प्रोफेसर देबी प्रसाद मिश्रा थे। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सेमिनार का विषय प्रस्तुत किया और धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आजाद फेलो, मकायास ने भी बात की।

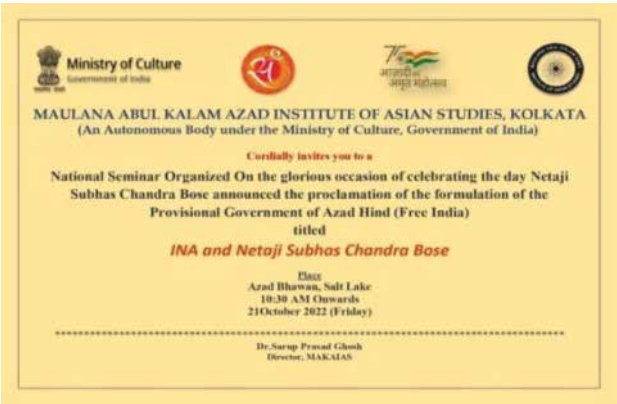
Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Cordially invites you to a

National Seminar Organized On the glorious occasion of celebrating the day Netaji Subhas Chandra Bose announced the proclamation of the formulation of the Provisional Government of Azad Hind (Free India)
titled
INA and Netaji Subhas Chandra Bose

Place
Azad Bhawan, Salt Lake
10:30 AM Onwards
21October 2022 (Friday)

Dr.Sarup Prasad Ghosh
Director, MAKAIAS

इस गौरवशाली अवसर पर मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप पी. घोष ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप पी. घोष नेताजी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए

मकायास की सिस्टर निवेदिता लाइब्रेरी में INA गैलरी का उद्घाटन किया गया

28 अक्टूबर, 2022 को, मकायास ने आज़ाद भवन, मकायास में "महात्मा गांधी: राष्ट्रपिता की विरासत का पुनरीक्षण" शीर्षक से एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया। सेमिनार के रिसोर्स पर्सन मकायास फेलो और मकायास के रिसर्च असिस्टेंट थे। सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, मौलाना आज़ाद फेलो, मकायास ने की। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने सेमिनार का विषय प्रस्तुत किया और धन्यवाद ज्ञापन किया।

सेमिनार में निम्नलिखित पेपर प्रस्तुत किये गये:

अर्का चौधरी- गांधीवादी राष्ट्रवाद का विश्लेषण: संभ्रांत राजनीति से जन लामबंदी की ओर बदलाव

डॉ. राजू सरकार - महात्मा गांधी को याद करते हुए: आधुनिक भारत के निर्माता

जय प्रकाश गुप्ता - गांधीजी की अहिंसा और भारतीय समाज में इसका योगदान

बेदब्रत भादुड़ी - अर्थव्यवस्था और खादी पर गांधीजी के विचार - आत्मनिर्भर भारत अभियान के संबंध में आज इसका महत्व

संगोष्ठी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की छवि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई

मकायास फेलो अर्का चौधरी (बाएं) और जय प्रकाश गुप्ता सेमिनार में अपना व्याख्यान देते हुए

सरदार वल्लभभाई पटेल की 147वीं जयंती मनाने के लिए 75वें आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, मकायास ने आज़ाद भवन, मकायास में "भारतीय राष्ट्र के लिए सरदार

पटेल का आह्वान" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संसाधन व्यक्ति डॉ. आलोक कुमार घोष, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, प्रोफेसर (डॉ.) लिपि घोष, आंतरिक संबंध के शताब्दी प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय और डॉ. आशीष गिरी , निदेशक, ईजेडसीसी, कोलकाता थे। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने स्वागत भाषण दिया और सेमिनार का विषय पेश किया। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आज़ाद फेलो, मकायास और डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास ने सत्र की अध्यक्षता की। अंत में मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

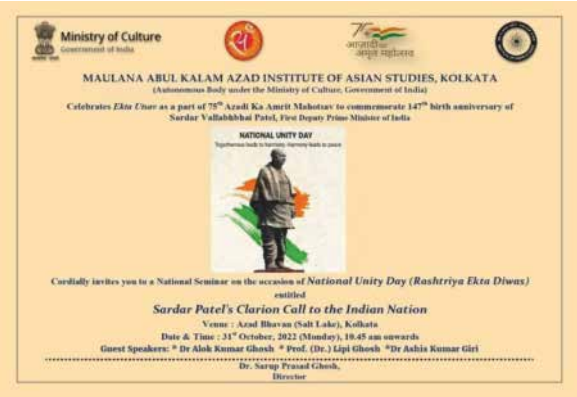
Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)
Celebrates *Ekta Utsav* as a part of 75th Azadi Ka Amrit Mahotsav to commemorate 147th birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel, First Deputy Prime Minister of India

NATIONAL UNITY DAY

Cordially invites you to a National Seminar on the occasion of *National Unity Day (Rashtriya Ekta Diwas)*
entitled
Sardar Patel's Clarion Call to the Indian Nation
Venue : Azad Bhavan (Salt Lake), Kolkata
Date & Time : 31st October, 2022 (Monday), 10.45 am onwards
Guest Speakers: * Dr Alok Kumar Ghosh * Prof. (Dr.) Lipi Ghosh *Dr Ashis Kumar Giri
Dr. Sarup Prasad Ghosh,
Director

सरदार वल्लभभाई पटेल की छवि के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की गई और डॉ. सरूप प्रसाद घोष, निदेशक, मकायास, डॉ. आलोक कुमार घोष और प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

एकता दिवस पर मकाइयास में मानव श्रृंखला

मकायास में राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिज्ञा का वाचन किया गया

प्रोफेसर लिपि घोष, कलकत्ता विश्वविद्यालय सेमिनार में पटेल पर अपना व्याख्यान दे रहे हैं

डॉ. आलोक कुमार घोष, कल्याणी विश्वविद्यालय सेमिनार में पटेल पर अपना व्याख्यान दे रहे हैं

भारत के प्रथम उप प्रधान मंत्री, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज़ (मकायास), कोलकाता ने 25.10.2022 से 31.10.2022 तक 'राष्ट्रीय एकता सप्ताह' मनाया। राष्ट्रीय एकता सप्ताह के अवसर पर मकायास के आज़ाद भवन को तिरंगे रंग में रोशन किया गया।

नवंबर, 2022

मकायास ने **31 अक्टूबर से 6 नवंबर** तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 का विषय "विकसितराष्ट्रकेलिएभ्रष्टाचारमुक्तभारत"था।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 की कुछ झलकियाँ

4 नवंबर 2022 को, श्री लाल बहादुर शास्त्री की 118वीं जयंती मनाने के लिए 75वें आज़ादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, मकायास ने आज़ाद भवन, मकायास में "लाल बहादुर शास्त्री की विरासत का पुनरावलोकन" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। आंतरिक अध्येताओं ने लाल बहादुर शास्त्रीजी पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये हैं।

9 नवंबर 2022 को, एशिया कनेक्ट कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, मकायास ने आज़ाद भवन, मकायास में "एशिया में जल कूटनीति" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। निम्नलिखित मकायास अध्येताओं ने सेमिनार में अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

बेदब्रत भादुड़ी - जल अर्थशास्त्र - जल संसाधनों और जल कूटनीति के लिए मूल्य निर्धारण की आवश्यकता।

मिंटू बरुआ - हाइड्रो पॉलिटिक्स: चीनी भव्य रणनीति का एक नया आयाम।

अर्का चौधरी - युद्ध के बदलते स्वरूप और लोगों पर इसका प्रभाव; ब्रह्मपुत्र पर भारत और चीन के बीच 'नीली लड़ाई' का एक केस स्टडी।

डॉ. कानू हलदर- बांग्लादेश और भारत के बीच जल कूटनीति और जल बंटवारा समस्या: समाधान की तलाश

डॉ. फरहीना रहमान - सिंधु जल संधि: भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सहयोग।

डॉ. राजू सरकार - उत्तर में तीस्ता नदी के विशेष संदर्भ में भारत में जल कूटनीति अमित बर्मन - भारत और उसके पड़ोस में जल कूटनीति: उत्तर पूर्व भारत बंगाल पर विशेष ध्यान।

समापन टिप्पणी सत्र के अध्यक्ष प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आज़ाद फेलो, मकायास द्वारा दी गई। अंत में मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आजाद फेलो, मकायास सत्र की अध्यक्षता कर रहे हैं

सेमिनार के बाद लिया गया ग्रुप फोटो

सुश्री सुकृति अरोड़ा, विश्लेषक, परियोजना योजना और कार्यान्वयन प्रभाग (पीपीआईडी) के नेतृत्व में भारतीय गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसीआई) की टीम ने **9 नवंबर, 2022** को मकाइयास का दौरा किया और माननीयों के साथ ऑन टेबल बैठक की। मकायास, कोलकाता में QCI के पंजीकरण और कार्यान्वयन पर मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने QCI टीम के समक्ष सफलतापूर्वक संस्थागत प्रतिनिधित्व और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किये।

QCI टीम को मकायास में सम्मानित किया

11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज (मकायास) का स्थापना दिवस है। इस दिन स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का जन्म हुआ था; इसलिए, इस दिन को भारत में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। मकायास स्थापना दिवस और राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के इस शुभ अवसर पर, मकायास कोलकाता ने स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद की 134वीं जयंती मनाने के लिए अपने प्रतिष्ठित मौलाना आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया। इस बार, प्रतिष्ठित मौलाना आज़ाद मेमोरियल लेक्चर -2022, बर्दवान विश्वविद्यालय के कटवा कॉलेज के इतिहास विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर रबी रंजन सेन द्वारा मौलाना आज़ाद संग्रहालय के सेमिनार हॉल में दोपहर 3.00 बजे दिया गया। सुश्री मुग्धा सिन्हा, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय; भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मकायास फेलो ने आज़ाद भवन में सेमिनार के प्री-लंच सत्र में व्याख्यान दिया।

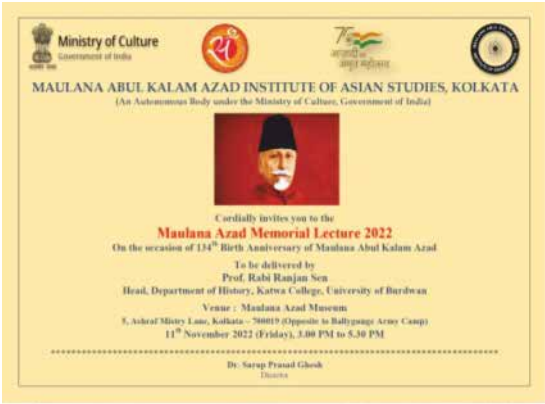

सुश्री मुग्धा सिन्हा, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय; भारत सरकार ने आज़ाद भवन में मौलाना आज़ाद की छवि पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्वलित किया

प्रोफेसर रबी रंजन सेन, प्रमुख, इतिहास विभाग, कटवा कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय प्रतिष्ठित आज़ाद मेमोरियल व्याख्यान देते हुए

आज़ाद संग्रहालय में मौलाना आज़ाद मेमोरियल लेक्चर, 2022 की कुछ झलकियाँ

15 नवंबर 2022 को, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कोलकाता ने 'भारत में अनुसूचित जनजातियों की समस्याएं और संभावनाएं: अतीत, वर्तमान और भविष्य' शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-वेबिनार का आयोजन किया है। 15 नवंबर, 2022 को बिरसा मुंडा की 147वीं जयंती के उपलक्ष्य में "जनजातीय गौरव दिवस" मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम 'आजादी का अमृत महोत्सव' के जश्न के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था। प्रो. एस.एन. चौधरी, समाजशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर, बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश ने उक्त विषय पर व्याख्यान दिया।

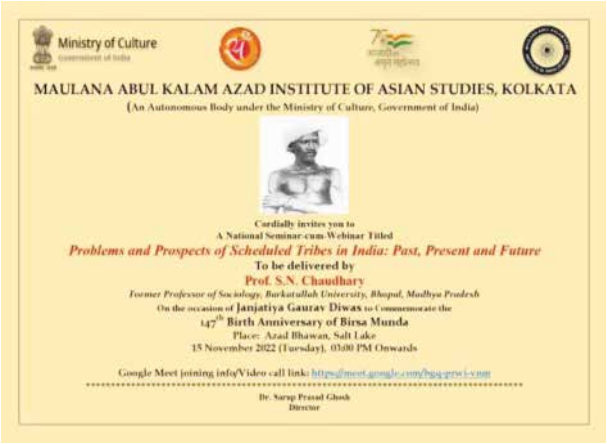

Ministry of Culture

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Cordially invites you to

A National Seminar-cum-Webinar Titled

Problems and Prospects of Scheduled Tribes in India: Past, Present and Future

To be delivered by

Prof. S.N. Chaudhary

Former Professor of Sociology, Barkatullah University, Bhopal, Madhya Pradesh

On the occasion of **Janjatiya Gaurav Diwas** to Commemorate the

147th **Birth Anniversary of Birsa Munda**

Place: Azad Bhawan, Salt Lake

15 November 2022 (Tuesday), 03:00 PM Onwards

Google Meet joining info/Video call link: https://meet.google.com/bga-prwi-vnm

Dr. Sarup Prasad Ghosh

Director

प्रो. एस.एन. चौधरी द्वारा अपना व्याख्यान देते हुए (ऑनलाइन मोड)

25 नवंबर 2022 को मकायास के आज़ाद भवन में "विश्व विरासत सप्ताह" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। राष्ट्रीय सेमिनार के रिसोर्स पर्सन स्वामी शस्त्रज्ञानानंदजी महाराज, सचिव, रामकृष्ण मिशन सारदा पीठ, बेलूर मठ, पश्चिम बंगाल ने 'भारत की आध्यात्मिक विरासत' पर अपना व्याख्यान दिया। प्रख्यात वृत्तचित्र फोटोग्राफर और फिल्म निर्माता श्री गौतम डे ने "छवियों के माध्यम से चंद्रकेतुगढ़ की एक झलक" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। श्री गौतम

चक्रवर्ती, श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ट्रस्ट, कोलकाता के माननीय सलाहकार और समन्वयक (विरासत) ने "भारत की वाणिज्यिक विरासत" पर एक व्याख्यान दिया। जिस्नु बसु, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता ने "भारत की वैज्ञानिक विरासत" पर अपना व्याख्यान दिया।

मकायास के आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने समापन सत्र की अध्यक्षता की और धन्यवाद ज्ञापन दिया।.

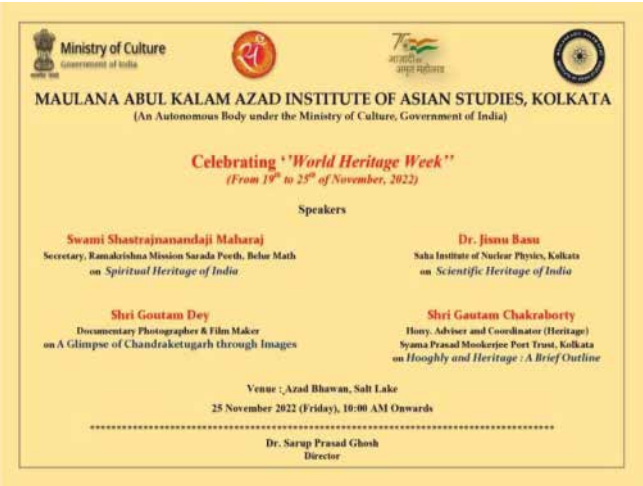
Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Celebrating "World Heritage Week"
(From 19th to 25th of November, 2022)

Speakers

Swami Shastrajnanandaji Maharaj
Secretary, Ramakrishna Mission Sarada Peeth, Belur Math
on Spiritual Heritage of India

Dr. Jisnu Basu
Saha Institute of Nuclear Physics, Kolkata
on Scientific Heritage of India

Shri Goutam Dey
Documentary Photographer & Film Maker
on A Glimpse of Chandraketugarh through Images

Shri Gautam Chakraborty
Hony. Adviser and Coordinator (Heritage)
Syama Prasad Mookerjee Port Trust, Kolkata
on Hooghly and Heritage : A Brief Outline

Venue : Azad Bhawan, Salt Lake
25 November 2022 (Friday), 10:00 AM Onwards

Dr. Sarup Prasad Ghosh
Director

रिसोर्स पर्सन स्वामी शस्त्रज्ञानानंदजी महाराज अपना व्याख्यान देते हुए

सेमिनार में अपनी प्रस्तुति के दौरान संसाधन व्यक्ति श्री गौतम चक्रवर्ती (बाएं) और डॉ. जिस्नु बसु (दाएं)।

सेमिनार के एक अन्य संसाधन व्यक्ति श्री गौतम डे को माननीय निदेशक, मकायास द्वारा सम्मानित किया गया।

मकायास कोलकाता ने देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने और भारत की समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देने और संरक्षित करने के विषय पर जोर देते हुए 26 नवंबर, 2022 को "संविधान दिवस" मनाया।

26 नवंबर, 2022 को "संविधान दिवस" पर ली गई तस्वीर

मकायास ने 28 नवंबर, 2022 को सुबह 11.00 बजे से आज़ाद भवन, साल्ट लेक, कोलकाता में "भारत के संविधान की मुख्य विशेषताएं" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रोफेसर पुलक नारायण धर, राजनीति विज्ञान संकाय के पूर्व प्रोफेसर, मौलाना आज़ाद कॉलेज, कोलकाता ने रिसोर्स पर्सन के रूप में राष्ट्रीय संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई।

रिसोर्स पर्सन प्रो पुलक नारायण धर अपना व्याख्यान देते हुए

सेमिनार का चित्र

दिसंबर, 2022

8 और 9 दिसंबर, 2022 को मकायास ने सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ बंगाल, दार्जिलिंग, वेस्ट बंगाल के सहयोग से एनबीयू कैंपस, पश्चिम बंगाल में "ओपन और डिस्टेंस लर्निंग के माध्यम से समावेशी विकास: उच्च शिक्षा के लिए रणनीति और नीति परिप्रेक्ष्य" पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

16 दिसंबर, 2022 को, मकायास ने आज़ाद भवन (साल्ट लेक), कोलकाता में ''भारतीय सशस्त्र बल: गौरवशाली विरासत'' नामक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करके 'विजय दिवस' 2022 मनाया। सेमिनार के रिसोर्स पर्सन एयर मार्शल चीफ अरूप राहा (सेवानिवृत्त) और सेवानिवृत्त कर्नल सब्यसाची बागची थे। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आजाद फेलो, ने शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की। मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

सेमिनार के दौरान रिसोर्स पर्सन एयर मार्शल चीफ अरूप राहा (सेवानिवृत्त)।

मरीच्झनपि नरसंहार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की झलकियाँ

मकायस कोलकाता ने **20 दिसंबर, 2022** (मंगलवार) को आजाद भवन, साल्ट लेक, कोलकाता में दोपहर 12.00 बजे से ''मारीचझनापी नरसंहार: शरणार्थियों के नरसंहार पर दोबारा गौर'' शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। उक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी के संसाधन व्यक्ति थे: डॉ. जगदीश हालदार, पद्मश्री पुरस्कार विजेता और प्रो. आलोक कुमार घोष, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय। मकायस के आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की। मकायस के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

मरीच्झनपि नरसंहार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की झलकियाँ

मकायस ने **22 दिसंबर, 2022** (गुरुवार) को "आजादी के बाद भारत सरकार के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद और भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक तुलनात्मक विश्लेषण" शीर्षक पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। उक्त राष्ट्रीय सेमिनार के संसाधन व्यक्ति प्रोफेसर हितेंद्र के पटेल, प्रोफेसर, इतिहास विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता और श्री अयान बनर्जी, सहायक प्रोफेसर (डब्ल्यूबीईएस), मौलाना आज़ाद कॉलेज, कोलकाता थे। प्रो. आज़ाद फेलो, रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय ने शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की। मकायस के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

सेमिनार की झलकियाँ

मकायस ने **30 दिसंबर, 2022** को दोपहर 12 बजे से मकायस के आज़ाद भवन में "सुशासन और भारत" शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सेमिनार के रिसोर्स पर्सन श्री अमिताव सेन, सेवानिवृत्त निदेशक, ईएसआई कॉर्पोरेशन थे। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आजाद फेलो, ने शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की। मकायस के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

उसी दिन, मकायस ने **30 दिसंबर, 2022** को दोपहर 3 बजे से मकायास के आज़ाद भवन में "पुस्तकालयों पर राष्ट्रीय मिशन" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। सेमिनार के रिसोर्स पर्सन प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, महानिदेशक, आरआरआरएलएफ और नेशनल लाइब्रेरी, कोलकाता थे। प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आजाद फेलो, ने शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की। मकायस के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

२०२३ के दौरान मकायास की गतिविधियाँ

जनवरी, 2023

मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष, वरिष्ठ सहायक श्री धीमानदत्ता के साथ 5 जनवरी, 2023 को वर्चुअल मोड में नोडल मीडिया अधिकारियों के संबंध में एक बैठक में भाग लिया।

12 जनवरी 2023 को, मकायास ने "मास्टर दा सूर्य सेन और उनके क्रांतिकारी सहयोगी: एक ऐतिहासिक विश्लेषण / **মাস্টারদা সূর্য সেন এবং তাঁর বিপ্লবী সহযোগীরা: ঐতিহাসিক"** शीर्षक पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कॉन्फ्रेंस हॉल-I, आरटीसी, आईसीसीआर-कोलकाता में किया । यह भारत सरकार के 'आजादी का अमृत महोत्सव' के जश्न का एक हिस्सा था । उक्त सेमिनार के संसाधन व्यक्ति श्री गौतम बिस्वास, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, पी.एन. दास कॉलेज, पल्टा, पश्चिम बंगाल और श्री प्रदीप्त रॉय, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता से। श्री अरिंदम मुखर्जी, सोसायटी के माननीय उपाध्यक्ष, मकायास, कोलकाता और निदेशक, सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (ISCS), कोलकाता ने उक्त विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया है। शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता और समापन भाषण प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, माननीय आज़ाद फेलो, मकायास, कोलकाता द्वारा दिया गया। अंत में, मकायास, कोलकाता के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

श्री अरिंदम मुखर्जी, माननीय वाइस-प्रेज़िडेंट सोसायटी, मकाइयास, कोलकाता एक विशेष व्याख्यान देते हुए

श्रीगौतम बिस्वास, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, पी. एन. दास कॉलेज, पल्टा अपना पेपर प्रस्तुत करते हुए

श्रीप्रदीप्त रॉय, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता अपनी प्रस्तुति के दौरान

सेमिनार की एक झलक

14 जनवरी, 2023 को, मकायास कोलकाता ने नंदलाल बोस गैलरी, आरटीसी, आईसीसीआर, कोलकाता में सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता के सहयोग से "उप क्षेत्रीय सहयोग के संदर्भ में भारत-भूटान संबंध" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जहां मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने स्वागत भाषण दिया। एशियन डेवलपमेंट बैंक के इंडिया रेजिडेंट मिशन के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री सौम्य चट्टोपाध्याय ने सत्र की अध्यक्षता की और अपना विचार-विमर्श प्रस्तुत किया। उक्त सेमिनार के प्रमुख वक्ता सीयूटीएस इंटरनेशनल के एसोसिएट निदेशक श्री अर्नब गांगुली, कट्स कलकत्ता संसाधन केंद्र, श्री मोहित मुसद्दी, वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी, बांग्लादेश और पड़ोस अध्ययन, आईएससीएस-कोलकाता और श्री सुप्रतिम बसु, महासचिव, भारत-भूटान मैत्री संघ (आईबीएफए) थे। संसाधन व्यक्तियों के साथ प्रतिभागियों की चर्चा के बाद, सोसायटी के उपाध्यक्ष, मकायास, कोलकाता और निदेशक, सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (ISCS), कोलकाता, श्री अरिंदम मुखर्जी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

मकायास के निदेशक डॉ. एसपी घोष द्वारा अतिथियों का अभिनंदन किया गया

सेमिनार में माननीय अतिथियों द्वारा संस्थान के वार्षिक कैलेंडर का उद्घाटन किया गया

मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष अपना संबोधन देते हुए

भारत-भूटान मैत्री संघ (आईबीएफए) के महासचिव, श्री सुप्रतिम बसु, अपनी प्रस्तुति के दौरान

मकायास, कोलकाता ने इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड कल्चरल स्टडीज, (ISCS) कोलकाता के सहयोग से 15 जनवरी , 2023 के दिन नंदलाल बोस गैलरी, RTC, ICCR-कोलकाता में "पूर्वोदय: एक्ट ईस्ट पॉलिसी के लिए एक साधन" शीर्षक पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के साथ भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक्ट ईस्ट नीति को अपनाया। यह नीति कनेक्टिविटी, वाणिज्य, संस्कृति और क्षमता-निर्माण जैसे चार केंद्रीय विषयों पर आधारित है और बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार और नेपाल जैसे देशों के राष्ट्रीय राजमार्गों को भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से से अपग्रेड करने और जोड़ने के लिए बड़ी सीमा पार कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर काम करती है। उत्तर बंगाल भी शामिल है. यह नदी संपर्क को बढ़ावा देते हुए समुद्री सुरक्षा को महत्व देता है। सत्र की अध्यक्षता माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने की। सेमिनार के वक्ता श्री एन.जी. खेतान, अध्यक्ष, भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स; प्रोफेसर

वीरेंद्र कुमार तिवारी, निदेशक, आईआईटी-खड़गपुर; श्री अर्नब गांगुली, एसोसिएट डायरेक्टर, सीयूटीएस इंटरनेशनल, प्रमुख, सीयूटीएस कलकत्ता संसाधन केंद्र; श्री गौतम बनर्जी, प्रबंध निदेशक, बिजनेस ब्रियो और निदेशक, डेटा साइंस फाउंडेशन इंटरनेशनल और सुश्री सोहिनी नायक, शोधकर्ता और विदेश नीति विश्लेषक थे।

सेमिनार की एक झलक

श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय शिक्षा,
कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री टिप्पणी देते हुए

माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने सत्र के बाद अपनी बहुमूल्य टिप्पणियाँ दीं। अंत में मकायास, कोलकाता के निदेशक डॉ.सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

श्री ऋत्विक गांगुली, सहायक लाइब्रेरियन, एमएकेएआईएएस, कोलकाता ने **16 जनवरी, 2023 से 20 जनवरी, 2023** तक आरआरआरएलएफ, कोलकाता में सार्वजनिक पुस्तकालय कर्मियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम यानी क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवसर लिया, जहां विभिन्न सरकारी पुस्तकालयों से 40 पुस्तकालय पेशेवर शामिल हुए। समापन दिवस पर मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष उक्त कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे।

मकायास, कोलकाता ने **26 जनवरी, 2023** को भारत का 74वां गणतंत्र दिवस पूरे धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया। मकायास के दोनों परिसरों मौलाना आज़ाद संग्रहालय और आज़ाद भवन, साल्ट लेक में मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

मकायास आज़ाद भवन, साल्ट लेक और मौलाना आज़ाद संग्रहालय के परिसर दोनों स्थानों पर मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

27 जनवरी, 2023 को ऑफ़लाइन मोड के माध्यम से एक सेमिनार और कार्यशाला समिति की बैठक आयोजित की गई।

भारत के पहली बार G20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के शुभ अवसर मकायास, कोलकाता ने **28 जनवरी, 2023** को कॉन्फ्रेंस हॉल- I, RTC, ICCR-कोलकाता में "G-20: सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक परिप्रेक्ष्य" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। भारत पहली बार G20 की अध्यक्षता ग्रहण कर रहा है और कई बैठकों की अध्यक्षता कर रहा है जिनका उद्देश्य वैश्विक आर्थिक विकास और समृद्धि को सुरक्षित करना है। स्वागत भाषण डॉ. सरूप प्रसाद घोष, माननीय निदेशक, मकायास, कोलकाता द्वारा दिया गया। सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी काशीविद्यापीठ, वाराणसी और निदेशक, SHEPA ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, वाराणसी ने की। प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों, अर्थात् डॉ. राजीव नयन, एशियाई सुरक्षा और रक्षा विश्लेषक, मनोहरपरिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए); प्रोफेसर दीपांकर सेनगुप्ता, अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय; प्रो. पी. एम. कामथ, राजनीति के पूर्व प्रोफेसर, मुंबई विश्वविद्यालय, अध्यक्ष और माननीय निदेशक, वीपीएम के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन केंद्र, और अध्यक्ष, विद्याप्रसारकमंडल और प्रो. रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, मकायास-कोलकाता के माननीय

आज़ाद फेलो ने सेमिनार में अपने व्याख्यान दिए। अंत में, सोसायटी, मकायास, कोलकाता के उपाध्यक्ष और सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (ISCS), कोलकाता के निदेशक, श्री अरिंदम मुखर्जी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

डॉ. राजीव नयन, एशियाई सुरक्षा और रक्षा, विश्लेषक (आईडीएसए) दर्शकों से बात करते हुए

सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर पृथ्वीश नाग, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

फिर से **28 जनवरी, 2023** के उसी दिन मकायास, कोलकाता ने लाइब्रेरी हॉल, RTC, ICCR-कोलकाता में सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता के सहयोग से "भारत-थाई संबंध" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। स्वागत भाषण श्री अरिंदम मुखर्जी, सोसायटी के उपाध्यक्ष, मकायास, कोलकाता और निदेशक, सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (ISCS), कोलकाता द्वारा दिया गया। उस अवसर पर, सम्मानित अतिथि, कोलकाता में थाईलैंड के महावाणिज्यदूत, महामहिम सुश्री अचरपन यवप्रपास ने सेमिनार के प्रतिभागियों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित किया। अंब. अनिल वाधवा, थाईलैंड में भारत के पूर्व राजदूत और प्रतिष्ठित फेलो, विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन ने सत्र की अध्यक्षता की और अपना व्याख्यान दिया। उक्त सेमिनार के प्रतिष्ठित वक्ता डॉ. उत्तम सिन्हा, प्रमुख, गैर- पारंपरिक सुरक्षा केंद्र, मनोहरपर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज और विश्लेषण (आईडीएसए); डॉ. राजीव नयन, एशियाई सुरक्षा और रक्षा विश्लेषक, मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (आईडीएसए) और श्री सौम्य भौमिक, एसोसिएट फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ), कोलकाता थे। मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कोलकाता में थाई महावाणिज्य दूत महामहिम सुश्री अचरपनयवप्रपा सत्र को संबोधित कर रही हैं

अपने भाषण के दौरान मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष

फरवरी, 2023

1 फरवरी 2023 को, मकायास, कोलकाता ने आज़ाद भवन, साल्ट लेक, कोलकाता में "प्रोफेसर बिनॉय कुमार सरकार का राष्ट्रवादी दृष्टिकोण" शीर्षक पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। उपरोक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता जादवपुर विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग के पूर्व प्रोफेसर प्रोफेसर पूरबी रॉय ने की। कल्याणी विश्वविद्यालय के इतिहास के पूर्व प्रोफेसर और आईसीएचआर, नई दिल्ली के पूर्व परिषद सदस्य प्रो. निखिलेश गुहा ने सेमिनार में अपना पेपर प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा प्रदान किया गया।

प्रोफेसर बिनॉय कुमार सरकार पर सेमिनार की एक झलक

4 फरवरी 2023 को मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के 40वें स्थापना दिवस में भाग लिया। उस अवसर पर उन्होंने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020' पर मुख्य भाषण दिया।

राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस की एक झलक, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में

डॉ. सरूप प्रसाद घोष, मकायास के माननीय निदेशक इस अवसर पर मुख्य भाषण देते हुए

मकायास, कोलकाता ने पूर्वी क्षेत्रीय संस्कृति केंद्र (EZCC), कोलकाता के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से अंतर-राज्यीय जीवन में छात्र अनुभव का आयोजन किया। यह भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के छात्रों की एक राष्ट्रीय एकता यात्रा है। यह आयोजन 5 फरवरी, 2023 को आयोजित किया गया था।

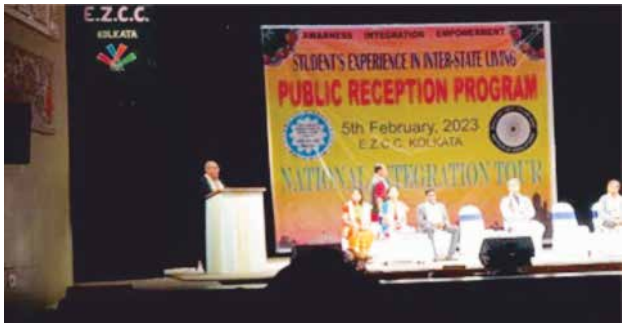

अंतर-राज्यीय जीवन में छात्रों के अनुभव पर कार्यक्रम की झलकियाँ

8 फरवरी, 2023 को, मकायास ने आज़ाद भवन, साल्ट लेक, कोलकाता में "राष्ट्रीय बजट: 2023" पर एक सहयोगात्मक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर पद्म भूषण डॉ. स्वपन दासगुप्ता, इतिहासकार और पत्रकार, सांसद, राज्यसभा (राष्ट्रपति द्वारा नामित) और डॉ. धनपत राम अग्रवाल, निदेशक, स्वदेशी अनुसंधान संस्थान ने बात की। विभिन्न विश्वविद्यालयों के अर्थशास्त्र और वाणिज्य के विभिन्न विभागों के प्रोफेसरों और सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के आर्थिक विश्लेषकों ने उक्त सेमिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने दिया।

डॉ. स्वपन दासगुप्ता, इतिहासकार और पत्रकार, सांसद, राज्यसभा इस अवसर पर बोलते हुए

सेमिनार के बाद लिया गया एक स्थिर चित्र

11 और 12 फरवरी, 2023 को मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने विदेश मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से VPM के सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज, मुंबई द्वारा आयोजित "भारत और उसके पड़ोसी" विषय पर समापन भाषण दिया।

वीपीएम के सेंटर फॉर इंटरनेशनल स्टडीज, मुंबई में सेमिनार की झलकियाँ

15 फरवरी, 2023 को सोसाइटी के उपाध्यक्ष, मकायास और निदेशक, मकायास पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल के साथ बैठक करने के लिए राजभवन गए।

16, 17 और 18 फरवरी, 2023 को निदेशक दिल्ली गए और केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी), नई दिल्ली से मुलाकात की, उनके कार्यालय में शास्त्री भवन, नई दिल्ली में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की।

मकायास के माननीय आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय को **18 फरवरी, 2023** से **20 फरवरी, 2023** के दौरान इटखोरी, चतरा, झारखंड में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और पुस्तक विमोचन समारोह में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन झारखंड सरकार द्वारा किया गया था. उन्होंने "इटखोरी क्षेत्र के पुरातत्व" पर प्रस्तुति दी और 20 फरवरी, 2023 को झारखंड सरकार के एक मंत्री और जिला प्रशासन, झारखंड के अन्य उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में इटखोरी के आसपास पुरातात्विक खोजों पर एक पुस्तक का विमोचन किया।

इटखोरी में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की एक झलक

कार्यक्रम का पुस्तक विमोचन समारोह

सेमिनार की झलकियाँ

मकायास ने **22 फरवरी, 2023** को रवींद्रनाथ टैगोर सेंटर, ICCR, कोलकाता में "प्रीतिलता वादेदार और क्रांतिकारी राष्ट्रवाद" पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार की अध्यक्षता कटवा कॉलेज के इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख श्री रबीरंजनसेन ने की। सेमिनार के प्रतिष्ठित वक्ता डॉ. प्रतीप चट्टोपाध्याय, सहायक प्रोफेसर और प्रमुख, राजनीति विज्ञान विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय; डॉ. देबराज चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, बरहामपुर गर्ल्स कॉलेज और डॉ. प्रगति बंदोपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज थे । धन्यवाद ज्ञापन श्री अरिंदम मुखर्जी, सोसायटी के उपाध्यक्ष, मकायास, कोलकाता और निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड कल्चरल स्टडीज (ISCS), कोलकाता द्वारा प्रदान किया गया।

मकायास, कोलकाता और इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड कल्चरल स्टडीज (ISCS), कोलकाता ने **24 फरवरी, 2023** को रवींद्रनाथ टैगोर सेंटर, ICCR कोलकाता में "भारत-इजरायल द्विपक्षीय संबंध: रक्षा और रणनीतिक सहयोग" पर एक सहयोगात्मक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सहयोगात्मक राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता इज़राइल में भारत के पूर्व राजदूत श्री अरुण के. सिंह ने की। इस सेमिनार में विशिष्ट वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वे क्रमशः प्रोफेसर रिपु सूदन सिंह, पश्चिम एशियाई अध्ययन में विशेषज्ञ, राजनीति विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ और, मकायास, कोलकाता सोसायटी के सदस्य; श्री संकेत जोशी, रिसर्च एसोसिएट, दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और श्री प्रदीप्त रॉय, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, स्कॉटिश चर्च कॉलेज, कोलकाता से।

विषय पर व्याख्यान देते हुए प्रो आर एस सिंह

सेमिनार की एक झलक

23 फरवरी, 2023 को मकायास के निदेशक ने पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल के अधिकारियों से मिलने के लिए राजभवन का दौरा किया।

25 फरवरी, 2023 को मकायास के निदेशक ने राजभवन में पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल से मुलाकात की, जहां भारत सरकार के माननीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार भी उपस्थित थे।

मार्च, 2023

4 मार्च 2023 को, मकायास कोलकाता ने श्री अरबिंदो भवन, कोलकाता में "देशभक्त बने दार्शनिक: भारतीय राष्ट्र निर्माण में ऋषि अरबिंदो के योगदान को याद करते हुए" नामक एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। कलकत्ता और बॉम्बे उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चित्ततोष मुखर्जी ने राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया और संबोधित किया। मकायास के माननीय निदेशक ने अपना स्वागत भाषण प्रस्तुत करके संगोष्ठी में प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इस सेमिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के शिक्षाविद् उपस्थित थे। पहले शैक्षणिक सत्र के संसाधन व्यक्ति श्री अरबिंदोइंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन, पांडिचेरी के संकाय सदस्य श्री देवदीप गांगुली और अंग्रेजी विभाग, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता के प्रोफेसर प्रोबल रॉय चौधरी थे। सत्र की अध्यक्षता प्रो. ए.के. महापात्रा जेनयू, नई दिल्ली ने की। दोपहर के भोजन के बाद, शैक्षणिक सत्र दो में, संसाधन व्यक्ति प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय आज़ाद फेलो, एमएकेएआईएएस और श्री अनुराग बनर्जी, संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, ओवर मैन फाउंडेशन, कोलकाता थे। प्रो. दिलीप कुमार रॉय डी फिल, दर्शनशास्त्र के पूर्व रीडर, प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता ने सत्र की अध्यक्षता की। समापन सत्र में कल्याणी विश्वविद्यालय के प्रो. कल्याण चक्रवर्ती ने संबोधित किया। समापन टिप्पणियाँ मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष द्वारा प्रस्तुत की गईं। श्री अरबिंदो भवन, कोलकाता के श्री बिस्वजीत गांगुली ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

मकायास के निदेशक डॉ. सरूप पी. घोष ने न्यायमूर्ति चित्ततोष मुखर्जी को सम्मानित किया

मकायास के आज़ाद फेलो प्रोफेसर रूपेंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने विचार-विमर्श के दौरान

सेमिनार की झलकियाँ

मकायास, कोलकाता ने अंकुर, कोलकाता के सहयोग से **10 मार्च, 2023** को आज़ाद भवन, साल्ट लेक, कोलकाता में "भारतीय राष्ट्रीय सेना और स्वतंत्र भारत की अनंतिम सरकार" नामक एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। एयर चीफ मार्शल अरूप राहा, पीवीएसएल, एवीएसएल, वीएम, एडीसी, पूर्व वायु सेना प्रमुख; भारतीय वायु सेना ने राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित किया। समापन सत्र को प्रोफेसर पूरबी रॉय, पूर्व प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय ने संबोधित किया। शिक्षाविदों, पत्रकारों और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों ने संगोष्ठी में भाग लिया। मकायासके माननीय निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापन और समापन भाषण दिया।

एयर चीफ मार्शल अरूप राहा, पीवीएसएल, एवीएसएल, वीएम, एडीसी, पूर्व वायु सेना प्रमुख; भारतीय वायु सेना (शीर्ष) और प्रोफेसर पूरबी रॉय, पूर्व प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय (नीचे) सेमिनार में अपने संबोधन के दौरान

14 मार्च, 2023 को, मकायास, कोलकाता के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष को रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर, गोल पार्क, कोलकाता द्वारा आयोजित "सार्वजनिक डोमेन में नैतिकता" विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

मकायास, कोलकाता ने **22 मार्च, 2023** को ICCR, कोलकाता में "संस्कृति को रणनीति से जोड़ना: पूरे एशिया में प्राचीन भारतीय पदचिह्नों का पता लगाना" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. प्रतीप चट्टोपाध्याय, एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय ने सेमिनार की अध्यक्षता की। विशिष्ट वक्ता डॉ.

हिंडोल सेनगुप्ता, इतिहासकार और पत्रकार, डॉ. अनिकेत महापात्र, न्यू अलीपुर कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय और रामकृष्ण मिशन शिल्पमंदिर के प्राचार्य स्वामी वेदतीतानंद थे मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने समापन भाषण और धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सत्र को संबोधित करते हुए कल्याणी विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. प्रतीप चट्टोपाध्याय

सेमिनार में अपनी प्रस्तुति के दौरान इतिहासकार एवं पत्रकार डॉ. हिंडोल सेनगुप्ता

24 मार्च, 2023 को, डॉ. सरूप प्रसाद घोष, माननीय निदेशक, मकायास, कोलकाता को डीएलआईएस, नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी (एनएसओयू), कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सेमिनार के उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथि के रूप में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

25 और 26 मार्च 2023 को, मकायास, कोलकाता ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, द नेशनल लाइब्रेरी, कोलकाता, भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स, ISCS और अन्य थिंक टैंक के सहयोग से, होटल ताज बंगाल , कोलकाता में दूसरे ISCS बिम्सटेक सम्मेलन का आयोजन किया। । 25 मार्च 2023 को उद्घाटन सत्र में, श्री तेनज़िन लेकफेल, माननीय महासचिव, बिम्सटेक सचिवालय, ढाका सम्मानित अतिथि थे। मुख्य वक्ता श्री राज कुमार रंजन सिंह, माननीय राज्य मंत्री, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार थे। आईएससीएस, भारत के निदेशक श्री अरिंदम मुखर्जी ने इस सत्र में गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। सत्र की अध्यक्षता मकायास के माननीय निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की।

तकनीकी सत्र I में चर्चा का विषय "परिवहन कनेक्टिविटी के माध्यम से क्षेत्रीय एकजुटता को मजबूत करना" था। विशेष सत्र का विषय "बिम्सटेक देशों में खाद्य सुरक्षा और मूल्य श्रृंखला दृष्टिकोण की समीक्षा" था। तकनीकी सत्र II का विषय "बिम्सटेक देश और जलवायु परिवर्तन: अनिवार्यताएं और पहल" था। 26 मार्च 2023 को, "बिम्सटेक: लोगों से लोगों को जोड़ने का एक साधन" तकनीकी सत्र III के लिए चर्चा का विषय था। तकनीकी सत्र IV में, "शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बिम्सटेक की भूमिका" पर चर्चा की गई। तकनीकी सत्र V में, " बिम्सटेक राष्ट्र: सांस्कृतिक आदान- प्रदान और सभ्यतागत संबंध" चर्चा का विषय था। सत्र की अध्यक्षता मकायास कोलकाता के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष ने की। सत्र के वक्ता थे, श्री बिधायक दास, लेखक और विद्वान, डेवलपमेंट कम्युनिकेशन और संस्थापक, संपादक और प्रबंध निदेशक, द बॉर्डर लेंस; डॉ. जिरायुध सिंथुपन, निदेशक, दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र, चुलालोंगकोम विश्वविद्यालय, थाईलैंड; डॉ. लोबजंगदोरजी, वरिष्ठ व्याख्याता, नोरबुलिंगरिग्टर कॉलेज, रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान और प्रो. रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, आजाद फेलो, एमएकेएआईएएस, कोलकाता।

मकायास के निदेशक डॉ. सरूप प्रसाद घोष, कोलकाता के होटल ताज बंगाल में दूसरे आईएससीएस बिम्सटेक सम्मेलन में तकनीकी सत्र V की अध्यक्षता करते हुए

मकायास, कोलकाता ने इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड कल्चरल स्टडीज (ISCS), कोलकाता के सहयोग से 31 मार्च, 2023 को ICCR, कोलकाता में "बिम्सटेक सुरक्षा सहयोग" पर एक सेमिनार का आयोजन किया। ISCS, भारत के निदेशक, श्री अरिंदम मुखर्जी ने स्वागत भाषण दिया। सेमिनार के मुख्य अतिथि श्री अरूप राहा, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएम, एडीसी (टीबीसी), पूर्व एयर चीफ मार्शल थे। इस अवसर पर इंडिया फाउंडेशन के निदेशक और नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के सहायक प्रोफेसर कैप्टन (आईएन) आलोक बंसल ने व्याख्यान दिया। अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं में सेवानिवृत्त रक्षा कर्मी और शिक्षाविद शामिल थे।

सेमिनार की एक झलक

कैप्टन (आईएन) आलोक बंसल, निदेशक, इंडिया फाउंडेशन और नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में सहायक प्रोफेसर अपने व्याख्यान के दौरान

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

ANNUAL REPORT : 2022-23

AZAD BHAVAN

IB – 166, Salt Lake City, Kolkata – 700 106

AZAD MUSEUM

5, Ashraf Mistry Lane (Ballygunge Circular Road), Kolkata -700 019

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

AT A GLANCE

- **MAULANA AZAD MUSEUM** : 5, Ashraf Mistry Lane, Kolkata – 700 019.
- **AZAD BHAWAN** : IB-166, Sector-III, Salt Lake City, Kolkata – 700 106.
  Office Block; Library & Reading Room, Auditorium, Fellows Academic Work Station & Guest House.

Organizational Chart of MAKAIAS

MINISTRY OF CULTURE, GOVERNMENT OF INDIA

SOCIETY, MAKAIAS	H.E. GOVERNOR OF WB, PRESIDENT

EXECUTIVE COUNCIL, MAKAIAS

CHAIRMAN	VICE-CHAIRMAN & MEMBERS

DIRECTOR, MAKAIAS

ADMIN / FINANCE	LIBRARY/MUSEUM/GALLERY

SOCIETY MEMBERS - MAKAIAS

1. **His Excellency Shri Jagdeep Dhankhar**
   Governor of West Bengal and President of the Society of Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies
   Raj Bhavan, Kolkata – 700 062

2. **Shri Arindam Mukherjee**
   Vice President of the Society
   Maulana Abul Kalam Azad
   Institute of Asian Studies &
   Secretary, Institute of Social and Cultural Studies
   48/2, Dr. Suresh Sarkar Road
   Kolkata – 700 014

3. **Secretary to the Government of India**
   Ministry of Culture
   Room No.502, C–Wing,
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

4. **Secretary to the Government of India**
   Department of Higher Education
   Ministry of Human Resource Development
   Government of India
   Shastri Bhavan
   New Delhi – 110 001

5. **Joint Secretary & Financial Adviser**
   Ministry of Culture, Government of India
   Room No. 318, C - Wing,
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

6. **Dy. Director General**
   Indian Council for Cultural Relations (ICCR)
   Azad Bhavan, I.P. Estate
   New Delhi – 110 002

7. **Prof. V.K. Malhotra**
   Member Secretary
   Indian Council of Society Science Research (ICSSR)
   Aruna Asaf Ali Marg
   New Delhi – 110 067

8. **Dr. Om Jee Upadhyay**
   Director (Research)
   Indian Council of Historical Research (ICHR)
   35, Ferozeshah Road
   New Delhi – 110 001

9. **Prof. J.S. Rajput**
   Former Chairman, NCERT
   A-16, Sector P-7
   Mitra Society (Enclave)
   (Opposite Greater Valley School)
   Greater Noida-201310

10. **Prof. V. Suryanarayan**
    H 112-5, 18th Cross Street
    Besant Nagar, Chennai - 600 090

11. **Dr. S. Utham Kumar Jamadhagni**
    9/4A, Mettu Street
    Sayee Nagar
    Virugambakkam
    Chennai – 600 092

12. **Prof. Dipankar Sengupta**
    Department of Economics
    University of Jammu
    Jammu, Jammu and Kashmir – 180006

13. **Dr. Suresh R**
    Associate Professor & Director
    V.K. Krishna Menon Study Centre for International Relations
    Department of Political Science
    University of Kerala
    Thiruvananthapuram - 695581

14. **Dr. Rajiv Nayan**
    Asian Security and Defense Analyst
    Institute of Defense Studies and Analyses (IDSA)
    1, Development Enclave, (near USI)
    Rao Tula Ram Marg
    New Delhi- 110 010

15. **Prof. Priyankar Upadhyaya**
    UNESCO Chair for Peace and Inter Cultural Understanding
    Malaviya Centre for Peace Research
    Benaras Hindu University (BHU)
    Varanasi -221005

16. **Prof. Chandra Shekher**
    Head of the Persian Department
    Delhi University
    Room No – 81, Faculty of Arts,
    South Moti Bagh, South Campus,
    Delhi- 110021

17. **Prof. K. B. Warikoo**
    Specialization in Inner Asia & Central Asia
    School of International Studies
    Jawaharlal Nehru University
    New Delhi-110 067

18. **Prof. Ashwini K Mohapatra**
    Specialization in West Asian, South Asian & Central Asian Studies
    School of International Studies (SIS)
    Jawaharlal Nehru University
    New Delhi – 110 067

SOCIETY MEMBERS - MAKAIAS

19. **Prof. R.K. Mishra**
Department of Political Science
Lucknow University
Lucknow University Main Building
University Road, Babuganj, Hasanganj
Lucknow-226007
Uttar Pradesh

20. **Prof. Purabi Roy**
Retired Professor of International Relations
Jadavpur University, Kolkata
47C, Abdul Halim Lane, Kolkata -700016
(Near Mother Teresa Sishu Bhavan, KMC Garrage)

21. **Prof. Ripu Sudan Singh**
Specialization in West Asian Studies
Department of Political Science
Babasaheb Bhimrao Ambedkar University
C-77, South City, Raibareli Road
Lucknow – 226025

22. **Prof. G. Gopal Reddy**
Member, University Grants Commission,
New Delhi
H.No. 3-5-199/B/7, Harivihar Colony,
Narayanguda
Hyderabad – 500 029
Telangana

23. **Shri Binod Bawri**
The Bawri Group
7th Floor, 3A Ecospace, New Town
Rajarhat,
Kolkata – 700 156

24. **Prof. Santishree Dhulipudi Pandit**
Professor, Department of Politics
and Public Administration
Savitribai Phule Pune University
(formerly University of Pune)
Ganeshkhind, Pune- 411007
Maharashtra

25. **Prof. Nikhiles Guha**
Retd. Professor of History
Kalyani University
65A, Jorabagan Road, Naktala,
Kolkata – 700 047

26. **Dr. Amarjiva Lochan**
President, South and Southeast Asian
Association for the Study of Culture and Religion
(SSEASR) &
General Secretary
International Centre for Cultural Studies (ICCS)
95, Vidya Vihar, Ring Road,
New Delhi – 110 095

27. **Dr. P.M. Kamath**
Chairman & Hon. Director,
VPM's Centre for International Studies (Regd.)
43, Rita Apartment
Devidayal Road, Mulund (West)
Mumbai 400 080

28. **Shri Sudesh Verma**
Eminent Journalist/Writer,
Biographer of PM Narendra Modi

29. **Shri Kanchan Gupta**
Former Joint Editor, "Pioneer" Daily
B1-101, Stellar Sigma Apartments
Sector Sigma 4
Greater Noida-201 310

30. **Vice-Chancellor**
University of Calcutta
87/1, College Street
Kolkata-700 073

31. **Secretary to the Government of West Bengal**
Department of Higher Education
Government of West Bengal
Social Education Branch
Bikash Bhavan, Central Vista, Salt Lake
Kolkata – 700 091

32. **Prof. Subhas Ranjan Chakraborty**
Vice-President
The Asiatic Society
BB-45, Flat No.1, Salt Lake City,
Kolkata – 700 064

33. **Prof. Anuradha Lohia**
Vice Chancellor
Presidency University
86/1, College Street
Kolkata – 700 073

34. **Dr. Sarup Prasad Ghosh**
Director, MAKAIAS
Member Secretary

EXECUTIVE COUNCIL – MAKAIAS

1. **Prof. Sujit K. Ghosh**
   Hon'ble Chairman
   Maulana Abul Kalam Azad
   Institute of Asian Studies
   Block-IB, Sector-III, Salt Lake City,
   Kolkata – 700 106

2. **Prof. K.C. Baral**
   Hon'ble Vice Chairman
   Maulana Abul Kalam Azad
   Institute of Asian Studies, Kolkata, &
   Professor of Indian Studies &
   Former Pro-Vice Chancellor
   English & Foreign Languages University
   University of Hyderabad
   Near Tarnaka,
   Hyderabad - 500 007, Telangana.

3. **Secretary to the Government of India**
   Ministry of Culture
   Room No. 502-C Wing
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

4. **Joint Secretary & Financial Adviser**
   Ministry of Culture,
   Government of India
   Room No. 318, C - Wing,
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110 001

5. **Secretary to the Govt. of West Bengal**
   Department of Higher Education
   Government of West Bengal
   Social Education Branch
   Bikash Bhavan, Central Vista, Salt Lake
   Kolkata – 700 091

6. **Prof. I.S. Chauhan**
   Former Vice Chancellor &
   Ambassador (Fiji)
   4, Rishi Nagar, Char Imli
   Bhopal -462016

7. **Dr. K.S. Chakraborty**
   Regional Director
   Indira Gandhi National Open University
   (IGNOU)
   College Tilla
   Agartala -799004, Tripura

8. **Professor Smritikumar Sarkar**
   Fromer Vice-Chancellor
   Burdwan University
   57/2, B.C. Chatterjee Street
   Belghoria
   Kolkata - 700 056

9. **Prof. Om Prakash Mishra**
   Department of International Relations
   Jadavpur University
   Kolkata -700032

10. **Dr. Sreeradha Datta**
    Centre Head, Neighbourhood Studies
    and Senior Fellow
    Vivekananda International Foundation
    3, San Martin Marg, Chanakyapuri
    New Delhi – 110021

11. **Dr. Sarup Prasad Ghosh**
    Director, MAKAIAS
    Member Secretary

FINANCE COMMITTEE - MAKAIAS

1. **Chairman**
   Additional Secretary & Financial Adviser
   Ministry of Culture, Government of India
   318 C, Shastri Bhawan
   New Delhi - 110 001

2. **Prof. K.C. Baral**
   Vice Chairman of the Executive Council,
   Maulana Abul Kalam Azad
   Institute of Asian Studies, Kolkata, &
   Professor of Indian Studies &
   Former Pro-Vice Chancellor
   English & Foreign Languages University
   University of Hyderabad, (Near Tarnaka)
   Telangana, Hyderabad - 500 007

3. **Prof. Kumar Ratnam**
   Member Secretary
   ICHR, New Delhi

4. **Prof. S.K. Yadav**
   Director, School of Law,
   IGNOU, New Delhi

5. **Dr. Sarup Prasad Ghosh**
   Director, MAKAIAS
   Ex-offico Member

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS) is under the Ministry of Culture, Government of India. The Institute is a centre for research and learning with focus on social, cultural, economic and political/administrative developments in Asia from the middle of the 19th Century onwards with special emphasis on their links with India. It also focuses on the life and the works of Maulana Abul Kalam Azad. Initially, the emphasis had been given on modern and contemporary affairs in South Asia, Central Asia and West Asia, and carrying on area studies on the five Central Asia Republics of the former Soviet Union (Uzbekistan, Turkmenistan, Tajikistan, Kazakhstan and Kyrgyzstan), Turkey, Iran, Afghanistan and Bangladesh. The Institute has expanded the area of study to Southeast Asia and China.

The Institute maintains a personalia Museum at the former residence of Maulana Azad in Kolkata. The Museum accentuates the life and works of Maulana Abul Kalam Azad as a distinguished national leader and thinker. The Institute has a well-equipped library attracting scholars from all parts of India and beyond. It regularly organizes conferences, special lectures, workshops, funds research projects and other research activities.

RESEARCH PROJECT UNDERTAKEN BY HONOURABLE AZAD FELLOW OF MAKAIAS

Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay

Azad Fellow, MAKAIAS
Visiting Faculty, Presidency University, Kolkata
Guest Faculty, West Bengal State University, Barasat

Former Vivekananda Chair Professor of Social Science, University of Calcutta

Former 'Paresh Chandra Chatterjee Professor of History', Presidency University, Kolkata

Former Professor and Head, Department of Archaeology, University of Calcutta

A Survey of Literary and Archaeological Sources to Revisit the Interactive Networks of Central Asia, South Asia, and South-east Asia, with a Special Emphasis on the Socio-Religious Contexts of Ancient and Medieval Periods

The objective of my proposed research is to reconstruct the cultural matrices of ancient societies in the so-called borderlands of Himalayan and sub-Himalayan regions of the Indian subcontinent, and unravel its bearing with the Asian world. It is very difficult to scoop out the entire findings related to the cultural mosaic of the total area from where we have gathered multifaceted archaeological as well as linguistic database pertaining to ancient societies. On the other hand, there exists a large number of research works presenting primary and secondary sources and the rise, growth and dispersal of ancient communities and their cultural contexts. In this context it is worth mentioning that if one goes through A Companion to the Archaeology of the Ancient Near-East, in two volumes edited by D.T. Potts, one could readily get a synoptic-frameworks as well as explanation. The volumes discuss the geographical, topographical, hydrological, and climatological backgrounds to render justification to subsequent issues. Besides, early excavation, political dimension of archaeological practice, trade in antiquities, and destruction of ancient Near East cultural horizon, the volumes cover a wide range of subtopics. On the one hand, the beginning of Holocene adaptation in Anatolian region, the arrival of agro-pastoral societies in South West Asia, consolidation of cattle-rearing, irrigation system, water craft, ceramic production, metallurgy; on the other hand varieties of early village and town life in Northern and Southern Levante, Northern and southern Mesopotamia, Arabian peninsula, the Iranian plateau, south-western Iran, and obviously the archaeology of the empires developed in Mesopotamia, Egypt, the Achaemenid heartland, Roman rule in Near-East, Byzantine and Sassanian Empires.

Dilip K. Chakrabarti in his recent work 'The Borderlands and Boundaries of the Indian Subcontinent' highlights the major conceptualizations regarding the so-called borderlands and the context of a cultural trap covering

from Baluchistan to the Arakan-Myanmar region. The current objective is oriented towards exploring Chakrabarti's theorization in a new light. While exploring the various findings related to academic contexts of Central Asia, Iran, Afghanisthan, along with geographical and historical perspectives of Eurasian Steppes, Mongolia, Kazakhstan, Uzbekistan, Tajikistan, Pamir mountainous zone, Chinese province of Xinjiang, Turkmenistan, Ladakh to Arunachal Pradesh, the bordering areas of Myanmar, "the various boundary lines, which were drawn from time to time in the late 19th and early 20th centuries to define the subcontinent in relation to its overland neighbours, were the products of contemporary political circumstances and the consensus between the negotiating government but behind the apparent precision of these boundary lines, lies hidden an interaction zone of what we may call borderland, stretching from Baluchistan at one point and the Arakan Yoma hills at another".

Besides, exploring this theme further, two particular points strike me the most: (1) religion played a crucial role in the expansion of settlements secular and religious, formulation of land routes, changing contexts of survival strategies, along with trade and commerce, and (2) the common population groups along with their languages in the Himalayan and sub-Himalayan tracts is another important issue that must be explored. Here, I must mention that while exploring our finds related to the Kingdom of Saivacarya and the spread of later Buddhism particularly Lokesvara Visnuimages, we have touched upon the connection between one major centre of activity and the others. For example, the Saivism in Nepal had apparently connections with the rise and growth of Saiva ideology in and around north Bengal. On the other hand, Tibetan texts and the rise of Bodhisattva Buddhism had enough contacts with northern and southern Bihar, and adjoining parts of ancient Bengal. The Buddhist monasteries and their functioning in this area is a well-known affair. One may note that sometimes we have confusion with the rituals or samskara and samskriti and we think that these are parts of rigorous religious systems. Mobility of various social groups and the cultural mosaic of the Old World must be read in terms of ancestry, and our cultural roles that have been specified in a plethora of works.

The proposed research will render importance to the role played by religion through the ages within contexts of these interactive networks, and will also try to unravel their bearing with interregional diversities. For instance, the north-eastern part of the Indian subcontinent apparently remains neglected while studying the larger socio-religious paradigms of the above-mentioned geographical space. If possible, the present research would strive to understand the contribution of Islam in 'Frontier' Bengal, specifically with respect to the proliferation of Islamic doctrines in the present Bangladesh, Arakan, and the larger South-East Asian regions.

Since Asian studies remain a thrust area of MAKAIAS' research program, the proposed work may extend their objective further. Apart from the fellowship, the other logistic support including library facilities would certainly offer me with the scope to carry out intensive research work in the subject concerned.

RESEARCH PROJECTS UNDERTAKEN BY INTERNAL FELLOWS OF MAKAIAS

Mr. Amit Barman

Interactive Network and Tourism in North East India and South East Asia: A Case Study of Assam and Myanmar

Tourism plays an important role in economic development, employment generation, and sustainable development of any country or region. Tourism industry has the potential to grow at a high rate and ensure the consequential development of the infrastructure of a region. It can benefit from on the country's success in the service sector and provide sustainable models of growth. The tourism sector stimulates other economic sectors like agriculture, horticulture, poultry, handicrafts, transport, construction, etc. The consumption demand, emanating from tourist expenditure also induces more employment and generates a multiplier effect on the economy. The tourism industry has the unique advantage of generating employment for skilled, semi-skilled, and unskilled persons. It ensures inclusive development for the locals. North East India has got enormous potential to be tapped. Tourism has a major contribution to the socio-economic development of any region. This region has immense potential for the development of Tourism. It is surrounded by several international borders such as Tibet (China), Myanmar, Bhutan, and Bangladesh. On the other hand, this region is very rich in natural beauty, religious and historical places, culture, food habits, and tradition which can easily make attract tourists to visit in that region.

Though it has the potential for the development, the tourism industry in this region faces several challenges, such as lack of infrastructural facilities, lack of connectivity, lack of skill in the Tourism sector, insurgency, etc. As a result, this region remains underdeveloped. However, after the renaming of 'Look East policy' into 'Act East Policy', several connectivity projects are going on rapidly. Therefore, it is in this context, the present study tries to understand the potentiality of tourism development in North East India in connection with the border areas of Myanmar.

Mr. Arka Chowdhury

Counterinsurgency, Technology and Imperial Frontier: North-West Frontier of India and Central Asia, From Small Wars to Total War, 1850-1947

Is it possible to trace a cogent rationale underlying the seemingly chaotic nature of frontier warfare in colonial India? What is the interrelation between warfare, environment and technology in the context of colonial counterinsurgency? Did the British-Indian Army adhere to the doctrine of 'minimum force' in their expeditions in the frontiers of India? How far did military technology influence the doctrinal development of the British Indian Army's warfare? Finally, how far colonial counterinsurgency can provide guiding principles for counterinsurgency in the world today? These are the central questions around which the proposed work revolves. It aims to use technology as an entry point into the British Indian Army's Counterinsurgency warfare in India's unstable and fluid frontiers to analyze how technology can be a determinant factor in the outcome of war.

The proposed work attempts to revisit the idea of British empire-building in the frontiers of India. The existing literature in their debates and deliberations negates the agency of the tribals in the North-West Frontiers extending to Central Asia regarding state formation. The British-Indian Army's invasion in Afghanistan in the nineteenth and twentieth centuries demonstrates the fact that rather than consolidating the rule of the Afghan Amir, it tended to destabilise his authority and thereby reduce his legitimacy and the allegiance that he commanded. Therefore, the thesis attempts to redefine the entire notion of state-building in the Indian frontiers by focusing on the lessons drawn from the colonial counterinsurgency campaign and their practical implications in today's context.

Ms. Barnali Sarma

Migration Leads to Urbanization: A Study of Migrant Street Vendors and Their Livelihood in Guwahati City

Migration determines the size, distribution and growth of population along with its composition and characteristics. Migration has always been a component of livelihood portfolio and one of the most significant livelihood strategies adopted among the poorest section in rural India, predominantly in the form of seasonal mobility of labour. This study attempts to analyze the socio-economic, factors that explain the variation in migration from one place to another. Street Vendors are thus not only a significant part of the informal sector but also an integral part of urban economy. Article 19(1) (g) of the Constitution of India promises the right to practice any profession, or to carry on any occupation, trade or business to all Indian citizens. Paradoxically, on the other hand, different sections of Indian Penal Code (IPC) and Police Act empower police to remove any obstructions on the streets. Due to Poverty and lack of gainful employment in the rural areas the large numbers of people migrated to the cities for work and livelihood. Because of its geographical location as the gateway to the India's north east, Guwahati became a major trade and commerce hub and the fastest growing city in the North- East Region where the majority of its workers are in the informal sector. This study is concentrated on the livelihood of migrant street vendors and consequences of migration in Guwahati city. Even today, Street vendors and street vending/ markets are an important part of Guwahati's urban life and trade and commerce as can be observed through the functioning of three major kinds of informal markets namely, a) 13 GMC(Guwahati Municipal Corporation) rent markets, b) 3 Daily markets, and c)1 Bi-weekly market (Mahadevia et.al. 2016:10).

Mr. Bedabrata Bhadury

Road Infrastructure in North-Eastern Region: A Study on Their Role in Promoting Regionalism and Economic Development in Connection With Selected ASEAN Countries

Infrastructural facilities, more specifically road infrastructure provides a foundation for understanding access, inclusion, fairness, and social justice, among other challenges, under the development narrative in North-Eastern India. Lack of proper communication and connectivity facilities in the North-Eastern Region has created roadblock in the process of economic development and overall prosperity of the region .The importance of infrastructure in the development of the northeastern area was recognized by the Indian government in the early phases of the region's economic growth and continues to be addressed today.

In Asia and the Pacific, the Association of South East Asian Nations (ASEAN), which comprises the majority of South East Asian countries, seeks to further promote regional political stability and economic growth. In the context of engagement with ASEAN countries as a part of 'Act East Policy' this study emphasizes on the connection with Myanmar - gateway to Southeast Asia and on Thailand as they have had significant volume of trade exchange with India , more so with the North-Eastern Region . Ministry of Road Transport &Highways in recent times has initiated/undertaken many major National Highway development projects in this region. Major initiatives taken on the behalf of Govt. of India includes - Special Accelerated Road Development Programme for North East (SARDP-NE), Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana (PMGSY), North Eastern States Road Investment Project (NESRIP). This may speed up the urbanization process which will improve the overall standard of living of citizens that will help backing up the "Act East Policy" of the government.

Mr. Elloit Cardozo

Ethnonarrative Histories of Hip Hop Culture in India

Through this project I attempt to record and document oral histories of the underground Hip Hop culture in India. For this, I plan to take an ethnonarrative approach: combining ethnographic fieldwork with narratological methods of hermeneutic analyses. This will entail ethnographic data collection majorly in the cities of Bangalore, Chandigarh, Chennai, Delhi, and Mumbai, as well as a few other smaller cities. The ethnographic data will then be subjected to narratological analyses in order to collate a comprehensive account of Hip Hop's histories in India. In doing this, I seek to understand the development of the culture in India before the advent of what seems to be a second generation-led transformation of Hip Hop in the country. As opposed to existing research on Hip Hop culture in India, majorly the work of Ethriaj Gabriel Dattatreyan and Jaspal Naveel Singh (which focused on Hip Hop culture in Delhi), this project is broader in scope with the aim to understand the similarities between these historical narratives across Hip Hop communities spanning various geographical regions within India.

Dr. Farheena Rahman

Mahapurush Srimanta Sankaradea and Building of Indian Cultural Nationalism

Nationalism, ideology based on the premise that the individual's loyalty and devotion to the nation-state surpass other individual or group interests. Nationalism is said to be a modern movement. Throughout history people have been attached to their native soil, to the traditions and to established territorial authorities, but it was not until the end of the 18th century that nationalism began to be a generally recognized sentiment moulding public and private life and becomes one of the great single determining factors of modern history. However, In the Indian context, the idea of nationalism can be consolidated with the idea of creating an "Akhand Bharat" that can literally translated to undivided India. This notion revolved around reuniting the ancient Indian civilisation by fighting the British. The civilization of the Indian subcontinent is one of the oldest in the world. Its cultural continuities, and its powerful influence across most of Asia, can be traced from ancient times. It can be argued that India cannot be a nation of British creation. India has been blessed by a distinct continuity of civilisation and an ancient conception of nationhood with its religious, civilizational, cultural and linguistic continuity. India is a nation with history, ancient heritage, culture and civilisation. India is a nation of cultural pluralism or cultural diversity. Since time immemorial, it is the home to numerous languages, religions, tribes, races, castes and sub-castes. Of these elements of cultural pluralism in India, language, tribe and, religion, happen to be crucial, as they not only serve as important markers of group identity, but also provide viable bases for nationality formation. Therefore, it can be argued that as against the dominant political ideology of Indian nationalism that emerges with the rise of all India resistance to the colonial power in the first decade of the twentieth century; nationalist discourse in India in the form cultural nationalism could be traced back in the ancient period of India. It can be found that cultural values play a significant role in the integration of people belonging to a particular nation since long back.

In the above context, the present study seek to explore the Indian ideas shaping nation and nationalism in the context of cultural nationalism as there are several ways in which nationalism can manifest itself. The study will attempt to analyse the historical trajectory of the manifestations of cultural nationalism in India. For this purpose, the study aims to analyse the contribution of Mahapurush Srimanta Sankaradea towards building of Indian cultural nationalism in 15th-16th century India.

Mr. Jay Prakash Gupta

Public Policy and Effective Environmental Governance for Sustainable Development: A Case Study of Myanmar

The reasons for failure in achieving the targets under sustainable development are its direct confrontation with the immediate development requirements of the nation states. World is a classic case of being caught in the quandary of immediate and sustainable development. The quandary is most felt in her approach to its Myanmar - a region that is experiencing the irony of poverty with vast natural resources. Entangled with issues of ethnicity, culture and nationalist aspirations, development of the region was slower than the rest of World. The slower development caused further disenchantment among the populations of the Myanmar who felt a sense of relative deprivation that led to a surge in insurgency demands of various hues. The uphill task the government of Myanmar faces now is to cause development in the region that should be in consonance with the environment, culture and other mosaic of the region. So a focused research is very necessary for climate governance and sustainable development issues in the region. The study will help the policy makers and academic community to explore the result of the research on wider scale for the benefit of humanity. The specific objectives are:

1) To understand the reasons for failure in the implementation of Millennium Development Goals and important environmental treaties in Myanmar Region.
2) To understand the existing gaps between the commitments of the nation state to international community and national level implementation.
3) To delve into the process of public policy formulation and governance compulsions at the regional level in Myanmar Region.
4) To evaluate the role of Global Environmental Governance for the attainment of the Sustainable Development Goals in Myanmar Region.
5) Suggest effective public policy and governance for nation states those will be models for the implementation of Post- 2015 Agenda for sustainable future.

Dr. Kanu Halder

Covid-19: Impact on Bengal Namasudra (Matua) Society (2021 to 2022)

The Covid-19(SARS-CoV-2) Pandemic, which rampaged across the globe, also spread its tentacles in India. Just like other Indian states, West Bengal could not shield herself from the rapid proliferation of this disease. This pandemic has had a long-lasting impact on sectors like politics, economics, science, and society, and in this context, it has become important to revisit and reassess the conditions of the backward society of West Bengal. The present study tries to re-contextualize and reinterpret the condition of the Matuas in the changing social, political, economic, and cultural milieu of the pandemic-stricken Bengal. A true welfare state attempts to integrate people from all sections of the society to its developmental project. The present study uses this trope to make the act of research into the marginal groups/backward society more realistic and utilitarian. Not only does the present study want to chalk out the differences existing between the Covid-19(SARS-CoV-2) Pandemic and the previous pandemics that struck Bengal, it also wants to examine the impact of the pandemic on the Matuas, by taking into account factors like lockdown, unemployment, pressure on agricultural land, loss of property, sanitation, healthcare, etc., and how these factors have had an impact on their social sphere, that includes factors like psychological sphere, public recognition, education, child marriage, women emancipation. These factors will create long-lasting impressions on the political psyche of the Matuas, this can be said with certainty. Therefore, the objective of the present study is to examine how the Matuas of Bengal crossed the Rubicon of the pandemic through their negotiations with its different modalities and aspects, and what has been its effect.

Ms. L. Dipika Singha

Understanding the Meaning of Prehistoric Stone Implements among the Karbis of Dimoria, Assam along with a Comparative Study of some Social Groups in South East Asia

The existence of a prehistoric human past was first established with the discovery of stone implements and other such objects by naturalists. The prehistoric stone implements have long been an important source of information about the earliest stages of human technological and cultural evolution. The belief that stone adzes are connected to thunder is ancient and is found in many parts of Asia and around the world. Beliefs associated with prehistoric stone implements have been a matter of study for archaeologists and naturalists since time immemorial. While corresponding examples of identifying and using 'thunderbolts' are given from different areas of the world, the emphasis on research pertaining to the beliefs associated with 'thunderbolts' in the Indian subcontinent is very limited. This study is intended to reconstruct the attitude of the Karbi people, a major tribe of Assam in the North Eastern part of India towards the vestiges of prehistoric material culture through an interdisciplinary approach at the convergence area between socio-cultural anthropology and archaeology. The present study is an attempt to explore the ideas of origin associated with the prehistoric stone implements among the Karbi people. It will also try to bring out the meanings and beliefs pertaining to these objects among the people of the area. The study will also focus on the role and utilization of these objects in the socio-religious life of the people.

Mr. Mintu Barua

The Belt and Road Initiative: Achieving Dominance through Investment

Chinese president Xi Jinping launched the Belt and Road Initiative (BRI) in 2013. The BRI has so far involved nearly 68 countries and 40 percent of the global GDP. However, there are differences of opinion regarding the motivation behind the implementation of the BRI. Some scholars have argued that the BRI is designed to transform the existing regional-global order into a Sino-centric order, whereas others contend that the BRI is a Chinese geo-strategy to achieve regional dominance. Some contend that the BRI is an economic initiative; nevertheless, some argue that strategic dimensions are very prominent in the BRI. China has been using investments as a weapon to achieve its BRI goals and secure its financial and strategic interest. In order to secure its national interests, China has been investing in the land-based and maritime infrastructures in the different corners of the world, from Europe to the Indo-Pacific region. In addition, China is investing in the Arctic region. This research project explores how Chinese investments in the foreign countries can help China to fulfill its strategic ambitions and revise the regional geo-political landscape in its favor. For example, Using Sri Lanka's inability in repaying Chinese debt, China captured Hambantota port on a 99-year lease. Hambantota is a most glaring example of how China uses investment to extend its strategic interests. Recently, a Chinese battleship was harbored in Hambantota Port. This research examines Chinese investment in the different parts of the world and analyzes how those investments can strengthen China's strategic position in those regions. Explaining the motives, the challenges, and the probable outcomes of Chinese investment in the foreign countries, this research project can contribute to the existing scholarships on Chinese foreign policy.

Dr. Raju Sarkar

Urbanization and Migration in North East India and its neighboring South East region: A Study of Socio-economic Disparities and Policy Recommendations

In the North Eastern region of India (NER), there is a disparity in demography, health, economic situations, infrastructure, education, and standard of living. North-East India is India's least urbanized state, with only 18% of the population living in 414 small towns. In India, migration has been dominated by people from Eastern and Central regions moving to western and northwestern regions. On the other side, the Northeast has a reputation for in-migration and the resulting tensions, but there is little research on out-migration from the region. The region's demographic profile is defined by a high birth rate, a rapid pace of population expansion generated by migration, and a population structure with a young age structure (demographic dividend). Low levels of urbanization, the prevalence of agricultural employment, diversity of languages, and vernaculars are among the less usual demographic characteristics. The present study focuses attention on the nature, pattern, and measure of uneven urbanization in North East India and its neighboring South East region on basis of census data then find out the determinants and causes of urbanization. This study examines the internal and international migration in the Northeast, as well as the reasons for migration. Finally, this study analyzes the socioeconomic disparities in NE India and suggests some policy implications. The Ordinary Least Squares (OLS) regression will be used to investigate the factors that influence urbanization. A mixed-methods approach will be employed to explore the socioeconomic gaps in NE India. The resource-rich North East with its expanses of fertile farmland and huge talent pool could turn into one of India's most prosperous regions. However, due to poor infrastructure and connectivity, unemployment and low economic development, and law & order problems we believe that market-based solutions may not work here. The policy should be related to effective urban planning, which includes operational, developmental, and restorative planning. Improvements to urban infrastructure, such as roads, traffic, and transportation, will be the focus of operational planning.

Ms. Sayanti Ganguly

Bauls of Bengal: A Study of their Origin, Regional Diversity and Socio-cultural Dynamics

Intangible cultural heritage includes traditions or living expressions inherited from our ancestors and passed on to our descendants. These include, oral traditions, performing arts, social practices, rituals, knowledge and practices concerning nature and the universe or the knowledge and skills to produce traditional crafts. They not only represent cultural heritage that we inherit from the past but also the contemporary rural and urban practices which contribute to cultural diversity. Intangible cultural heritage thrives on its basis in communities and depends on those whose knowledge of traditions, skills and customs are passed on to the rest of the community, from generation to generation or to other communities. An important aspect of intangible cultural heritage is that it becomes heritage only after it is recognised as such by the communities, groups or individuals that create, maintain and transmit it. The proposed project deals with one such intangible cultural heritage.

Bauls are rural minstrels who sing songs about change. Bauls were socially, economically, politically and religiously marginalised. They formed a separate cultural community in rural Bengal. Bauls generally situate themselves outside the purview of any organised religion and do not conform to the rules of the caste system. Their songs are primarily those of emancipation. Bauls through their songs discuss injustices, discrimination and intolerance perpetuated through the hegemonic social and religious institutions. Through their songs, Bauls aim to raise societal consciousness while establishing a distinct spiritual tradition. Historically, Bauls were influenced by three different religious traditions; these were Sahajiya, Bhakti and Sufism. Bauls would express their spirituality and critique of the society by performing songs while travelling across rural Bengal. Traditionally, these songs were taught orally to those within and outside the community with a hope to finding an alternative , less exploitative, egalitarian and just spiritual and social order. On 25th November, 2005, UNESCO included the Baul tradition in the global list

of masterpieces of oral and intangible heritage. Like any other cultural heritage, this tradition too has been undergoing transformation in the recent years. There are several factors which are posing a constant threat to the tradition and to those who are performing this tradition. The proposed study aims at understanding some of these factors at play. The broad objectives of the study include tracing the origin and gradual development of this tradition in specific districts of West Bengal and Bangladesh. An attempt would be made to comprehend the transition that the content of these songs might have undergone and the present condition of performers of this tradition. The study would also include the challenges that performers face today and the reason for their global appeal.

Mr. Subrata Mandal

The Socio-Economic Political and Cultural Dynamics of the Indian OBC Community Past, Present and Future

The topic concerning the Other Backward Classes (OBCs) is a multi-dimensional one; to understand its many facets, a sound knowledge of history, sociology, political science, religion and law is essential. OBC or Other Backward Class is not a religion but a constitutionally approved class. It comprises of Hindu, Muslim, and other five to six thousand sorts of minority classes and subclasses. According to the Mandal Commission more than the half (52%) of the total population of India engulfs in it. In the Indian context, class being also a caste, the issues concerning OBCs spring from the Hindu caste system. So much has been written about this by scholars of eminence and historians, consensus among them being that it is a cruel social system, hard-hearted and baneful that could possibly be invented for demeaning the human race. Man born and brought up into a particular caste and upholds the same status in culture as a result they move out with the same familial profession in all the way of vocation and avocation. All this familial and occupational divisions are well fenced through a prolonged classification and stratification. The code of caste emerged in ancient India following the view of the god Krishna (Chatuvarna maya srstam guna-karma vibhagssha tasya -Geeta chapter 4 verse 13) based on the profession but by the course of time through Mediaeval to Modern era especially when it came across Mughal and British rule it totally lost its way and perverted to the interpretation of class conflict.

After the Muslim invasion, the Islam became a state religion. Based on the principle of social equality, Islam religion attracted the great mass of lower caste Hindus and shudras. But, regardless their conversion to Islam, the erstwhile lower caste shudras remained accursed by the social inequality and untouchability. Along with the descendants of Iran and Arab the converted upper caste Hindus occupied the highest position in the Islam social hierarchy and came to be known as "Asraf". It was followed by Atraf which cheifly constitutes of converted Shudras and Arzal which covers untouchables at the bottom.

The position in Christianity is no better. After the advent of British rule, many communities, high and low among Hindus, embraced Christianity. Upper caste Hindu converts enjoyed the benefits of lucrative jobs and important positions on the other hand the Sudras and Untouchables were exploited and couldn't escape social immobilities and tyranny of cast system. The plight of Hindu women was deplorable, especially of Sudras and Dalits. The people belonging to the lowest strata of society and labelled as sudras were deprived of all kind of social, political, cultural and economical rights and restrained one's mobility to break through one's current predicament. Various social reformers like Kavir, Guru Nanaka, Sri Chaytanya, Raja Ram Mohon Roy, Pundit Ishwarchandra Vidyasagr, Swami Vivekananda, Rabindranath Tagore, Yotiba Phule, Sabitri Bai Phule, Narayana Guru, E.V Ramaswami, Dr. B. R Ambedkar including the social reforming movement Buddhism battled against this evil caste system.

Socially oppressed men are still fighting through decades for justice, identity and to participate in national and political activities. This nationwide OBC movement has one drawback in its empowerment as It failed to build an inter cast unity among them. A neoupper class Sudra emerged due to economical prosperity from agricultural land. It led them break the barrier of superstation and made them free from hatred and exploitation. Taking advantage of this internal conflict, political leaders for the sake of their vote bank disintegrated their unity. Besides,

for the dominance of orthodox class in every field of politics, administration, judiciary and media this movement has gained a very little success. Their demand for right was prevalent throughout the country. The voices from north (Uttarpadesh, Bihar) south (Tamilnadu, Karnataka, Hydrabad and Telengana) east (West Bengal) and west (Gujarat) failed to bring any major change. (PS especially in west Bengal for the sake of vote bank Hindu OBC were deprived off the privilege of the reservation, in 2012 CM of WB Mamata Banerjee has passed OBC-A in Legislative Assembly, an act named West Bengal backward class reservation of vacancy in services and post act 2012. Among the 17% of total OBC reservation, OBC-A constitutes 10% and OBC-B constitutes 7%. Without conducting any proper survey 73 Muslim communities have been shortlisted from 81 communities in OBC-A and 45 Muslim communities were enlisted among 97communities in OBC-B. As per the recommendation of Mandal Commission in West Bengal only 69 caste among 150 Hindu caste have been covered under OBC reservation, a large number of Hindus have been still deprived of reservation and yet to include in it. On other hand, where Mandal commission had finalized only 12 Islamic caste where it illegally it extended to 118.

On 7th August 1990, the then Prime Minister V.P. Singh proclaimed that his government had decided to implement the Mondal Commision's recommendation of 27% reservation for OBC. This issue of OBC reservation gained a momentum again in 2014 during the government of Narendra Modi. This time not only the aforesaid reservation was preserved but also more benefits were added to the list. Prime Minister Narendra Modi caused the OBC community to merge with the main section of society.

1) For the first time in history, 27 cabinet ministers came from OBC community.

2) OBC community has been given the constitutional dignity.

3) A historical decision has been taken to make constitutional reservation for admission in Central schools, Navodaya schools and Army schools.

3) Rohini Commission has been built to identify the most backward class from the centrally listed OBC community.

4) The limit of creamy layer has been increased from ₹6 lakh to ₹8 lakh.

5) Ammending the Constitution the right has been given to the states to make OBC list.

6) During the financial year 2021-2022, Modi Government gave OBC 27% reservation and EWS 10% reservation for Medical entrance examination.

7) Modi government has especially emphasized on OBC community's education, health and skill development.

RESERCH ARTICLES ON WHICH THE INTERNAL RESEARCH ASSISTANTS OF MAKAIAS ARE WORKING

Ms. Madhumita Malakar

Review of Travelogues: Buddhism of Bengal province

India is a land of cultural diversity which has its own glorious past, and this feature itself has been passed down through the ages of prehistoric times to the present historical time with the same glory and prosperity. The travelogue takes a big part to describe the philosophical aspect of our society. In term of ancient text and travelogue, it's very interesting to find the roots of our society and its principal sources of thought which represents the socio-cultural and philosophical culture of our ancient society. Buddhism throughout India and especially in Bengal flourished largely due to royal patronage at different times by the reigning monarchs. To conclude the research and understanding of the expansion of Buddhism throughout the land of Bengal it is very essential to correlate the archaeological shreds of evidence with the text or literary sources which are available in the form of the travelogues of Hiuen Tsang, Fa-Hien, et sing, mainly foreign accounts and Rahul Sankritayan's Indian travel account. The proposed research will try to explain and elaborately illustrate the sites and their importance and correlation with adjoining travelogues as well as talk about the sanguine prospects of the glorious past of Buddhism in Bengal province. The end of this treatise and its correlation with archaeological evidence will help to prove the expansion of Buddhism in the province of Bengal.

Mr. Rebanta Gupta

Women Hindustani Classical Musicians in the Age of Recorded Music

The project aims to understand how women Hindustani Classical Musicians in the twentieth century and twenty-first century created an ontological space of their own in the phallocentric musical atmosphere of North India by analyzing performative/ biographical details of some select women musicians like Gauhar Jaan, Begum Akhtar, Kesarbai Kerkar, Kishori Amonkar, and Kaushiki Chakraborty to name a few. The project utilizes the literary trope of Virginia Woolf as expounded in her A Room of One's Own (1929) to spearhead the analysis. The project also attempts to find whether these musicians had been able to craft a specific musical language of their own, with its unique musical sensibilities and semantic registers.

Ms. Sahelee De

Material Culture and the Tribals: A Study on the Changing Status among the Santals in the District of Birbhum, West Bengal

Tribal society is normally conceptualized as clan-lineage based segmentary system characterized by mechanical solidarity. Beteille (1977), described the tribe as a society; further society based on kinship, where social stratification is absent. Broadly tribe is an aggregate of people sharing social values, common dialect, territory and culture. The ways of livelihood of Indian tribe are several and it is true that they cannot be exclusively placed in a particular typology in its strict sense. They use all available means to eke out its subsistence and make complex economy, though the tribesmen of India have their primary means of economy that grading from hunting and gathering stage to settled agricultural stage according to varied environmental circumstances of the country. Thus, over 8 percent of India's total population, the tribals have a variety in their culture, lifestyle and above all different customs and worldview of their own.

Today despite their adaptation and exposure to the culture of larger society, modernization, industrialization, they live in a world of dynamic isolation that helps them to maintain their distinct socio-cultural identity. The changing status of the material culture of the Santals is a significant aspect of modernization. Being the oldest ethnological section of the population, they still pursue their primitive way of living. If not the major, but most of the Santal communities automatically dived into the ever-changing modern society.

Mr. Sridam Mondal

Revisiting the Socio-Cultural History of the Portuguese and Dutch Architecture in Bengal

The present research proposal is an attempt to explore the architectural history related to Dutch settlement in Chinsurah region for the understanding of its secular and religious heritages. Apart from a brief historical discourse about the emergence of Dutch settlements along the bank of Hooghly in general and Chinsurah in particular, a careful perusal of documents of Dutch heritage remains will be carried out. The basic academic ambition of the study includes an analytical study of fundamental data and the interpretation of the same with a hope it will provide a coherent picture of the subject concerned. Historically, they received a legal decree from the count of Europe of Sahazahan. The document stated that "On the basis of the complaint lodged by the Dutch, the Subedar of Bengal is being directed to ensure that none can realize money beyond the range as declared by the old laws and none can apply any new law or method in this regard." Initially the Dutch Company first occupied Hooghly but due to the flood and other natural problems they shifted and made the new trading center at Chinsurah approximately in 1656 A.D. In the subsequent year the Dutch company negotiated with Nawab of Bengal. This long history is beyond our purview. August 1759 marked the arrival a Dutch ship carrying a few Dutch and European troops and the teacel was going on between British India Company and Dutch traders. Finally, Chinsurah was restored to the Dutch once again in 1783. It is worth maintaining that from the time trade and concern became an active part of Bengal particularly in Chinsurah and a few more places. Many of the Dutch traders spoke in favor of the local economy. Mughal art administration or Nawab of Bengal was involved in conspiracy with the British traders, it was the Dutch who gave their opinion in favor of the local economy and thought in terms of doing local development.

The present work is essentially to explore the Dutch heritage remains in the said area. Tentatively the present work will concentrate on the evidence of Dutch East India Company and Factory, Old Barracks (in an around Chinsurah Court), the governor residence, General Perron's House (Now Hooghly Mohsin College), Church, Cemetery and other miscellaneous remains. The presence of Dutch settlement along the Ganga or Hooghly has promoted the description of Bengal in the 17-19 centuries. For Dutch traders who had been settling in Bengal since 1607. Physically the Bengal delta attracted the early Europeans and assumed that the region was most profitable for long term trade and commerce. The beginning of Dutch settlement could be recorded in and around Chinsurah, about 50k.m. from Kolkata on the bank of the river Hooghly. The historical legacy of the vibrant Dutch presence in Chinsurah is today visible in the form of Sturdy Fortresses, Beautiful Tombs, Grant Country Houses, Silent Factories, Sprawling Cemetery and other remaining Bricks Stone and Plaster. Literary and Archeological Sources give us enormous scope of Research.

Annual Report for the year 2022-23

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS), an autonomous organization under the Ministry of Culture, Government of India is a centre for research and learning with focus on life and the works of Maulana Abul Kalam Azad and on modern and contemporary affairs in South Asia, Central Asia, Eurasia and West Asia.

MAKAIAS was set up as a research institute which would seek to study Society and Culture, scientific rationality and the broad field of Asian relations. More specifically the Institute was established with the objective of carrying out research with focus on social, cultural, economic and political/ administrative developments in Asia from the middle of the 19th Century with special emphasis on their links with India and the life and works of Maulana Azad.

Under the North East India Research Programme, the socio-cultural aspects of the NEIR are being focused through organization of seminars/symposium/workshops in collaboration with the Universities/ Institutions of the North-Eastern states.

The Major Activities / Achievements of MAKAIAS :

- Activities of the Maulana Azad Museum.
- Research Projects/ Academic Programmes.
- Publication of Books/ Newsletters/ Occasional Papers.
- Seminars/ Symposiums/ Workshops on **Asia Related** topics.
- Seminars/ Symposiums/ Workshops on the theme of **Azadi Ka Amrit Mahotsav** (AKAM)
- Seminars/ Symposiums/ Workshops on India's G20 Presidency
- Observance of National Events/ Anniversaries of National Celebrities/ Campaigns/ Missions of Government of India.

ACTIVITIES OF MAKAIAS

APRIL, 2022

To commemorate the 137th birth anniversary of noted archaeologist, novelist & museum expert Rakhaldas Banerji, an unsung hero of India; whose discoveries led to excavations at the sites of Mohenjo-Daro & Harappa, that established the existence of the then-unknown Bronze Age Indus Valley Civilisation; MAKAIAS organized a National Seminar on **12th April, 2022.** The topic of the seminar was ***"Rakhal Das Banerji: His Contributions to Indian History and Culture".*** Speaker of the seminar was Dr. Shubha Majumder, Superintendent Archeologist, Kolkata Circle of Archeological Survey of India. Hon'bleDirector of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh has chaired the

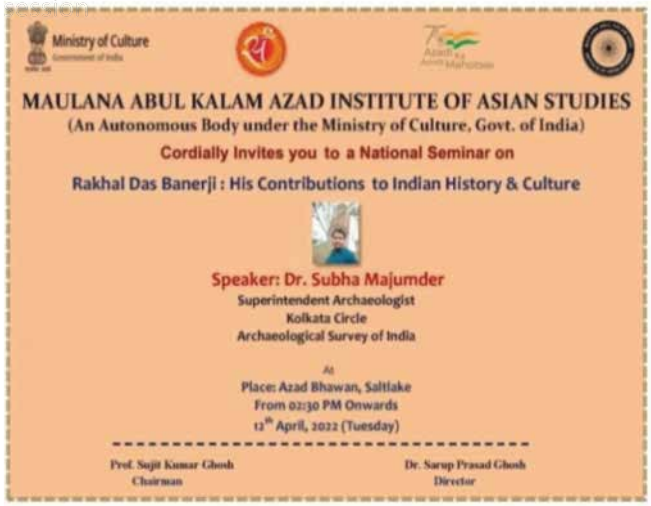

Guest Speaker was felicitated by Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh

Hon'ble Director of MAKAIAS, Dr. Sarup Prasad Ghosh while addressing the session

On 18thApril, 2022, MAKAIAS celebrated the ***"World Heritage Day"*** through an In-House Lecture Series on India's Rich Cultural Heritage. All the Research Fellows, Research Assistants, and Interns of the Institute participated and presented their papers in this in-house lecture series. The following MAKAIAS fellows had presented their papers on different topics.

Bedabrata Bhadury presented a paper on *"Digitizing Cultural Heritage of India"* while Arka Chowdhury presented his paper on the topic *"Military Heritage of Modern India"*Jay Prakash Gupta explored the *"Employment Opportunity and Its Relation with Heritage Management".* Subrata Mandal presented a paper on *"Natural Heritage Site (Adiganga): Bandel to Gangasagar".* Mintu Barua presented his paper on the topic *"Construction, Deconstruction & Reconstruction of Indian Cultural Heritage".* Dr. Raju Sarkar has presented on *"Importance of World Heritage Day in India"* and Dr. Farheena Rahman presented a paper on *"Majuli: A Strong Contender for UNESCO World Heritage Site".*

The following Research Assistants of the Institute presented their papers on the respective topics.

Pulkit Buttan has presented his paper on the topic *"Victorian Gothic & Art Deco Ensembles of Mumbai"*. Madhumita Malakar presented her paper on *"The Grand Heritage of Sivsagarh".* Sahelee De presented a

paper on *"A Study of Ramappa Temple"*. Rebanta Gupta has presented his paper on the topic *"A Carriage in the Mist: An Overview of the Darjeeling Himalayan Railways"*. Sridam Mondal presented a paper on *"The Tomb of Susanna Anna Maria at Hooghly: A Brief Study"*.

The following Interns of the Institute have presented their papers on the respective topics. Sweta Gupta presented on the topic *"On the Mangrove Margin: A Discussion on the Sundarban National Park"* while Madhurima Baghchi presented *on "Exploring the Ruins of Dholavira: The Newly Added World Heritage Site"*. Jui Paul has presented on *"The Multireligious Caves: A Study on the Ellora Cave Temple"*. Anindita Saha presented her paper on *"Where Every Step Tells a Story: Revisiting Rani ki Vav"* and Dibya Banerjee has presented on *"Intangible Cultural Heritage: An Analysis"*.

The session was chaired by Hon'ble Director of MAKAIAS, Dr. Sarup Prasad Ghosh. He delivered the concluding remarks and vote of thanks. The session ended with the National Anthem.

Group photo with Hon'ble Director of MAKAIAS, Dr. Sarup Prasad Ghosh

Arka Chowdhury, MAKAIAS Fellow, delivering his lecture

MAKAIAS organized an In-House Lecture Session **on 25th April of 2022** under the MAKAIAS initiative of 'Asia Centric Lecture Programmes' on the topic ***"Indo-Korean Relations"*.** The MAKAIAS Fellows presented their papers in this seminar. The speakers of this session were Bedabrata Bhadury who presented on the topic *"Economic Linkages between India & Korea: A Broad Outlook"*. Arka Chowdhury presented a paper on *"Examining Indo- South Korean Relations from the Perspective of Bilateral Defence Co-operation"*. Jay Prakash Gupta presented on *"Exploring India- South Korea: The Time of Hyecho and Present"* while Subrata Mandal has presented on *"The Trade and Economic Relations between India and Republic of Korea"*. Mintu Barua spoke on the topic *"Security Politics in the Indo-Pacific & India -South Korea Relations"*. Dr. Kanu Halder presented on *"India-Korea: Cross Cultural Similarities"*. Dr. Raju Sarkar delivered his lecture on *"India -South Korea Relations: Demographic, Socio-Economic &Strategic Dimensions"*. Dr. Farheena Rahman presented her paper on *"Cultural Interactions between India & Korea: A Study of Influences of Buddhism on Korea"*. Amit Barman talked on *"Influence of Korean Culture in North-East India"*. The session was chaired by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS. He delivered the concluding remarks and vote of thanks. Azad Fellow of MAKAIAS Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay also addressed the session. The session ended with the National Anthem.

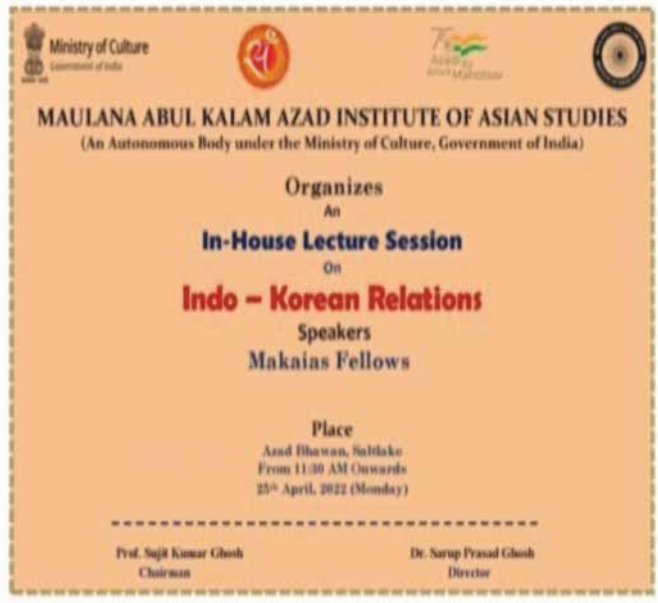

Ministry of Culture

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Organizes

An

In-House Lecture Session

On

Indo – Korean Relations

Speakers

Makaias Fellows

Place

Azad Bhawan, Saltlake

From 11:30 AM Onwards

25th April, 2022 (Monday)

Prof. Sujit Kumar Ghosh
Chairman

Dr. Sarup Prasad Ghosh
Director

A group photo of the seminar taken with Hon'ble Director of MAKAIAS, Dr.Sarup Prasad Ghosh and Hon'ble Azad Fellow of MAKAIAS Prof. Rupendra Kr. Chattopadhyay

Hon'bleAzad Fellow of MAKAIAS Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay addressing the session.

Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Minister of State, Department of Education of Government of India visited Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS) on **28th April 2022**. He was greeted by Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh. He visited the library of this Institute and interacted with the library and other staff members.

Hon'ble Minister of State, Department of Education of Government of India, Dr. Subhas Sarkar is received by the Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh.

Hon'bleMinister of State, Department of Education of Government of India, Dr. Subhas Sarkar is felicitated by the Director of MAKAIAS, Dr. Sarup Prasad Ghosh.

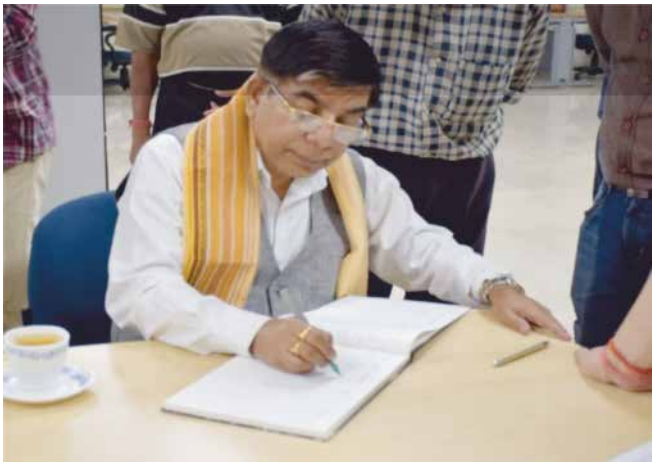

Hon'ble Minister of State, Department of Education of Government of India, Dr. Subhas Sarkar signs in the Visitor's Register of the MAKAIAS Library.

On 27th and 28th April 2022, MAKAIAS organized a Two Day International Conference in collaboration with Post-Graduate Department of History Cum research Cell, Ramashray Baleswar College, Dalsingsarai, Samastipur, Bihar, on the topic ***"Spread of Indian Religion and Science in Asia: Through the Ages".*** Resource Persons of this seminar were Dr. Rajkishor, Assistant Professor, PG Department of History, R.B. College, Dalsingsarai, Mr. Anup Kumar, Assistant Professor, PG Department of History, R.B. College, Dalsingsarai, Professor Sanjay Jha, Principal-cum-Convener, R.B. College, Dalsingsarai.

MAY 2022

On **2nd May 2022,** MAKAIAS organized an In-House Lecture Session on ***"Indo-Japanese Relations"***. Papers were presented by the MAKAIAS Fellows and Research Assistants. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, chaired the session. Following MAKAIAS Fellows and Research Assistants presented their Papers on respective topics in the in-house seminar.

Elloit Cardozo - I'm Odia Jap': Rapper Big Deal's Negotiations of an Indo-Japanese Identity

Arka Chowdhury- Cyber-Security, Defense & Indo -Japan Collaboration

Jay Prakash Gupta - Cultural Similarities between India and Japan

Bedabrata Bhadury - Evolving Relationship between India -Japan: An Economic Viewpoint

Dr. Kanu Halder -.Rabindra Nath Tagore & Japan

Dr. Raju Sarkar- Indo Japan Relations in the 21st Century: Economic, Strategy & Security Co-Operation

Mintu Barua- India-Japan Relations and QUAD

Amit Barman- India's Relations with Japan with Special Reference to Netaji

Sayanti Ganguly- Growing Influence of Japanese Cuisine in India

Dr. Farheena Rahman- India's Development Partnership with Japan: Sustainable Development with Special Reference to the North Eastern Region of India

Subrata Mandal- The Impact of Globalization on Socio-Economic Situation of Japan & India

Madhumita Malakar - Indo-Japan Relations through Buddhism: Special Reference to Buddhist Architecture

Rebanta Gupta- The Celluloid Bridge: Cinematic Transactions between India & Japan

Pulkit Buttan- Indian Diaspora in Japan

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS, chaired the session.

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS addressing the seminar.

Group photo taken after the seminar

Elloit Cardozo, MAKAIAS Fellow presenting his paper on Indo-Japan Relations.

Madhumita Malakar, Research assistant presenting her paper on Indo-Japan Relations

On 9th May 2022, MAKAIAS organized an In-House Lecture Session on **"Rabindranath Tagore and Indian Freedom Movement"**. Papers were presented by the MAKAIAS Fellows and Research Assistants. It was followed by a cultural programme, participated by the MAKAIAS Fellows, Research Assistants, and Interns. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, chaired the session.

MAKAIAS Fellows, Research Assistants, and Interns presented on the following topics:

Bedabrata Bhadury- A brief discourse on Tagore and Swadeshi - an Economic Perspective

Arka Chowdhury - Rabindranath, Nationalism and the Crisis of Civilization

Dr. Kanu Halder - Bigyan Chetonar Aloke Rabindranath

Jay Prakash Gupta-Rabindranath and Indian Nationalism

Amit Barman-Rabindranath Tagore and his relation with Assam & Tripura

Dr. Farheena Rahman - Rabindranath Tagore and North-East India Connections: A Study with Special Reference to his Shillong Sojourn

Sayanti Ganguly-Deliberation between Gandhi and Tagore

Dr. Raju Sarkar - Contribution of Rabindranath Tagore on Indian Education System: A Special Focus on Women Empowerment

MintuBarua-Rabindranath Tagoreand Internationalism

Subrata Mandal-Rabindranath Tagore's Concept on Agriculture

Rebanta Gupta- Revisiting the Musical Landscape of the Azad Hind: An Analysis of Jana Gana Mana and Subh Sukh Chain

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS, chaired the session.

Dr. Sarup Prasad Ghosh and Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay are lighting the lamp during the inaugural session

Group picture taken after the Lecture session

MAKAIAS organized a Five Day Orientation Programme for MAKAIAS Fellows, Research Assistants and Interns from **17th May 2022 to 21st May 2022.**

May 17th, 2022: Academic Session I: Professor Sujit K. Ghosh, Hon'ble Chairman, MAKAIAS, delivered the Inaugural Address. Professor K.C. Baral, Hon'ble Vice-Chairman, MAKAIAS, introduced the theme of the Orientation Programme. Professor IS Chauhan, Former Vice-Chancellor, Barkatullah University, Bhopal, and Former High Commissioner to Fiji, delivered the address as the Chief Guest. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks.

Academic Session II: Professor K.C. Baral, Hon'ble Vice-Chairman, MAKAIAS, delivered a lecture on Indian Knowledge System: A Critical Inquiry. Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, and Former Vivekananada Chair Professor of Social Sciences, University of Calcutta, delivered the concluding note.

Academic Session III: Developing People-to-People contact through the Intercultural Negotiation, presented by MAKAIAS Fellows. Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, chaired the session.

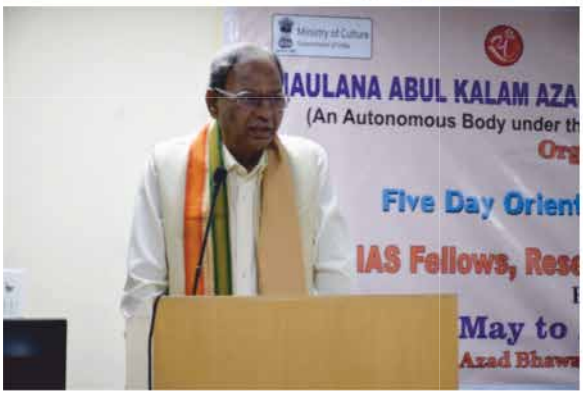

Glimpses of the academic sessions for Day 1 of the Orientation Programme organized by MAKAIAS

May 18th, 2022: Academic Session IV: Professor K.C. Baral, Hon'ble Vice-Chairman, MAKAIAS, delivered a lecture on Discipline, Inter-discipline, and Discursive Formulation. Concluding Note was delivered by Professor IS Chauhan, Former Vice-Chancellor, Barkatullah University, Bhopal, and Former High Commissioner to Fiji, who chaired the session.

Academic Session V: Professor IS Chauhan, Former Vice-Chancellor, Barkatullah University, Bhopal, and Former High Commissioner to Fiji, delivered lecture on Research Grant Prospects: Issues and Challenges for a Successful Proposal. Concluding Note was delivered by Dr. Amalendu Bhattacharjee, Eminent Archivist, who chaired the session.

Academic Session VI: Developing People-to-People contact through the Intercultural Negotiation, presented by the Research Assistants of MAKAIAS. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, chaired the session.

Glimpses of the Academic sessions during Day 2 of the orientation Programme organized by MAKAIAS

May 19th, 2022: Academic Session VII: Professor Smritikumar Sarkar, Former Vice-Chancellor, University of Burdwan, delivered lecture on Looking Beyond the Archives: Mapping the History on the Basis of Empirical Studies. Concluding Note was delivered by Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, who chaired the session.

Academic Session VIII: Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, delivered lecture on Theoretical Perspectives in Research Methodology. Concluding Note was delivered by Professor K.S. Chakraborty, former Senior Regional Director, IGNOU, who chaired the session.

Academic Session IX: Developing People-to-People contact through the Intercultural Negotiation, presented by the Interns of MAKAIAS. Dr. Abir Kumar Gorai, Academic and Museum Consultant, MAKAIAS, chaired the session.

Glimpses of the Academic sessions during Day 3 of the Orientation programme organized by MAKAIAS

Sahelee De (up) and Rebanta Gupta (down) Research Assistants of MAKAIAS, singing Rabindra Sangeet on the academic session "Developing People-to-People Contact through the Intercultural Negotiation"

May 20th, 2022: Academic Session X:Professor S Victor Babu, Dean, School of Social Sciences, and Registrar, Babasaheb Ambedkar Central University, Lucknow, delivered lecture on How to Develop Research Ideas and Research Topics and What Do We Understand by Research Variables. Concluding Note was delivered by Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, who chaired the session.

Academic Session XI: Professor Subires Bhattacharyya, Vice-Chancellor, University of North Bengal, delivered lecture on Understanding the Human Values and its Impact on Social and Cultural Aspects. Concluding Note was delivered by Dr. Amalendu Bhattacharjee, Eminent Archivist, who chaired the session.

Academic Session XII: Developing People-to-People contact through the Intercultural Negotiation, presented by Sanskar Bharati. Dr. Abir Kumar Gorai, Academic and Museum Consultant, MAKAIAS, chaired the session.

Glimpses of the cultural programme during Day 4 of the Orientation program organized by MAKAIAS

May 21st, 2022: Academic Session XIII: Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, delivered the Valedictory Address. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks.

Dr. Sarup Prasad Ghosh delivering the Valedictory address

Group picture taken after the final day of the Five Days Orientation Programme.

On 31st May 2022, MAKAIAS organized a One Day Lecture Session titled ***"Remembering Sir Jadunath Sarkar: A Legendary Personality amongst Historians"***. Papers were presented by the MAKAIAS Fellows and Research Assistants. Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, chaired the session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, introduced the theme and delivered the Vote of Thanks. The speakers of this session and their respective topics were-

Bedabrata Bhadury - "Sir Jadunath Sarkar's Idea on British Indian Economy - A Retrospective Discussion",

Dr. Kanu Halder - "Sir Jadunath Sarkar's Contribution to Indian History"

Dr. Raju Sarkar - "Historical Analysis of Sir Jadunath Sarkar on Mughal India"

Jay Prakash Gupta - "Sir Jadunath Sarkar: Introduction and His Contribution"

Dr. Farheena Rahman -Understanding India's unique and indelible culture through Sir Jadunath Sarkar's "India through the Ages"

Arka Chowdhury - "Sir Jadunath Sarkar: A Pioneer of Indian Military History"

Mintu Barua - "The Transformation of Indian Currency System: From the Perspective of Sir Jadunath Sarkar".

L. Dipika Singha - "A Historical Account of Art in Muslim India by Sir Jadunath Sarkar"

Sayanti Ganguly - "Transformation of Bengal under Mughal Rule"

And Subrata Mandal - "Sir Jadunath Sarkar- A Tireless Researcher in the Renaissance of Indian History

Floral tribute being paid to Sir Jadunath Sarkar during the inaugural session

MAKAIAS Fellow Arka Chowdhury during his lecture Sir Jadunath Sarkar

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS during introducing the theme of the seminar

MAKAIAS Fellow Mintu Barua delivering his Lecture on Sir Jadunath Sarkar

JUNE 2022

On 8th June 2022, MAKAIAS organized an In-House Lecture Session, titled ***"Asian Security Concerns in the Post-Cold War Era: Indo-QUAD Relations in Contemporary Perspective"***. Papers were presented by the MAKAIAS Fellows. The following papers were presented by the MAKAIAS Fellows:

Dr. Raju Sarkar- QUAD's Importance for Indian the Twenty-First Century: Opportunities and Challenges

Jay Prakash Gupta-The Quad and its Strategic Importance to India

Arka Chowdhury-Rise of a New India: Evolution of Indian Foreign Policy from NAM to QUAD

Bedabrata Bhadury-India-USA Economic Connections in the Light of QUAD in Coming Days: A Projection

Sayanti Ganguly-The QUAD and Environmental Crisis

Mintu Barua-Can the QUAD be Turned Into the Asian Version of NATO?

L. Dipika Singha-India-Japan Ties and its Implications on QUAD

Dr. Farheena Rahman-Indo-Pacific Economic Framework (IPEF): An Opportunity of Trade and Growth for India

Dr. Kanu Halder-QUAD: Objectives, Principles, Significance, and India's Interests

Subrata Mondal- Exploring the Changing Dynamics in Australia-China Relations in the Light of QUAD

Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, chaired the session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks.

Hon'ble Azad Fellow Prof. R. K.Chattopadhyay delivering the Chairperson's remarks

Group picture taken after the Lecture session

MAKAIAS Fellow Dr. Farheena Rahman during her presentation in the seminar

MAKAIAS Fellow Dr. Raju Sarkar while delivering his lecture in the seminar

MAKAIAS organized a Two Day International Seminar on ***"Relevance of the Universal Mission of the Bengali Renaissance for a Sustainable Future for India and the World"*** in collaboration with the Kolkata Society for Asian Studies (KSAS) and Anthropological Survey of India on **10th and 11th June 2022.**

Distinguished Resource Persons of the seminar were Dr. Satyabrata Chakraborty, Secretary, Asiatic Society, Kolkata; Dr. Shambhu Nath, Professor Hitendra Patel, Rabindra Bharati University Professor Ram Ahlad Chowdhury,University of Calcutta, Ravi Pandit, Aditya Kumar Giri, Dr. Sanjay Jaisawal, Vidyasagar University

Some glimpses of the Two Day International Seminar organized by MAKAIAS in collaboration with Kolkata Society for Asian Studies (KSAS) and Anthropological Survey of India

On 13th June 2022, MAKAIAS. organized an In-House Lecture Session, titled ***"Azadi Ka Amrit Mahotsav: Remembering Unsung Heroes of India".*** Papers were presented by the MAKAIAS Fellows, Research Assistants, and Interns. The following papers were presented:

Pulkit Buttan- Industry and Indianhood: The Story of J.R.D. Tata

Sahelee De- India's Conscience Keeper: Remembering C. Rajagopalachari

Madhumita Malakar- Rammohan and Debendranath: Early History of the Brahmo Samaj

Rebanta Gupta- Chasing the Cosmos: Dr. Vikram Sarabhai and the Story of ISRO

Arka Chowdhury- A Forgotten Event of Agniyuga: The Rodda Arms Heist of 1914

Dr. Kanu Halder- Bina Das: Forgotten Daughter of Bengal

Subrata Mondal-The Firebird of Bengal: The Life and Times of Ullaskar Dutta

Sridam Mandal- Jatindra Nath Das: Brave Soldier of Bengal

Saptarshi Ghosh-Khudiram Bose: Inside the Mind of a Young Rebel against the Empire

Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, chaired the session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks.

MAKAIAS Fellow Dr. Kanu Halder delivering his speech

Pulkit Buttan, Research Assistant of MAKAIAS during his deliberation

MAKAIAS Fellow Subrata Mondal during his presentation

Group picture taken after the Lecture session

On 13th and 14th June, 2022, MAKAIAS organized a Two Day National Seminar on ***"Identity Assertions and the Context of Conflicts in South-East Asia"*** in collaboration with the Department of English, M.C, College, Barpeta, Assam.

Glimpses of the Two Day National Seminar organized in collaboration with the Department of English, M.C, College, Barpeta, Assam

On 20th June 2022, MAKAIAS organized an In-House Lecture Session, titled ***"Dr. Syama Prasad Mookerjee: His Multifaceted Contributions in Indian Nation Building".*** Papers were presented by the MAKAIAS Fellows and Research Assistants. The two inaugural lectures were delivered by Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, and Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS. Professor Chattopadhyay delivered a lecture titled The Role of Syama Prasad Mookerjee as the Vice-Chancellor of University of Calcutta. Dr. Ghosh delivered a lecture titled The Mookerjee Doctrine: Its Relevance in the Postmodern Age. Besides, the following papers were presented by the MAKAIAS Fellows and Research Assistants:

Mintu Barua- Syama Prasad Mookerjee's Critical View on Indian Foreign Policy

Arka Chowdhury- Contributions of Syama Prasad Mookerjee in Indian Education

Jay Prakash Gupta- Dr. Syama Prasad Mookerjee's Vision on Education and Culture

Dr. Kanu Halder- Syama Prasad Mookerjee's View on Bengal Partition

Amit Barman- Role of Dr. Syama Prasad Mookerjee in the Refugee Issue (in the Eastern Region of India)

Barnali Sarma- Dr. Syama Prasad Mookerjee and India's Unbroken Cultural Heritage

Dr. Farheena Rahman- Dr. Syama Prasad Mookerjee and 1946 Cabinet Mission to India's Grouping Plan

Sayanti Ganguly- Syama Prasad Mookerjee's Views on Science and Technology

Bedabrata Bhadury- Role of Syama Prasad Mookerjee in Ushering Economic Development as the First Minister of Industry and Supply of Independent India

Pulkit Buttan- Syama Prasad Mukherjee and the Refugee Problem in the Western Part of India

Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, chaired the session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks.

Floral tribute to Dr. Syama Prasad Mookerjee at the beginning of the Lecture session

MAKAIAS Fellow Sayanti Ganguly during her lecture

MAKAIAS Fellow Barnali Sarma delivering her lecture

On 21st June 2022, MAKAIAS organized a One Day Lecture Session on the occasion of International Day of Yoga, the theme was ***"Yoga for Humanity"***. The session was divided into three parts. In the first academic session, Swami Kamalasthananda, Hon'ble Principal, Ramakrishna Mission Vivekananda Centenary College, Rahara, delivered a lecture titled Yoga: A Journey Towards Spirituality. Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, chaired the session.

In the second academic session, Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, delivered a lecture titled Sri Aurobindo: Integral Yoga. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks. In the third academic session, MAKAIAS Fellows presented papers on the concerned theme. The following papers were presented:

Bedabrata Bhadury- Tradition of Yoga: From Ancient to Modern Times and Its Part in Expanding the Gateway for Cultural Diplomacy for India to the World

Dr. Farheena Rahman- Yoga for Humanity

Jay Prakash Gupta- History of International Yoga

Amit Barman- Yoga on Physical and Mental Well-Being: A Brief Discussion

The session was chaired by Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, who delivered the concluding remarks. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks.

Guest Speaker Sri Swamiji being felicitated by Hon'ble Director, Dr. Sarup Prasad Ghosh

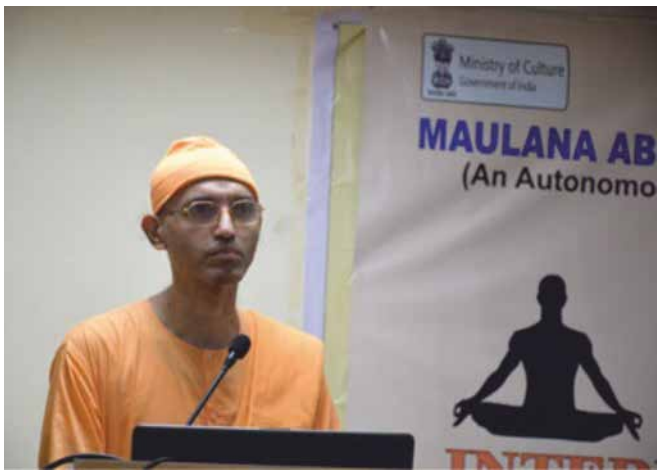

Swami Kamalasthanandaji during his speech

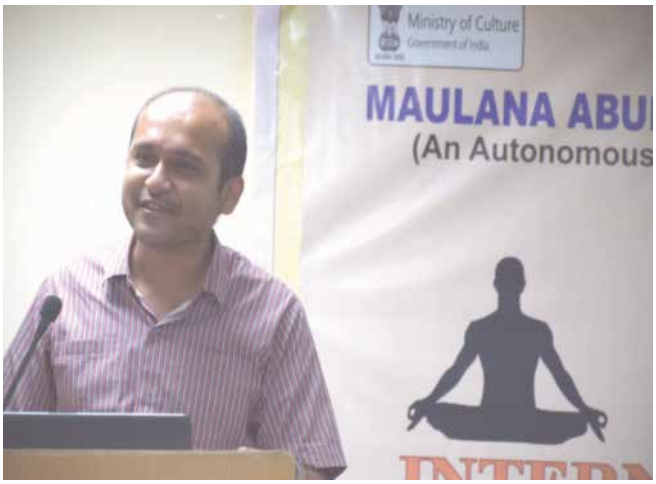

MAKAIAS Fellow Bedabrata Bhadury speaking on yoga in the seminar

Hon'ble Director, Dr. Sarup Prasad Ghosh delivering the vote of thanks

On 23rd June 2022, MAKAIAS organized a cultural programme titled ***"Cultural Exposition: Enhancing People-to-People Contact-A Musical Rendezvous"*** with Dr. Lovely Sharma.

Resource Persons was Professor (Dr.) Lovely Sharma, Ex-Vice Chancellor, Raja Man Singh Tomar Music &Arts University, Gwalior, Madhya Pradesh, the reputed sitar exponent. She gave a sitar recital before the audiences. Sri Subhadrakalyan accompanied her on tabla. The theme of the programme was introduced by Professor Sujit K Ghosh, Hon'ble Chairman, MAKAIAS. The Vote of Thanks was delivered by Dr.Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS.

Professor (Dr.) Lovely Sharma during her performance

Group picture along with the resource persons taken after the programme

Prof. Sujit K. Ghosh, Chairman, MAKAIAS, Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director MAKAIAS and Prof. Rupendra Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS during the cultural performance

On 27th of June 2022, Shri Sanjay Bhattacharyya, IFS, H.E. Ambassador of India to Switzerland visited MAKAIAS, Kolkata. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS greeted him and shared views on different issues. He also visited the Library at MAKAIAS

Shri Sanjay Bhattacharyya, IFS, H.E. Ambassador of India to Switzerland was greeted by Hon'ble Director, MAKAIAS, Dr. Sarup Prasad Ghosh

H.E. Ambassador of India to Switzerland also visited the Sister Nivedita Library at MAKAIAS

JULY, 2022

On July 1st, 2022 MAKAIAS organized an In-House Lecture Session on the theme ***Indo-SAARC Relations***. Papers were presented by the MAKAIAS Fellows. The session was chaired by Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow of MAKAIAS. The following papers were presented:

L. Dipika Singha- Exploring the Ancient Trade Linkage between Sri Lanka and Tamil Nadu

Subrata Mandal- Transition of India-Afghanistan's Ancient Relationship against the Backdrop of Taliban Insurgency-A Brief Study

Sayanti Ganguly- Buddhism: A Unifying Force between India and Bhutan

Dr. Kanu Halder- Sri Lanka's Present Economic Crisis and India's Position

Barnali Sarma- India-Nepal Cooperation in the Areas of Connectivity and Developmental Partnership

Mintu Barua- Understanding the Strategic Dimensions of China's Debt-Trap Diplomacy: The Case Study of Sri Lanka's Hambantola Port

Dr. Farheena Rahman- A Study of the Economic Consequences of Illegal Migration to Assam from Bangladesh

Arka Chowdhury- Revisiting the Great Game: Afghanistan and British-Indian

Security in the 19th Century

Amit Barman- India's Relation with Bangladesh in the Context of Act East Policy

Jay Prakash Gupta- Indo-Nepal Relations and Madhesis Issues

Bedabrata Bhadury- A History of India-Pakistan Cricketing Relations and Its Catalytic Role in Promoting Soft Diplomacy

Concluding remarks were delivered by Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow of MAKAIAS.

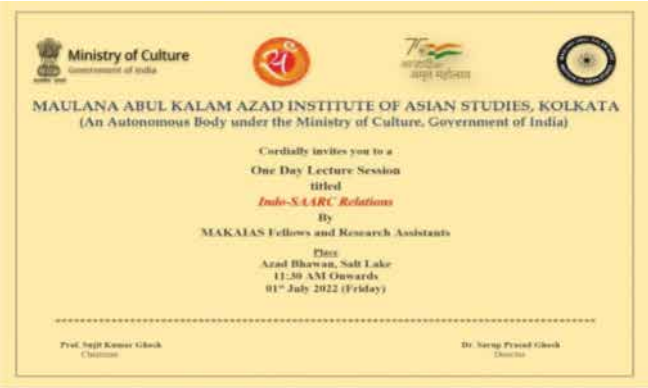
Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Cordially invites you to a
One Day Lecture Session
titled
Indo-SAARC Relations
By
MAKAIAS Fellows and Research Assistants

Date
Azad Bhawan, Salt Lake
11:30 AM Onwards
01st July 2022 (Friday)

Prof. Sujit Kumar Ghosh
Chairman

Dr. Sarup Prasad Ghosh
Director

Group picture taken after the seminar

Prof. Chattopadhyay chairing the session

MAKAIAS organized an In-House Lecture Session on **July 6th 2022** on the topic ***"Dr. Syama Prasad Mookerjee: Blending the East and the West"*** where papers were presented by the Hon'ble Azad Fellow of MAKAIAS, Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay and the MAKAIAS Fellows. The seminar was divided into three academic sessions. Each session was followed by

an interactive session. In the first academic session, Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS, delivered a lecture titled "Dr. Syama Prasad Mookerjee and Indian Education System". Arka Chowdhury, MAKAIAS Fellow, delivered a lecture titled Unveiling Dr. Syama Prasad Mookerjee's Utilitarian Realism. In the second academic session, an interactive session on the life and works of Dr. Syama Prasad Mookerjee was conducted in the presence of Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay and Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS. In the third academic session, a documentary on Dr. Syama Prasad Mookerjee, produced by Prasar Bharati, was screened. The sessions were chaired by Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh.

Hon'bleDirector of MAKAIAS offering floral tribute to the picture of Dr. Syama Prasad Mookerjee

Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS, delivering his Lecture

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'able Director, MAKAIAS delivering the Chairperson's remark

MAKAIAS Fellow L. Dipika Singha Sharing her views while anchoring the session

MAKAIAS Fellow Arka Chowdhury during his deliberation

On 11th July 2022, a review meeting was convened by Shri G. Kishan Reddy, Hon'ble Minister of Culture, Government of India with the Ministry of Culture Organizations at Kolkata on at the J W Marriott Hotel, Kolkata. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered the presentation of MAKAIAS before the Hon'ble Minister for Culture

Hon'ble Minister of Culture, Government of India Shri G. Kishan Reddy was felicitated by Director of MAKAIAS Dr. Sarup P. Ghosh

Shri G. Kishan Reddy, Hon'ble Minister of Culture, Government of India during his speech

Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad. Ghosh presenting before Hon'ble Minister of Culture, Government of India Shri G. Kishan Reddy

A workshop was organized by MAKAIAS on **14th** and **15th July** on the topic ***"Statistical Package for Social Sciences (SPSS)"*** for MAKAIAS Fellows, Research Assistants, and Interns of MAKAIAS. Resource Person of this workshop was Dr. Rahul Kumar Ghosh, Assistant Professor, Maulana Abul Kalam Azad University of Technology. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS, delivered the vote of thanks at this end of the two-day workshop.

The Resource Person being felicitated by Hon'ble Director of MAKAIAS, Dr. Sarup P. Ghosh

Internal fellows of MAKAIAS participating in the workshop

MAKAIAS organized a seminar titled ***"Remembering the Horror Days of Partition of India (observance of the occasion of Vibhajan Vibhishika)"*** in collaboration with Shodh **on 21st July 2022.**

Resource Persons of this seminar were Professor Achintya Biswas, Former-Vice Chancellor, University of Gour Banga and Professor Manoranjan Joddar, Department of History, Bangabasi College, Kolkata. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS,

introduced the theme of the seminar and delivered the vote of thanks.

On 29th, 30th, and **31stJuly, 2022** MAKAIAS organized a Three Day National Seminar titled **"Swadhinata, Deshbhag, ebong Uttar-Purba Bharat"** in collaboration with Barak Upotyoka Bongo Sahityo o Sanskriti Sammelan, at Bipin Chandra Pal Smriti Bhawan, Mission Road, Karimgunj, Assam. Resource Persons of this seminar were Prof. Joyati Bhattacharya, Assam University, Silchar, Dr. Anindita Ghoshal, Diamond Harbour Women University, West Bengal, Dr. Prasun Barman, Cotton University and Dr. Binayak Dutta from NEHU. Prof. Samir Kumar Das of Calcutta University gave the keynote speech

AUGUST 2022

On 5th August 2022, MAKAIAS organized a One Day Lecture Session titled ***"Indo-Thai Relations"***, participated by the MAKAIAS Fellows. The following papers were presented:

Dr. Raju Sarkar- India-Thai Socio Economic Relations: An Overview

L. Dipika Singha- Cultural Connections between the Thais and the Tai Phake Community of Northeast India

Dr. Farheena Rahman- Role of Indian Diaspora in Indo-Thai Relations

Mintu Barua- Understanding the Geo-Politics of Kra Isthmus Canal

Sayanti Ganguly- Influence of Ramayana in Thailand's Cultural Heritage.

Jay Prakash Gupta- आसियान के संदर्भ में - भारत-थाई लैंड संबंध

Amit Barman- Problems and Prospects of Indo-Thai Relation with special reference to North East India

Bedabrata Bhadury- Revisiting the State of Indian Economy on the Backdrop Asian Financial Crisis of 1997-98 -Its Effect on Indo-Thai Relations

Barnali Sarma- India-Thailand Bilateral Relations from the Perspective of an Emerging Security Partnership

Subrata Mandal- Rabindranath Tagore's Contributions to Thailand and the World

Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS, chaired the session and delivered the Vote of Thanks

MAKAIAS Fellow Amit Barman during his presenation in the seminar

MAKAIAS Fellow Jay Prakash Gupta during his presentation

Dr. Kanu Halder, a MAKAIAS Fellow, delivered a lecture titled ***"The Namasudra Community of Bengal: Their Relevance and Responsibilities during the Covid-19 Pandemic"*** **on 10th August 2022** at Azad Bhawan, MAKAIAS. Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'bleAzad Fellow of MAKAIAS, chaired the session and delivered the Vote of Thanks.

On the occasion of celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav MAKAIAS organized a Two Day National Level collaborative Seminar on **13th and 14th August, 2022 on *"Revisiting the Intellectual History of India's Struggle for Independence: Decoding the Debates and Discourses Emphasizing the Importance of Thoughts and Actions"*** in collaboration with the Department of Education, St. Xavier's College, Kolkata.

Resource Persons of this national seminar were Dr. Sujata Mukherjee, Retired Professor, Department of History, Rabindra Bharati University, Dr. Jhuma Sanyal, Retired Professor, Department of History, Women's Christian College, Kolkata, Dr. Sahara Ahmed, Professor, Department of History, Rabindra Bharati University, Dr. Kaberi Chakrabarti, Associate Professor, Department of Political Science, University of Calcutta, Dr. Aparajita Dhar, Department of History, Burdwan University, Dr. Farhat Bano, St. Xavier's College, Kolkata, Dr. Romit S. Beed,St. Xavier's College, Kolkata, Dr. Arup Kr. Mitra, St. Xavier's College, Kolkata including two MAKAIAS Fellows from MAKAIAS Dr. Farheena Rahman and L. Dipika Singha. MAKAIAS Fellow Jay Prakash Gupta along with Research Scholars from different universities and institutes also presented their papers.

Flyer of the National Seminar The Convenor of the seminar

Dr. Charlotte Simpson Veigas, Vice Principal of St. Xavier's College, delivering her speech

On 15th of August, 2022, MAKAIAS has celebrated the solemn occasion of 76th Independence Day of India in a significant way and with proper importance as a part of the celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav.

- "The National Flag was unfurled by Hon'ble Director Dr. Sarup Prasad Ghosh at Azad Bhawan,MAKAIAS and also at Maulana Azad Museum, Kolkata.
- "The Azad Bhavan premise was illuminated in Tri-Colour lights commemorating the 75 years of India's Independence.
- "Neon Sign board promoting the theme of Azadi Ka Amrit Mahotsav and Tri-Colour decorations of flag hoisting stage & building were initiated at MAKAIAS.
- "The Official Website of MAKAIAS was illuminated on the theme of Azadi Ka Amrit Mahotsav.
- Video snippets/messages promoting the mission on Har Ghar Tiranga were circulated through the Social Media contacts (Facebook/Twitter/Instagram etc.) of MAKAIAS, Kolkata.

The National Flag was unfurled by Honourable Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh at both Azad Bhawan and Azad Museum, Kolkata.

*Neon Sign board promoting the theme of **Azadi Ka Amrit Mahotsav** and Tri-Colour decorations of flag hoisting stage & building were initiated at MAKAIAS*

- A photo gallery commemorating the Indian Freedom Struggle Movement and Constitution of India is launched at Azad Bhavan, MAKAIAS.
- MAKAIAS felicitated Shri Chandi Charan Das, a veteran Freedom Fighter on the occasion of Azadi Ka Amrit Mahotsav.

Shri Chandi Charan Das, a veteran Freedom Fighter was felicitated by Dr. Abir Gorai, Consultant, Academic and Museum and Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay on the occasion of 76th Independence Day.

On 16th,17th,and 18th of August, 2022, on the occasion of celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav MAKAIAS organized a Three Day Lecture Session. Lectures were delivered by the MAKAIAS Fellows and Research Assistants on the following themes: ***Unsung Heroes of India, Netaji and INA, India as Motherland, Revisiting the Partition, and 150 Years of Sri Aurobindo.***

The following papers were presented by MAKAIAS Fellows and Research Assistants:

16 August, 2022:

Arka Chowdhury-Unveiling the 'Biplobi' Aurobindo Ghose: Contribution of the Jugantar Dal and the Historic Alipore Bomb Case

Jay Prakash Gupta-Contributions of Sri Aurobindo to Indian Society with Focus on Indian Freedom Struggle.

Sridam Mondal-Journey from a Patriot to a Yogi: A Study of Sri Aurobindo

17 August, 2022:

Dr. Farheena Rahman-Chandra Prabha Saikiani: An Unsung Hero of Freedom Movement of India

Mintu Barua- Remembering the Partition: The Case Study of Khulna

Dr. Kanu Halder-Bengal: The curse of partition has had a terrible impact on the lives of ordinary people

Barnali Sarma-Rani Gaidinliu: A Tribal Woman Freedom Fighter of Northeast India

L. Dipika Singha-The Patharughat Revolt: A Lesser Known Peasant Uprising of Assam

Amit Barman- Veer Sambhudan Phonglo: A Pioneer Freedom Fighter of North East India

Madhumita Malakar- The jettisoned hero of Paika Rebelion : Jayi Rajguru

Subrata Mandal- A Study of Rani Shiromoni

18 August, 2022:

Dr. Raju Sarkar-Contribution of INA and Subhash Chandra Bose to the Indian Independence Movement

Sayanti Ganguly-Remembering the Rani of Jhansi Regiment of INA

Sahelee De-The Household "Minu" who became "Toofani": A Study of Malati Choudhury

Rebanta Gupta-Designing the Achilles' Shield: The Contribution of the Indian Diaspora in Rejuvenating the Indian National Army.

MAKAIAS organized an International Seminar on on the topic ***"Sri Aurobindo Ghose: Past and Present",*** in collaboration with the Departments of History and Philosophy, Women's College, Shillong, to commemorate the sesquicentennial birth anniversary of Sri Aurobindo.

Resource Persons of this seminar were Dr. Ratnadeep Roy, Principal, Women's College, Shillong, Professor Dilip Kumar Mohanta, Professor, Department of Philosophy, University of Calcutta, Professor Debashish Banerji, California Institute of Integral Studies, San Francisco, California, Professor Sachidananda Mohanty, Former Vice-Chancellor, Central University of Orissa, Mr. Anurag Banerjee, Founder, Overseas Foundation, Kolkata and Professor Sushmita Sengupta, Department of Political Science, North-East Hill University, Shillong.

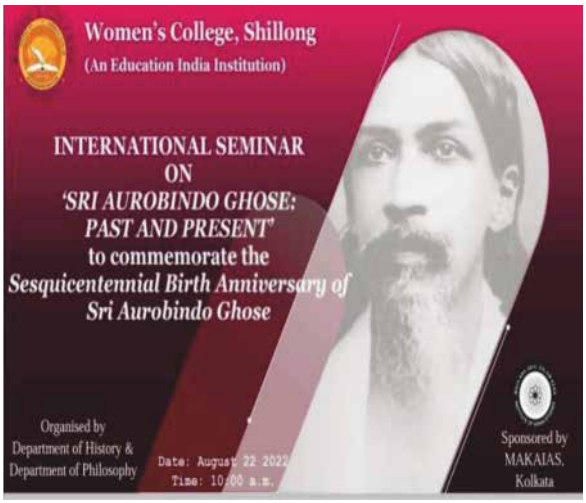

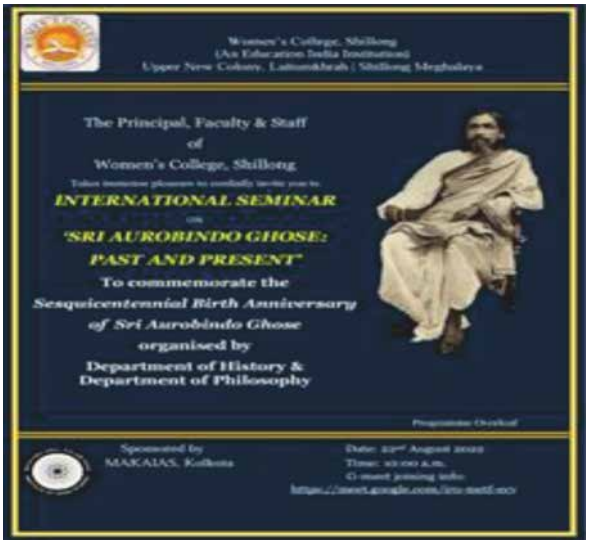

SEPTEMBER, 2022

On **2nd September, 2022**, MAKAIAS organized a collaborative National Workshop on ***"Implementation Strategies of the Vision of NEP 2020: Challenges and Opportunities for Higher Education Institutions"*** with the Centre for Studies in Human Development (CSHD) Assam University at Silchar, Assam. Resource Persons of this collaborative workshop were, Prof. Niranjan Roy, Director, CSHD, Assam University, Prof. G. Ram, Former Director, CSHD, Assam University, Prof. Ajoy K. Singh, Dept. of Education, Assam University, Prof. N.B. Dey, Former Emeritus Professor, Assam University, Prof. Anup Kr. Dey, Head, Dept. of English, Assam University, Diphu Campus and Dr. Debotosh Chakraborty, Dept. of Political Science, Assam University.

MAKAIAS on **2nd September, 2022** organized Book Release Ceremony of Rare Manuscript Studies Containing 141 Manuscripts (276 Pages) connected with the Early History of Barak-Kushiyara-Surma Valleys explored by MAKAIAS. Following three publications of MAKAIAS were released at Silchar, Assam.

- A Descriptive Catalogue of the Manuscripts of South Assam (The Collections of the Normal School) VOl. I & II, Authored by Dr. Amalendu Bhattacharjee.
- Journalism of Barak Valley in South Assam, Authored by Prof. Jyotilal Choudhury
- Transitional Aspects of Indigenous People: North-East India, Authored by Dr. Dipannita Chakraborty and Dr. Rita Das Nayak

Chief Guest Honourable Minister of State for Culture, Govt of India Srijut Arjun Ram Meghwalji graced the occasion and released the books.

Chief Guest Honourable Minister of State for Culture, Govt of India Srijut Arjun Ram Meghwalji released the books

Chairman, MAKAIAS, Prof Sujit K. Ghosh addressing the occasion

MAKAIAS organized a collaborative National Seminar on Azadi Ka Amrit Mahotsav; ***Commemoration of 75th Year of India's Independence: Decolonizing the Indian Mind*** with the Bengaluru City Univeristy, Benguluru on **2nd September, 2022.**

On 5th and 6th September, 2022 MAKAIAS organized a collaborative National Seminar on ***"Faith &Identity: Traditional World Views and Institutionalized Regions in Arunachal Pradesh"*** with the Jawaharlal Nehru College, Pasighat, East Siang, Arunachal Pradesh.

Vice-Chairman, MAKAIAS, Prof. K.C. Baral during his deliberation

Book Release ceremony during the seminar

MAKAIAS on **9th and 10th September, 2022**, organized a collaborative National Seminar on ***"Understanding the Dynamics of Interface of Freedom of Speech and Association under the Constitution of India"*** with the Gauhati University, Assam. Keynote address was delivered by Prof. Lawrence Liang, Ambedkar University, Delhi

NUMALIGARH REFINERY LIMITED
NRL
Oil India Limited

Two Days National Seminar on

Understanding the Dynamics and Interface of Freedom of Speech and Expression under the Constitution of India

Organized by PG Department of Law, Gauhati University, September 9 & 10, 2022.

We cordially invite you to the inaugural session to the keynote address by

Prof Lawrence Liang

(Liang is a graduate from the National Law School of India University, and pursued a master's degree in Warwick, England on a Chevening Scholarship. He obtained his PhD in Cinema Studies from the School of Arts and Aesthetics at Jawaharlal Nehru University in 2017. He was a visiting scholar at the University of Michigan School of Information and the Center for South Asian Studies as part of the Hughes Fellowship in 2014 and Rice Visiting Scholar at Yale University in 2016-17. He is currently Professor of Law at School of Law, Governance and Citizenship, Ambedkar University Delhi, India.)

on

Dancing on a Double-Edged Sword: The Paradoxes and Challenges of Free Speech in a Post-Truth World

at 9: 30to 11:00 Am, Friday, September 9, 2022

PG Department of Law, Gauhati University, Jalukbari, Guwahati, Assam

Programme Schedule

Welcome : Prof. **Stuti Deka**, Head & Dean Faculty of Law, Gauhati University
Introduction to the Seminar: Dr. **Pallavi Devi**, Coordinator, National Seminar
Chairperson: Prof. **Pratap Jyoti Handique**, Hon'ble VC, Gauhati University,
Chief Guest: Prof. **Nani Gopal Mahanta**, Education Adviser to the Government of Assam
Invited Guest: Dr. **H.K Nath**, Registrar, Gauhati University
Guest of Honour: Prof. **Romesh Ch Barpartragohain**, Former Advocate General of Assam
Guest of Honour : Prof. **Subhram Rajkhowa**, Former Head and Dean Faculty of Law
Key Note Address: Prof. **Lawrence Liang**, Ambedkar University, Delhi & Founder of Alternative Law Forum
Vote of Thanks: **Gaurav Goswami**, Research Scholar, PG Department of Law, Gauhati University

Professor Stuti Deka
Head & Dean

Dr Pallavi Devi
Seminar Coordinator

On **16th and 17th September, 2022**, MAKAIAS organized a collaborative National Seminar on ***"Women of North East India and Indian Freedom Movement"*** with the Prananbananda Women's College, Dimapur, Nagaland.

On 16th September, 2022 MAKAIAS organised an in-house seminar regarding Hindi Pakhwada on the topic *हिंदीपखवाड़ा* 2022 *केसंबंधमें 75आज़ादीका अमृत महोत्सव शीर्ष भारतीय स्वतंत्रतासंग्रामके उपेक्षित और गुमना मनायक*".Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'bleAzad Fellow of MAKAIAS chaired the session. MAKAIAS fellows Jay Prakash Gupta, L. Dipika Singha and Subrata Mondol presented their papers in Hindi.

आमंत्रण पत्र

Ministry of Culture

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एसियाई अध्ययन संस्थान
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय)

हिंदी पखवाड़ा 2022
के संबंध में आयोजित
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव शीर्ष
"भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उपेक्षित और गुमनाम नायक"
के विषय में एक आंतरिक विचार-विमर्श।

सितम्बर 16, 2022; सायं 2.00 बजे से

मकायास के अध्येताओं और शोध सहायकों ने विषय पर चर्चा करेंगे।

प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय, मौलाना आज़ाद फेलो
सत्र की अध्यक्षता करेंगे

कार्यक्रम में सभी का हार्दिक स्वागत है

डॉ सरूप प्रसाद घोष
निदेशक, मकायास, कोलकाता

****

Discussion during the seminar on Hindi Pakhwada

OCTOBER, 2022

Ms. Sanjukta Mudgal, Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India visited MAKAIAS during the ongoing Cleanliness Campaign in the Azad Bhavan premises of MAKAIAS, Kolkata on **14th October, 2022**. The ongoing Cleanliness Activity at MAKAIAS was conducted on **14th October,2022** under the Supervision and Instructions of Joint Secretary, Ministry Of Culture, Govt. of India.

Ms. Sanjukta Mudgal, Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India visited MAKAIAS during Cleanliness Campaign at Azad Bhawan

MAKAIAS organized a discussion on भराजभाषा के कार्यान्वयन और प्रगति पर आयोजित जर्जाध्संवाद on **17th October, 2022** at Azad Bhawan in MAKAIAS. Dr. R Ramesh Arya, Honourable Director (OL), Ministry of Culture, Government of India visited the institute and addressed in the seminar and interacted with the internal Fellows and Research Assistants. The discussion was presided over by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Honourable Director, MAKAIAS.

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivering the inaugural speech

Dr. R Ramesh Arya, Honourable Director(OL), Ministry of Culture, Government of India during his speech

Fellows and Staff of MAKAIAS Participating in the discussion

Group photo taken after the seminar

MAKAIAS organized One-Day Lecture Session titled **"Durga Puja: An Intangible Cultural Heritage of India"** at Azad Bhavan, MAKAIAS on 18th of October, 2022. MAKAIAS Fellows & Research Assistants presented their papers in the seminar. Academic Sessions were chaired by Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Honourable Azad Fellow of MAKAIAS. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS introduced of the theme of the Seminar and offered Vote of Thanks. The following papers were presented:

Arka Chowdhury -*The Remembrance Abroad: The Diasporic Celebration of Durga Puja*

Dr. Raju Sarkar - *How Durga Puja Became a UNESCO World Heritage?*

Mintu Barua - *The Narratives of a Few Quincentenary Old Durga Pujas in West Bengal*

Jay Prakash Gupta - *Durga Puja in West Bengal: History and Cultural Significance*

Dr. Farheena Rahman - *The Shakti Tradition in Ancient Assam: A Study*

Sayanti Ganguly- *Durga Puja and the Creative Economy of West Bengal*

Bedabarata Bhadury - *Durga Puja: Battle between Good and Evil-A Historical Point of View*

Amit Barman - *Spread of Durga Puja in Southern Assam*

21st October, 2022 MAKAIAS organized a National Seminar entitled ***"INA and Netaji Subhas Chandra Bose"*** at Azad Bhavan, MAKAIAS celebrating and commemorating the glorious occasion of the day when Netaji Subhas Chandra Bose announced the formulation of the Provisional Government of Azad Hind (Free India). On this day, The INA Gallery was inaugurated in the Library Section at Azad Bhavan, MAKAIAS commemorating the formation of the Provisional Government of Free India or **Arzi Hukumat-e-Azad Hind by Netaji Subhas Chandra Bose.** Resource Persons of the National Seminar were,

Arka Chowdhury - *Netaji Subhas Chandra Bose as a Military Tactician*

Amit Barman - *Netaji in Connection of NE India: A Study*

Mintu Barua - *Netaji Subhas in the Eyes of Notable Personalities: A Narrative*

Jay Prakash Gupta - *Netaji Subhas and Freedom Movement through INA*

L. Dipika Singha - *Netaji in Nagaland*

Dr. Farheena Rahman - *INA & Northeast India: The Imphal and Kohima Campaign*

Bedabrata Bhadury - *Netaji and His Idea on Economic Planning: A Broad Overview*

Dr. Raju Sarkar - *Role of the Indian National Army (I.N.A.) and Subhash Chandra*

Bose to the Indian Independence Movement: An Overview

Sayanti Ganguly - *INA and the Role of Subhas Chandra Bose from Lakshmi Sahgal's Perspective*

Chairperson of the Academic Sessions was Prof. Debi Prasad Mishra, Director, NTTTR. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS introduced the theme of the Seminar & gave the Vote of thanks. Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS also spoke in this occasion.

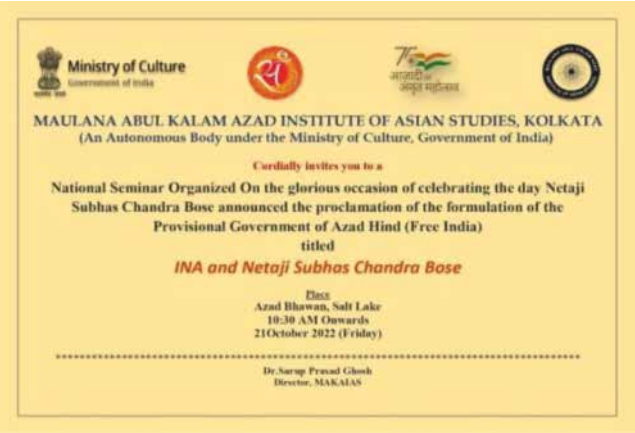
Ministry of Culture

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Cordially invites you to a

National Seminar Organized On the glorious occasion of celebrating the day Netaji Subhas Chandra Bose announced the proclamation of the formulation of the Provisional Government of Azad Hind (Free India)
titled
INA and Netaji Subhas Chandra Bose

Venue
Azad Bhawan, Salt Lake
10:30 AM Onwards
21October 2022 (Friday)

Dr.Sarup Prasad Ghosh
Director, MAKAIAS

Dr. Sarup P. Ghosh, Honourable Director of MAKAIAS hoisted the National Flag on this glorious occassion

Dr. Sarup P. Ghosh, Honourable Director MAKAIAS offering floral tribute to Netaji's picture

Dr. Sarup P. Ghosh, Honourable Director MAKAIAS offering floral tribute to Netaji's picture

On 28th October, 2022, MAKAIAS organized a Lecture Session entitled **"Mahatma Gandhi: Revisiting the Legacy of the Father of the Nation"** at Azad Bhavan, MAKAIAS. Resource Persons of the seminar were the MAKAIAS Fellows & Research Assistants of MAKAIAS. The sessions was chaired by Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Maulana Azad Fellow, MAKAIAS. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS introduced the theme of the Seminar & offered vote of thanks.

The following papers were presented in the seminar:

Arka Chowdhury – *Analyzing Gandhian Nationalism: The Shift from Elite Politics to Mass Mobilization*

Dr. Raju Sarkar – *Remembering Mahatma Gandhi: The Maker of Modern India*

Jay Prakash Gupta – *Gandhiji's Non-violence and its Contribution to Indian Society*

Bedabrata Bhadury – *Gandhiji's thought on Economy and Khadi- Its Significance Today with Regards to Aatma Nirbhar Bharat Campaign*

Floral tribute being paid to the image of Father of Nation, Mahatma Gandhi in the seminar

MAKAIAS Fellows Arka Chowdhury (left) and Jay Prakash Gupta while delivering their lectures in the seminar

As a part of 75th Azadi Ka Amrit Mahotsav to commemorate the 147th birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel, MAKAIAS organized a National Seminar on ***"Sardar Patel's Clarion Call to the Indian Nation"*** at Azad Bhavan, MAKAIAS. On **31st October, 2022** Resource Persons of the National Seminar were Dr.

Alok Kumar Ghosh, Associate Professor, Department of History, University of Kalyani, West Bengal, Prof. (Dr.) Lipi Ghosh, Centenary Professor of Internal Relations, University of Calcutta and Dr. Ashish Giri, Director, EZCC, Kolkata. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director of MAKAIAS delivered the welcome Address and introduced the theme of the seminar. Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS and Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS chaired the sessions. At last, Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director of MAKAIAS delivered the Vote of Thanks

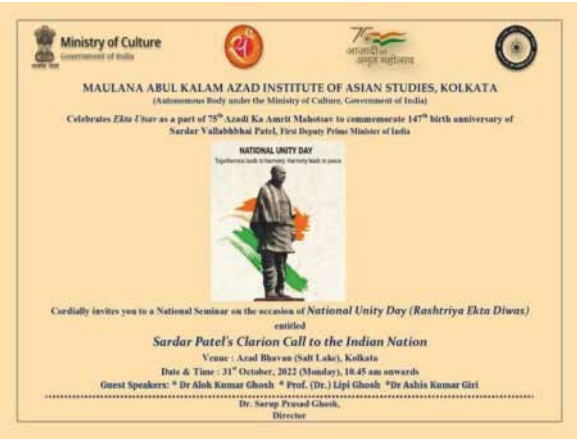
Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Celebrates *Ekta Utsav* as a part of 75th Azadi Ka Amrit Mahotsav to commemorate 147th birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel, First Deputy Prime Minister of India

NATIONAL UNITY DAY

Cordially invites you to a National Seminar on the occasion of *National Unity Day (Rashtriya Ekta Diwas)* entitled

Sardar Patel's Clarion Call to the Indian Nation

Venue : Azad Bhavan (Salt Lake), Kolkata
Date & Time : 31st October, 2022 (Monday), 10.45 am onwards
Guest Speakers: * Dr Alok Kumar Ghosh * Prof. (Dr.) Lipi Ghosh *Dr Ashis Kumar Giri

Dr. Sarup Prasad Ghosh,
Director

Floral tribute being paid and lighting of the lamp done by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS, Dr. Alok Kumar Ghosh and Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay before the image of Sardar Vallabhbhai Patel

Human chain in MAKAIAS on Unity Day

Rashtriya Ekta Diwas Pledge was read at MAKAIAS

Prof Lipi Ghosh, University of Calcutta (left) and Dr. Alok Kumar Ghosh, University of Kalyani (right) delivering their lectures on Patel in the seminar

As a part of 75th Azadi Ka Amrit Mahotsav to commemorate the birth anniversary of the First Deputy Prime Minister of India, Sardar Vallabhbhai Patel, Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS), Kolkata celebrated 'National Unity Week' from 25.10.2022 to 31.10.2022.Azad Bhawan of MAKAIAS was illuminated in Tricolour on the occasion of National Unity Week

NOVEMBER, 2022

MAKAIAS observed Vigilance Awareness Week from **31st October to 6th November**. The theme of the Vigilance Awareness Week 2022 was **"Corruption Free India for a Developed Nation".**

Some glimpses of Vigilance Awareness Week 2022

On **4 th November 2022**, as a part of 75th Azadi Ka Amrit Mahotsav to commemorate the 118th birth anniversary of Shri Lal Bahadur Shastri, MAKAIAS organized a National Seminar on **"Revisiting the Legacy of Lal Bahadur Shastri"** at Azad Bhavan, MAKAIAS. Internal Fellows presented their papers on Lal Bahadur Shastriji.

On 9th November 2022, as a part of Asia Connect programme, MAKAIAS organized a National Seminar on ***"Water Diplomacy in Asia"*** at Azad Bhavan, MAKAIAS. Following MAKAIAS Fellows presented their papers in the seminar. :-

Bedabrata Bhadury - *Water Economics - Need for Setting Price for Water Resources and Water Diplomacy.*

Mintu Barua - *Hydro Politics: A New Dimension of Chinese Grand Strategy.*

Arka Chowdhury - *Changing Pattern of War and Its Impact on People; A Case Study of 'Blue Battle' Between India and China Over Brahmaputra.*

Dr. Kanu Halder - *Water Diplomacy and Water Sharing Problem between Bangladesh and India: A Quest for Solution*

Dr. Farheena Rahman - *Indus Waters Treaty: Conflicts and Cooperation between India and Pakistan.*

Dr. Raju Sarkar - *Water Diplomacy in India with Special Reference to Teesta River in North Amit Barman - Water Diplomacy in India and it's neighborhood: Special Focus on North East India Bengal.*

Concluding remarks were given by the chair of the session Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS. At the end, Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS, delivered the Vote of Thanks.

Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS chairing the session

Group photo taken after the seminar

Quality Control of India (QCI) team headed by Ms. Sukriti Arora, Analyst, Project Planning & Implementation Division (PPID) Quality Control of India (QCI) visited MAKAIAS on 09.11.2022 and had a on table meeting with Hon'ble Director, MAKAIAS on registration and implementation of QCI in MAKAIAS, Kolkata.

Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh, successfully made the institutional representation and did necessary documentation before the QCI team.

The QCI Team being felicitated at MAKAIAS

11th November is observed as Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies' (MAKAIAS) Foundation day. On this day, the first Education Minister of independent India Maulana Abul Kalam Azad was born; therefore, this day is celebrated as National Education day in India. On this auspicious occasion of MAKAIAS Foundation day and National Education day, MAKAIAS, Kolkata organized its prestigious Maulana Azad Memorial Lecture to commemorate the 134th Birth Anniversary of Maulana Abdul Kalam Azad, the first Education Minister of independent India. This time, the prestigious ***Maulana Azad Memorial Lecture-2022*** was delivered by Prof. Rabi Ranjan Sen, Head, Department of History, Katwa College, University of Burdwan at the Seminar Hall of Maulana Azad Museum at 3.00 pm. Ms. Mugdha Sinha, Joint Secretary, Ministry of Culture; Government of India inaugurated the academic programme as the Chief Guest. MAKAIAS Fellows delivered lecture in the Pre-lunch Session of the seminar at Azad Bhawan.

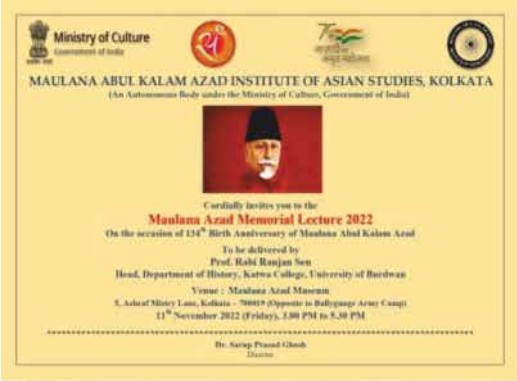

Ministry of Culture

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Cordially invites you to the

Maulana Azad Memorial Lecture 2022

On the occasion of 134th Birth Anniversary of Maulana Abul Kalam Azad

To be delivered by

Prof. Rabi Ranjan Sen

Head, Department of History, Katwa College, University of Burdwan

Venue : Maulana Azad Museum

5, Ashraf Mistry Lane, Kolkata - 700019 (Opposite to Ballygunge Army Camp)

11th November 2022 (Friday), 3.00 PM to 5.30 PM

Dr. Sarup Prasad Ghosh

Director

Ms. Mugdha Sinha, Joint Secretary, Ministry of Culture; Government of India paid the floral tribute to the image of Maulana Azad and lighted the lamp at Azad Bhawan

Prof. Rabi Ranjan Sen, Head, Department of History, Katwa College, University of Burdwan while delivering the prestigious Azad Memorial Lecture

Some glimpses of the Maulana Azad Memorial Lecture, 2022 at Azad Museum

On 15th of November 2022, Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata has organized a National Seminar-cum-Webinar titled **"Problems and Prospects of Scheduled Tribes in India: Past, Present and Future"** on the occasion of observance of **"Janjatiya Gaurav Diwas"** to Commemorate the 147th Birth Anniversary of Birsa Munda on **15th November, 2022**. This programme was organised as a part of celebration of 'Azadi Ka Amrit Mahotsav'. Prof. S.N. Chaudhary, Former Professor of Sociology, Barkatullah University, Bhopal, Madhya Pradesh delivered lecture on the said theme.

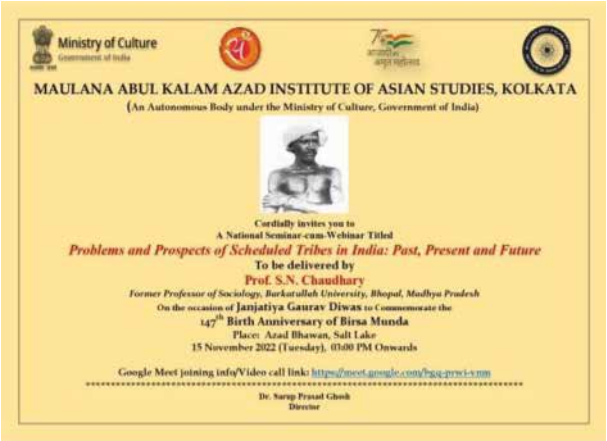

Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Cordially invites you to
A National Seminar-cum-Webinar Titled
Problems and Prospects of Scheduled Tribes in India: Past, Present and Future
To be delivered by
Prof. S.N. Chaudhary
Former Professor of Sociology, Barkatullah University, Bhopal, Madhya Pradesh
On the occasion of **Janjatiya Gaurav Diwas** to Commemorate the
147th **Birth Anniversary of Birsa Munda**
Place: Azad Bhawan, Salt Lake
15 November 2022 (Tuesday), 03:00 PM Onwards

Google Meet joining info/Video call link: https://meet.google.com/bga-prwi-vnm

Dr. Sarup Prasad Ghosh
Director

Prof. S.N. Chaudhary delivering his lecture

On **25th November 2022**, a National Seminar on "World Heritage Week" was held at Azad Bhavan of MAKAIAS. Resource Persons of the National Seminar wear Swami Shastrajnanandaji Maharaj, Secretary, Ramakrishna Mission Sarada Peetha, Belur Math, WB delivered his lecture on 'Spiritual Heritage of India'. Shri Goutam Dey, Eminent Documentary Photographer & Film maker delivered his lecture on **"A Glimpse of Chandraketugarh**

through Images". Shri Gautam Chakraborty, Hony. Advisor and Coordinator (Heritage), Syama Prasad Mookerjee Port Trust, Kolkata delivered a lecture on "Commercial Heritage of India".Dr. Jisnu Basu, Saha Institute of Nuclear Physics, Kolkata delivered his lecture on "Scientific Heritage of India".

Azad Fellow of MAKAIAS Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, chaired the Academic Sessions. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS presided over the Valedictory Session and delivered Vote of Thanks.

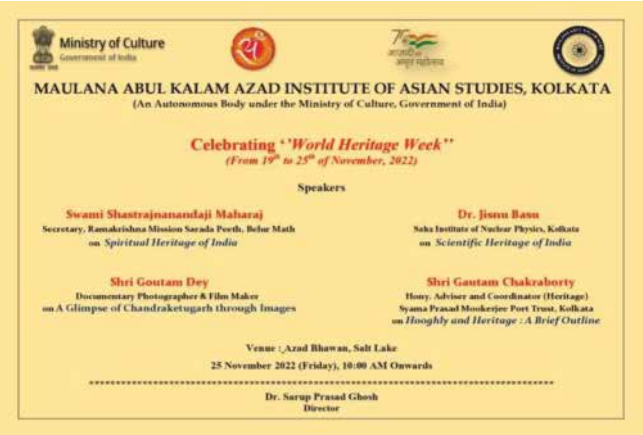
Ministry of Culture
Government of India

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA
(An Autonomous Body under the Ministry of Culture, Government of India)

Celebrating "World Heritage Week"
(From 19th to 25th of November, 2022)

Speakers

Swami Shastrajnanandaji Maharaj
Secretary, Ramakrishna Mission Sarada Peeth, Belur Math
on Spiritual Heritage of India

Dr. Jisnu Basu
Saha Institute of Nuclear Physics, Kolkata
on Scientific Heritage of India

Shri Goutam Dey
Documentary Photographer & Film Maker
on A Glimpse of Chandraketugarh through Images

Shri Gautam Chakraborty
Hony. Adviser and Coordinator (Heritage)
Syama Prasad Mookerjee Port Trust, Kolkata
on Hooghly and Heritage : A Brief Outline

Venue : Azad Bhawan, Salt Lake
25 November 2022 (Friday), 10:00 AM Onwards

Dr. Sarup Prasad Ghosh
Director

Resource person Swami Shastrajnanandaji Maharaj delivering his lecture

Resource persons Shri Gautam Chakraborty (left) and Dr. Jisnu Basu (right) during their presentations at the seminar

Shri Goutam Dey, another resource person of the seminar, being felicitated by the Hon'ble Director, MAKAIAS.

MAKAIAS Kolkata celebrated ***"Constitution Day"*** on **26th, November, 2022** with due emphasis on the theme of upholding and protecting the sovereignty, unity and integrity of the country and to value and preserve the rich heritage of India's composite culture.

Photo taken on the "Constitution Day" 26th of November, 2022

MAKAIAS organized a National Seminar on ***"Salient Features of the Constitution of India"*** at Azad Bhavan, Salt Lake, Kolkata on **28th, November, 2022** from 11.00 AM. Prof. Pulak Narayan Dhar, former Faculty of Political Science, Maulana Azad College, Kolkata graced the National Seminar as the Resource Person.

Resource person Prof. Pulak Narayan Dhar while delivering his lecture

Audience listening to Prof. Dhar's deliberation

DECEMBER, 2022

MAKAIAS organized a National Seminar on ***"Inclusive Growth through Open and Distance Learning: Strategy and Policy Perspectives for Higher Education"*** at NBU Campus, West Bengal in collaboration with the Centre for Distance and Online Education, University of North Bengal, Darjeeling, West Bengal on **8th & 9th December, 2022**.

On **16th December, 2022**, MAKAIAS celebrated ***'Vijay Diwas'*** 2022 by organizing a day long National Seminar entitled ***''Indian Armed Forces: The Glorious Legacy''*** at the Azad Bhavan (Salt Lake), Kolkata. The resource persons of the seminar were Air Marshal Chief Arup Raha (retd) and Retd Colonel Sabyasachi Bagchi. Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, chaired the Academic Session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered the Vote of Thanks.

Resource person Air Marshal Chief Arup Raha (retd) during the seminar

Resource person Colonel Sabyasachi Bagchi Retd delivering his lecture

MAKAIAS Kolkata organized a National Seminar entitled ***''Marichjhnapi Massacre: Revisiting the Genocide of the Refugees''*** on **20th, December, 2022** (Tuesday) at the Azad Bhavan, Salt Lake, Kolkata from 12.00 Noon onward. The resource persons of the said national seminar were: Dr. Jagadish Halder, Padmashree Awardee and Prof. Alok Kumar Ghosh, Associate Professor, Department of History, University of Kalyani. Azad Fellow of MAKAIAS Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, chaired the Academic Session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered the Vote of Thanks.

Glimpses of the National Seminar on Marichjhnapi Massacre

MAKAIAS organized a National Seminar entitled ***"Maulana Abul Kalam Azad as the First Education Minister of Government of India after Independence and the National Education Policy of Government of India 2020: A Comparative Analysis''*** on **22nd of December, 2022** (Thursday) at the Azad Bhavan. The resource persons of the said national seminar were Prof. Hitendra K Patel, Professor, Department of History, Rabindra Bharati University, Kolkata and Mr. Ayan Banerjee, Assistant Professor (WBES), Maulana Azad College, Kolkata. Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, chaired the Academic Session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered the Vote of Thanks.

Glimpses of the Seminar

MAKAIAS organized a National Seminar entitled ***"Good Governance and India"*** on 30th December, 2022 at Azad Bhavan of MAKAIAS from 12 noon. The resource person of the seminar was Sri Amitava Sen, Retd Director, ESI Corporation. Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, Chaired the Academic Session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered Vote of Thanks.

On the same day, MAKAIAS organized a National Webinar on ***"National Mission on Libraries",*** on **30th December, 2022** at Azad Bhavan of MAKAIAS from 3 pm. The resource person of the seminar was Prof. Ajay Pratap Singh, Director General, RRRLF and National Library, Kolkata. Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, chaired the Academic Session. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director, MAKAIAS delivered the Vote of Thanks.

ACTIVITIES OF MAKAIAS

JANUARY, 2023

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS along with ShriDhimanDutta, Sr. Assistant attended a meeting regarding Nodal Media Officers in virtual mode on **5th January, 2023**.

On 12th January 2023, MAKAIAS organised a National Seminar entitled ***"Master Da Surya Sen and His Revolutionary Associate: A Historical Analysis / মাস্টারদা সূর্য সেন এবং তাঁর বিপ্লবী সহযোগীরা: ঐতিহাসিক"*** at Conference Hall-I, RTC, ICCR-Kolkata as a part of Celebration of ***'Azadi Ka Amrit Mahotsav'*** of Government of India. The resource persons of the said seminar were Shri Goutam Biswas, Assistant Professor, Department of History, P. N. Das College, Palta, West Bengal and Shri Pradipta Roy, Assistant Professor, Department of Political Science, Scottish Church College, Kolkata. Shri Arindam Mukherjee, Hon'ble Vice President of the Society, MAKAIAS, Kolkata & Director, Institute of Social and Cultural Studies (ISCS), Kolkata has delivered a special lecture on the said topic. The academic session was chaired and concluding remarks were delivered by Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow, MAKAIAS, Kolkata. At the end, Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS, Kolkata delivered the Vote of Thanks.

Shri Arindam Mukherjee, Hon'ble Vice President of the Society, MAKAIAS, Kolkata & Director, (ISCS), while delivering a special lecture

Shri GoutamBiswas, Assistant Professor, Dept of History, P. N. Das College, Palta while presenting Kolkata his paper

Shri Pradipta Roy, Assistant Professor, Department of Political Science, Scottish Church College, Kolkata during his presentation

A Glimpses of the seminar

On 14th January, 2023, MAKAIAS, Kolkata organized a National Seminar on ***"Indo - Bhutan Relations in Context to Sub regional Cooperation's"*** in collaboration with Institute of Social and Cultural Studies, Kolkata at NandalalBose Gallery, RTC, ICCR, Kolkata where Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh delivered the Welcome Address. Shri Soumya Chattopadhyay, Senior Programme Officer, India Resident Mission, Asian Development Bank chaired the session and presented his deliberation. The speakers of the said seminar were Shri Arnab Ganguly, Associate Director, CUTS International, Head, CUTS Calcutta Resource Centre; Shri Mohit Musaddi, Senior Research Associate, Bangladesh and Neighbourhood Studies, ISCS-Kolkata and Shri Supratim Basu, Secretary General, Indo - Bhutan Friendship Association (IBFA). After discussions of participants with resource persons, Vote of Thanks was presented by Shri Arindam Mukherjee, Vice President of the Society, MAKAIAS, Kolkata & Director, Institute of Social and Cultural Studies (ISCS), Kolkata.

Guests being felicitated by Director, MAKAIASDr. S.P Ghosh

Institute's yearly calendar being inaugurated by the Hon'ble Guests at the seminar

Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh while delivering his Address

Shri Supratim Basu, Secretary General, Indo - Bhutan Friendship Association (IBFA) during his presentation

MAKAIAS, Kolkata in collaboration with Institute of Social and Cultural Studies, (ISCS) Kolkata organized a National Seminar entitled ***"Purvodaya: An Instrument for Act East Policy"*** at Nandalal Bose Gallery, RTC, ICCR-Kolkata on the day of **15th January, 2023**. Government of India under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi adopted the Act East Policy to boost India's trade and investment relations with the Southeast Asian region. This Policy rests on four central themes namely Connectivity, Commerce, Culture and Capacity-Building and works on large cross border connectivity projects to upgrade and connect the national highways of countries namely Bangladesh, Bhutan, Myanmar and Nepal with the North-eastern part of India including North Bengal. It lays importance on Maritime security while fostering riverine connectivity. The sessions chaired by Shri Dharmendra

Pradhan, Hon'ble Minister of Education, Skill Development & Entrepreneurship. The speakers of the seminar were Shri N. G. Khaitan, President, Bharat Chamber of Commerce; Prof. Virendra Kumar Tewari, Director, IIT- Kharagpur; ShriArnabGanguly, Associate Director, CUTS International, Head, CUTS Calcutta Resource Centre; ShriGautam Banerjee, Managing Director, Business Brio & Director, Data Science Foundation International and Ms. Sohini Nayak, Researcher & Foreign Policy Analyst.

A Glimpse from the seminar

Shri Dharmendra Pradhan, Hon'ble Minister of Education, Skill Development & Entrepreneurship while giving his chairpaerson's remark

Shri Dharmendra Pradhan, Hon'ble Minister of Education, Skill Development & Entrepreneurship gave his valuable remarks after the sessions. At the end, Dr.Sarup Prasad Ghosh, Director of MAKAIAS, Kolkata delivered his Vote of Thanks.

Shri Ritwik Ganguly, Assistant Librarian, MAKAIAS, Kolkata took the opportunity for a five days training programme i.e. Capacity Building Training Programme for Public Library Personnel at RRRLF, Kolkata from **16th January 2023** to **20th January 2023** where 40 library professionals from different Government Libraries throughout the country participated. Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS was the Guest of Honour of the said programme on the concluding day.

MAKAIAS, Kolkata observed the 74th Republic Day of India on **26th January 2023** with due pomp and grandeur. The National flag was hoisted both in the campuses of MAKAIAS; the Maulana Azad Museum and Azad Bhawan, Salt Lake by Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh.

The National Flag hoisted by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS at both the campuses of MAKAIAS, Azad Bhawan, Salt Lake (Left) and Maulana Azad Museum (Right)

A seminar & Workshop Committee meeting was held on **27th January 2023** through offline mode.

MAKAIAS, Kolkata on **28th January, 2023** organized a National Seminar on ***"G-20: The Socio-Political and Economic Perspectives"*** at Conference Hall- I, RTC, ICCR-Kolkata on the auspicious occasion of India taking the G20 presidency for the first time and chairing over several meetings that aim to secure global economic growth and prosperity. Welcome address was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, Kolkata. The session chaired by Prof. Prithvish Nag, Former Vice Chancellor, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi, and Director, SHEPA Group of Educational Institutions, Varanasi. The eminent resource persons delivered their lectures in the seminar namely, Dr. Rajiv Nayan, Asian Security and Defence Analyst, Manohar Parikkar Institute for Defence Studies and Analyses (IDSA); Prof. Dipankar Sengupta, Department of Economics, University of Jammu; Prof. P. M.Kamath, Former Professor of Politics, University of

Mumbai, Chairperson and Hon'ble Director, VPM's Centre for International Studies, and Chairman, VidyaPrasarakMandal and Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow of MAKAIAS-Kolkata. At the end, Shri Arindam Mukherjee, Vice President of the Society, MAKAIAS, Kolkata & Director, Institute of Social and Cultural Studies(ISCS), Kolkata delivered the Vote of Thanks.

Dr. Rajiv Nayan, Asian Security and Defence,Analyst (IDSA) while speaking to the audience

Prof. Prithvish Nag, Former VC, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi while chairing the session

Again on the same day of **28th of January**, 2023 MAKAIAS, Kolkata organized an International Seminar on ***"Indo - Thai Relations"*** in collaboration with Institute of Social and Cultural Studies, Kolkata at Library Hall, RTC, ICCR-Kolkata. The welcome address was delivered by Shri Arindam Mukherjee, Vice President of the Society, MAKAIAS, Kolkata & Director, Institute of Social and Cultural Studies(ISCS), Kolkata. On that occasion, the Guest of Honour, H. E. Ms. Acharapan Yavaprapas, Consul General of Thailand to Kolkata addressed the participants and dignitaries of the seminar. Amb. Anil Wadhwa, Former Ambassador of India to Thailand & Distinguished Fellow, Vivekananda International Foundation chaired the session and delivered his lecture. The distinguished speakers for the said seminar were Dr. Uttam Sinha, Head, Non-Traditional Security Centre, Manohar Parrikar Institute for Defence Studies and Analyses (IDSA); Dr. Rajiv Nayan, Asian Security and Defence Analyst, Manohar Parrikar Institute for Defence Studies and Analyses (IDSA) and Shri Soumya Bhowmick, Associate Fellow, Observer Research Foundation (ORF), Kolkata. Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh delivered the Vote of Thanks.

H. E. Ms. AcharapanYavaprapa, Thai Consul General in Kolkata addressing the session

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS during his speech

FEBRUARY, 2023

On **1st February 2023**, MAKAIAS, Kolkata organized a National Seminar titled ***"The Nationalist Vision of Professor Binoy Kumar Sarkar"*** at Azad Bhavan, Salt Lake, Kolkata. The above National Seminar was chaired by Prof. Purabi Roy, former Professor, Department of International Relations, Jadavpur University. Former Professor of History, University of Kalyani and former Council Member of ICHR, New Delhi Prof. Nikhilesh Guha presented his paper in the seminar. Vote of Thanks was conferred by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, of MAKAIAS.

A glimpse of the seminar on Professor Binoy Kumar Sarkar

On **4th February 2023** Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh, attended the 40th Foundation Day of Rajiv Gandhi Central University atItanagar, Arunachal Pradesh. He delivered the Keynote Address on `***National Education Policy: 2020'*** on that occasion.

A glimpses from the Foundation Day of Rajiv Gandhi Central University at Itanagar, Arunachal Pradesh

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS while delivering the Keynote address on the occasion

MAKAIAS, Kolkata along with Eastern Zonal Culture Centre (EZCC), Kolkata, jointly organized S***tudent's Experience in Inter-State Living to Promote National Unity and Integrity***. It is a National Integration Tour of students from North Eastern States of India. The event was held on **5thFebruary, 2023**

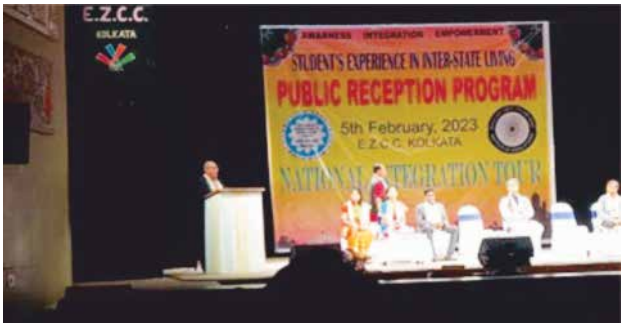

A glimpses from the event on Student's Experience in Inter-State Living

On **8th February 2023**, MAKAIAS organized a collaborative Round Table Conference on ***"National Budget: 2023"***, at Azad Bhavan, Salt Lake, Kolkata. Padma Bhushan Dr. Swapan Dasgupta, Historian & Journalist, M.P, Rajya Sabha (President's Nominee), and Dr. Dhanpat Ram Agarwal, Director, Swadeshi Research Institute, spoke on this occasion. Professors from different departments of Economics and Commerce of different universities and Economic Analysts from both government and private sectors actively participated in the said seminar. Vote of Thanks was delivered by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS.

Dr. Swapan Dasgupta, Historian & Journalist, M.P, RajyaSabha speaking on the occasion

A still photograph taken after the seminar

On **11th and 12th February, 2023,** Hon'bleDirector of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh delivered the Valedictory Address on ***"India and Her Neighbours",*** organized by VPM's Centre for International Studies, Mumbai, in collaboration with Ministry of External Affairs, Government of India.

Glimpses from the seminar at VPM's Centre for International Studies, Mumbai

On **15th February, 2023**, the Vice President of Society, MAKAIAS and the Director, MAKAIAS went to Raj Bhawan to have a meeting with the Hon'ble Governor of West Bengal.

On 1**6th , 17th and 18th February, 2023**, the Director went to Delhi and met the Central Information Commission (CIC), New Delhi, in his office met the officials of Ministry of Culture, Government of India at Shastri Bhawan, New Delhi.

Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay, Hon'ble Azad Fellow of MAKAIAS was invited to an International Seminar and Book Release function at Itkhori, Chatra, Jharkhand, held during **18th, February, 2023** to **20th, February, 2023**. The programme wasorganised by the Government of Jharkhand. He presented on the ***"Archaeology of Itkhori Region"*** and released a book on archaeological discoveries in an around Itkhori on **20th,February, 2023** in the presence of a Minister of Jharkhand Government and other higher officials of District Administration, Jharkhand.

A glimpses of the International Seminar at Itkhori

The book release function of the event

Glimpses from the seminar

MAKAIAS organized a seminar on ***"Pritilata Waddedar and Revolutionary Nationalism"***, at Rabindranath Tagore Centre, ICCR, Kolkata on **22nd February, 2023**. The Seminar was chaired by Shri Rabiranjan Sen, Associate Professor and Head, Department of History, Katwa College. Distinguished speakers of the seminar were Dr. Pratip Chattopadhyay, Assistant Professor and Head, Department of Political Science, University of Kalyani; Dr. Debraj Chakraborty, Assistant Professor, Department of History, Berhampur Girls College and Dr. Pragati Bandopadhyay, Assistant Professor, Department of History, St. Xaviers', College. Vote of Thanks was conferred by Sri Arindam Mukherjee, Vice President of the Society, MAKAIAS, Kolkata& Director, Institute of Social and Cultural Studies (ISCS), Kolkata.

MAKAIAS, Kolkata and Institute of Social and Cultural Studies (ISCS), Kolkata, organized a collaborative National Seminar on ***"Indo-Israel Bilateral Relations: Defence and Strategic Cooperation"*** at Rabindranath Tagore Centre, ICCR, Kolkata on **24th February, 2023**. This collaborative national seminar was chaired by ShriArun K. Singh, former Ambassador of India to Israel. Distinguished speakers spoke on this seminar. They were respectively Professor Ripu Sudan Singh, specialization in West Asian Studies, Department of Political Science, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow and Member of the Society, MAKAIAS, Kolkata; ShriSanket Joshi, Research Associate, Delhi Policy Group and Shri Pradipta Roy, Assistant Professor, Department of Political Science, Scottish Church College, Kolkata.

Prof. R S Singh while delivering lectureon the topic

A Glimpses of the seminar

On **23rd February, 2023**, the Director of MAKAIAS visited Raj Bhawan to meet the officials of the Hon'ble Governor of West Bengal.

On **25th February, 2023**, the Director of MAKAIAS met the Hon'ble Governor of West Bengal at Raj Bhawan where Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Minister of State for Education, Government of India was also present.

MARCH, 2023

On **4th March 2023**, MAKAIAS Kolkata organized a National Seminar entitled ***"The Patriot Turned Philosopher: Remembering the Contributions of Rishi Aurobindo in Indian Nation Building"*** at Sri Aurobindo Bhavan, Kolkata. Justice Chittatosh Mookerjee, Former Chief Justice of Calcutta and Bombay High Court, inaugurated and addressed the National Seminar. Hon'ble Director of MAKAIAS welcomed the delegates to the seminar by presenting his welcome speech. Academicians from different Universities and Institutes were present in this seminar. The resource persons of the first academic session were Sri Devdip Ganguli, faculty member of Sri Aurobindo International Center of Education, Pondicherry and Prof. Probal Roy Chowdhury Dept. of English, Sister Nivedita University, Kolkata. The session was chaired by Prof. A.K. Mohapatra of JNU, New Delhi. Post lunch, in the academic session two, the resource persons were Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay Azad Fellow, MAKAIAS and Shri Anurag Banerjee, Founder and Managing Trustee, Over man Foundation, Kolkata. Prof. Dilip Kumar Roy D. Phil, Former Reader in Philosophy, Presidency College, Kolkata chaired the session. Prof. Kalyan Chakraborty from University of Kalyani addressed in the valedictory session. Concluding remarks was presented by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS. Shri Biswajit Ganguly of Sri Aurobindo Bhavan, Kolkata delivered the Vote of Thanks. The session ended with the National Anthem.

Justice Chittatosh Mookerjee being felicitated by Director of MAKAIAS Dr. Sarup P. Ghosh

Azad Fellow of MAKAIAS Prof. Rupendra Chattopadhyay during his deliberation

A glimpses from the seminar

MAKAIAS, Kolkata, in collaboration with ANKUR, Kolkata, organized a National Seminar entitled ***"Indian National Army and the Provisional Government of Free India"***, at Azad Bhavan, Salt Lake, Kolkata on **10th March, 2023**. Air Chief Marshal Arup Raha, PVSL, AVSL, VM, ADC, Former Chief of the Air Staff; Indian Air Force addressed the National Seminar.Valedictory Session was addressed by Prof Purabi Roy, former Professor, Department of International Relations, Jadavpur University.Academicians, Journalists and retired defence personnel attended the Seminar.The Hon'ble Director of MAKAIAS delivered the concluding address and the Vote of Thanks.

Air Chief Marshal Arup Raha, PVSL, AVSL, VM, ADC, Former Chief of the Air Staff; Indian Air Force (top) and Prof Purabi Roy, former Professor, Department of International Relations, Jadavpur University(bottom) during their address in the seminar

On **14th March, 2023**, Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director of MAKAIAS, Kolkata, was invited to deliver a lecture on the topic ***"Ethics in Public Domain"***, organized by The Ramakrishna Mission Institute of Culture, Gol Park, Kolkata.

MAKAIAS, Kolkata, organized a National Seminar on "Connecting Culture with Strategy: Tracing Ancient Indian Foot print Across Asia", at ICCR, Kolkata on **22nd March, 2023**. Dr. Pratip Chattopadhyay, Associate

Professor and Head of Department, Department of Political Science. University of Kalyani, chaired the seminar. Distinguished Speakers were Dr. Hindol Sengupta, Historian & Journalist, Dr. Aniket Mahapatra, New Alipore College, University of Calcutta and Swami Vedatitananda, Principal, Ramakrisna Mission Shilpamandira. Hon'ble Director of MAKAIAS Dr. Sarup Prasad Ghosh delivered the concluding address and the Vote of Thanks.

Dr. Pratip Chattopadhyay, Head, Department of Political Science, University of Kalyani addressingthe session

Dr. Hindol Sengupta, Historian & Journalist during his presentation in the seminar

On **24th March, 2023**, Dr. Sarup Prasad Ghosh, Hon'ble Director, MAKAIAS, Kolkata, was invited to deliver a speech as a Guest of Honour at the Inaugural Session of a Seminar jointly organized by DLIS, Netaji Subhas Open University (NSOU), Kolkata.

On **25th& 26th March 2023**, MAKAIAS, Kolkata, in collaboration with Ministry of External Affairs, Government of India, The National Library, Kolkata, Bharat Chamber of Commerce, ISCS and other Think Tanks, organized the ***2nd ISCS BIMSTEC Conference*** at Hotel Taj Bengal, Kolkata. In the inaugural session on **25th March 2023**, Mr. Tenzin Lekphell, Hon'ble Secretary General, BIMSTEC Secretariat, Dhaka was the Guest of Honour. The Keynote Speaker was Mr. RajkumarRanjan Singh, Hon'ble Minister of State, MEA, Government of India. Mr. Arindam Mukherjee, the Director of ISCS, India welcomed the dignitaries in this session. The session was chaired byHon'ble Director of MAKAIASDr. Sarup Prasad Ghosh.

"Strengthening Regional Solidarity through Transport Connectivity" was the topic for discussion in the Technical Session I. Topic for the Special Session was ***"Reviewing Food Security and Value Chain Approach in BIMSTEC Countries"***. "BIMSTEC Countries and Climate Change: Imperatives and Initiatives" was the topic for the Technical Session II. On **26th March 2023**, ***"BIMSTEC: An Instrument for People to People Connect"*** was the topic of discussion for the Technical Session III. In Technical Session IV, "Role of BIMSTEC towards Fostering Educational Co- operation" was discussed. In Technical Session V, ***"BIMSTEC Nations: Cultural Exchanges and Civilizational Linkages"*** was the topic of discussion. The session was chaired by Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director of MAKAIAS, Kolkata. Speakers of the session were, Mr. Bidhayak Das, Writer and Scholar, Development Commnication and Founding, Editor and Managing Director, The Border lens; Dr. Jirayudh Sinthupan, Director, Centre for South Asian Studies, Chulalongkom University, Thailand; Dr. Lobzang Dorji, Senior Lecturer, NorbulingRigter College, Royal University of Bhutan and Prof. Rupendra Kumar Chattopadhyay, Azad Fellow, MAKAIAS, Kolkata.

Dr. Sarup Prasad Ghosh, Director of MAKAIAS while chairing the Technical Session V in the 2nd ISCS BIMSTEC Conferenceat Hotel Taj Bengal, Kolkata

MAKAIAS, Kolkata, in collaboration with Institute of Social and Cultural Studies (ISCS), Kolkata organized a seminar on ***"BIMSTEC Security Cooperation"*** at ICCR, Kolkata on **31st March, 2023**. Shri Arindam Mukherjee, Director, ISCS, India, delivered the Welcome Address. Chief Guest of the seminar was Shri Arup Raha, PVSM, AVSM, VM, ADC (TBC), former Air Chief Marshal. Captain (IN) AlokBansal, Director, India Foundation and Adjunct Professor at New Delhi Institute of Management delivered lecture on this occasion. Other distinguished speakers included retired Defence personnel and academicians.

A Glimpses from the seminar

Captain (IN) Alok Bansal, Director, India Foundationand Adjunct Professor at New Delhi Institute of Managementduring his lecture

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

FINANCIAL STATEMENTS

FOR
CENTRAL AUTONOMOUS BODIES
RELATING TO THE YEAR 2022-23

(NON-PROFIT ORGANISATION AND SIMILAR ORGANISATIONS)

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान

थ्वत्त–वर्ष २०२२-२३ से संवन्धित केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिये वित्तीय विवरण

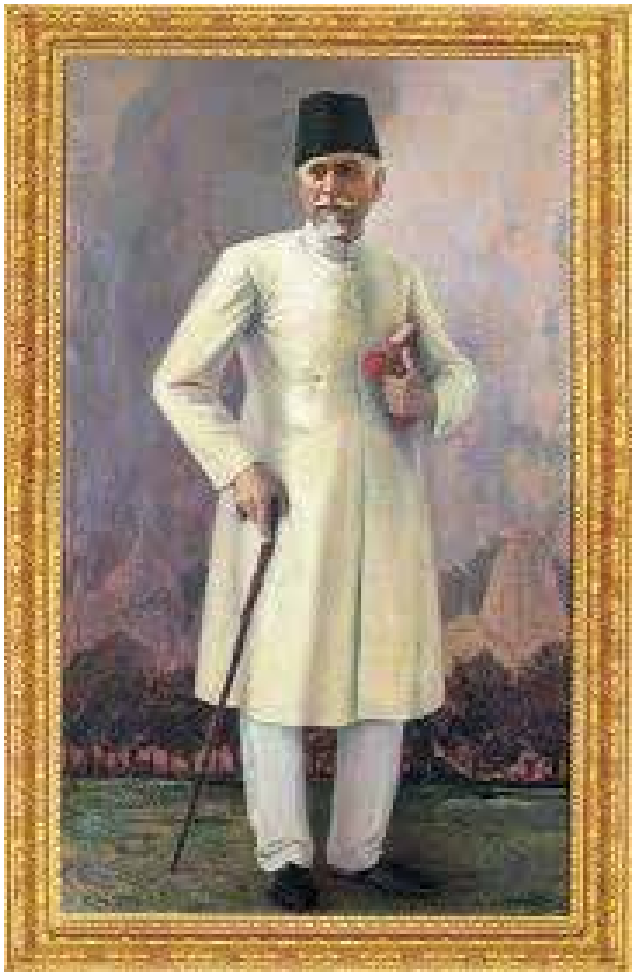

MAULANA ABUL KALAM AZAD

Separate Audit Report on the accounts of Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Salt Lake, Kolkata, for the financial year ended 31 March 2023

We have audited the attached Balance Sheet of the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata, as at 31 March 2023, Income and Expenditure account and Receipts and Payments Account, for the year ended on that date, under Section 20(1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Power and Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period upto 2024-25. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only, with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc. Audit observations on financial transactions, in regard to compliance with extant Laws, Rules & Regulations (i.e. Propriety and Regularity aspects) and efficiency-cum-performance aspects etc, if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with the auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

   i. We have obtained all the information and explanations, which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit;

   ii. The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account, dealt with in this report, have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India.

   iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS), Kolkata, as required, under the rules and regulations of the MAKAIAS, insofar as it appears from our examination of such books.

   iv. We further report that:

Comments on Accounts

A. Balance Sheet

1.1 Liabilities

1.1.1 Corpus/Capital Fund (Schedule 1): ₹11.97 crore

The Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS) had added ₹ 10.00 lakh as contribution towards Capital Grant received from the MoC (Govt. of India) to its Capital Fund during the year. It was noticed from Note-A of Schedule 1. (Capital Fund) that total cost of capital asset acquired during the year was ₹1.51 lakh leaving ₹8.49 lakh as unspent balance during the year. Therefore, total amount of Capital Grant utilized for the purchase of Capital asset was ₹1.51 lakh only which should have been credited to Capital Fund instead of ₹10.00 lakh. Further, in the last year also, the Institute had over-capitalized an amount of ₹5.73 lakh in a similar way. This resulted in overstatement of Capital Fund (Schedule 1) by ₹14.22 lakh (₹8.49 lakh for current financial year) and ₹5.73 lakh for previous financial year) and understatement of Un-utilized Grant under the Current Liabilities and Provision (Schedule 7) by ₹14.22 lakh. Despite the issue being raised with the Institute in the previous year, no corrective measure was taken, in this regard.

1.2 Assets

1.2.1 Investments-Others (Schedule 10): ₹1.72 crore

The Institute, during the year, disclosed an investment amounting to ₹1.71 crore made for the purpose of Gratuity/Pension/Leave Encashment instead of exhibiting the auto-renewed value of term deposits which was ₹1.98 crore. This resulted in understatement of Investment-Others (Schedule 10) by an amount of ₹0.27 crore and understatement of the Capital Fund (Schedule 1) by the same amount. Despite the issue being raised with the Institute in the previous year, no corrective measure was taken, in this regard.

B. General Comments

2.1 The Institute had wrongly depicted an amount of ₹0.06 lakh as interest on Fixed Deposits under 'Interest Earned" (Schedule 17), instead of showing the same as ₹12.42 lakh, during the financial year 2022-23.

2.2 'Current Assets, Loans Advances etc.' (Schedule 11) included an amount of ₹88.92 lakh as 'Project Grant (Fellow)' which has not been adjusted for more than six years. The same needs to be reviewed.

2.3 The Institute had showed closing balance of ₹ 0.32 lakh under 'Earmarked/ Endowment Funds' (Schedule 3) during the financial year 2021-22 which was carried forward during the current financial year 2022-23. However, the closing balance for the financial year 2022-23 did not show the above amount. This needs to be reconciled.

2.4 'Current Liabilities and Provisions' (Schedule-7) included an amount of ₹67.57 lakh as 'Provision for project Grant' which has not been utilized for the last three years. The same needs to be checked and proper utilization should be ensured.

2.5 The Institute had not made actuarial provision as per AS-15 for retirement benefits in respect of eligible employees, in the annual accounts for the financial year 2022-23.

C. Grants in Aid

The Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies is an autonomous body mainly funded by Grant-In-Aid from Ministry of Culture (MoC), Govt. of India. Audit noted that during the year 2022-23 the Institute had received total grants of ₹5.92 crore (GIA-Capital: ₹ 0.10 crore, GIA-Salary: ₹1.80 crore, GIA-General: ₹4 crore, SAP-General: ₹0.02 crore). Further, the Institute had an opening balance of ₹0.06 crore under GIA-Capital head. Therefore, total grants of ₹5.98 crore, so available, the Institute during the year spent ₹5.17 crore (GIA-Capital: ₹0.02 crore, GIA-Salary: ₹1.80 crore, GIA-General: ₹3.33 crore, SAP- General: ₹0.02 crore). Therefore, an amount of ₹0.14 crore and ₹0.67 crore (including ₹0.32 crore paid as advance) remained unspent under the GIA-Capital head and GIA-General head respectively, as at 31 March 2023.

D. Net Effect

Net effect of the comments given in the preceding paragraphs was that both the Assets and Liabilities were understated by ₹0.27 crore as at 31 March 2023.

V. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balanc Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account, dealt with b this report, are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion, and to the best of our information, and according to the explanation given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies an Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matte mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view, in conformity wi accounting principles generally accepted in India:

i. insofar as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata, as at 31 March 2023, and

ii. insofar as it relates to Income and Expenditure Account of the deficit, for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

(Debolina Thakur)
Director General of Audit
(Central), Kolkata

Place: Kolkata
Date: 02-02-2024

Annexure

A. Adequacy of the Internal Audit System

The Internal Audit system of the Institute is inadequate, on account of the following:

i. The MAKAIAS, Kolkata does not have any internal audit wing. However, the Internal Audit is being conducted by a CA Firm and the Report of Internal audit for the year 2022-23 is yet to be submitted.

B. Adequacy of the Internal Control System

The Internal Control System of the Institute is inadequate, on account of the following:

i. The post of Administrative-cum-Finance officer, the incumbent of which is responsible for overall supervision of the finance, Budget, Accounts and Administration functions, has been lying vacant for over three years.

ii. The head of accounts of MAKAIAS are not codified.

iii. Cheque protectors are not used.

iv. Purchases are made from other than the approved supplier.

C. System of Physical Verification of Fixed Assets and Inventories

The Institute had not conducted physical verification of Fixed Assets and Inventories during the financial year 2022-23. Further, the Institute did not maintain Fixed Assets register in the prescribed format of GFR-22.

D. Statutory Dues

The Institute was regular in payment of its Statutory Dues for the financial year 2022-23.

PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
[See Rule 238(1)]
FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION
PROVISIONAL UTILISATION CERTIFICATE for the year 2022-2023. in respect of recurring / non-recurring GRANTS-1N-AID (GENERAL)

1 NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

2 WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING

3 GRANTS POSITION AT THE BEGINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2022-23

i) CASH IN HAND / BANK : Rs. NIL
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. NIL

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2022-2023.

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2022-2023 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (4 -5)
	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
REVENUE	NIL	NIL	F.No.32-3/2022-A&A	09/05/2022	45,83,000.00	4,00,00,000.00	3,65,64,738.00	(+) 34,35,262.00
			F.No.32-3/2022-A&A	02/06/2022	22,92,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	05/08/2022	45,83,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	14/09/2022	22,92,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	26/10/2022	22,92,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	21/11/2022	22,91,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	14/12/2022	22,92,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	03/02/2023	93,75,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	14/03/2023	1,00,00,000.00			
Total	NIL	NIL			4,00,00,000.00	4,00,00,000.00	3,65,64,738.00	(+) 34,35,262.00

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Details of Grants Position at the end of the year
Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs 34,35,26200
Total Rs 34,35,262.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
1B-166, SECTOR - HI, SALT LAKE CITY, KOLKATA - 700 106.
PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
[See Rule 238(1)]
FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION
PROVISIONALUTILISATION CERTIFICATE for the year 2022-2023. in respect of recurring / non-recurring GRANTS-IN-AID (CREATION OF CAPITAL ASSETS)

1. NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES
2. WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING
3. GRANTS POSITION AT THE BEGINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2022-2023

i) CASH IN HAND / BANK (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs. 5,72,674,.00
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. 5,72,674.00

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2022-2023

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2022-2023 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (4 -5)
	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
CAPITAL	NIL	NIL	F.No.32-3/2022-A&A F.No.32-3/2022-A&A F.No.32-3/2022-A&A F.No.32-3/2022-A&A	26/10/2022 21/11/2022 14/12/2022 03/02/2023	59,000.00 59,000.00 6,32,000.00 2,50,000.00	15,72,674.00	1,51,198.00	(+) 14,21,476.00
Total	NIL	NIL			10,00,000.00	15,72,674.00	1,51,198.00	(+) 14,21,476.00

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Details of Grants Position at the end of the year
(i) Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs 14,21,476.00
(ii) Total Rs 14,21, 476.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

1B-166, SECTOR - HI, SALT LAKE CITY, KOLKATA - 700 106.
PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
1 See Rule 238(1)]
FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION
PROVISIONALUTILISATION CERTIFICATE for the year 2022-2023. in respect of recurring / non-recurring GRANTS-1N-AID (GENERAL – SAP)

1 NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

2 WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING

3 GRANTS POSITION AT THE BEGINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2022-2023

i) CASH IN HAND / BANK : Rs. NIL
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. NIL

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2022-2023

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2022-2023 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (4 -5)
REVENUE	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
	NIL	NIL	F.No.32-3/2022-A&A	09/05/2022	33,000.00	2,00,000.00	2,03,622.00	(-) 3,622.00
			F.No.32-3/2022-A&A	02/06/2022	17,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	05/08/2022	33,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	14/09/2022	17,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	26/10/2022	25,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	21/11/2022	13,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	14/12/2022	12,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	03/02/2023	50,000.00			
Total	NIL	NIL			2,00,000.00	2,00,000.00	2,03,622.00	(-) 3,622.00

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Details of Grants Position at the end of the year
Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs NIL
Total Rs NIL

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

1B-166, SECTOR - HI, SALT LAKE CITY, KOLKATA - 700 106.
PH NO. (033) 2335-6623/6629/6642 TELE FAX : (033) 2335-6629/7626
E-mail : info@makaias.gov.in

GFR — 12 A
[See Rule 238(1)]
FORM OF UTILISATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANISATION
PROVISIONALUTILISATION CERTIFICATE for the year 2022-2023 in respect of recurring / non-recurring GRANTS-1N-AID (SALARIES)

1 NAME OF THE SCHEME : MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

2 WHETHER RECURRING OR NON-RECURRING GRANTS : RECURRING AND NON-RECURRING

3 GRANTS POSITION AT THE BEGINING OF THE FINANCIAL YEAR : 2022-2023

i) CASH IN HAND / BANK : Rs. NIL
ii) UNADJUSTED ADVANCE : Rs. NIL
iii) TOTAL : Rs. NIL

4 DETAILS OF GRANTS RECEIVED, EXPENDITURE INCURRED AND CLOSING BALANCES (AS PER CASH/ADJUSTMENT BASIS), SUBJECT TO FINALISATION BY THE STATUTORY AUDITORS (DGA(C), KOLKATA FOR THE YEAR 2022-2023

(Amount in Rupees)

Detailed Heads	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govt.	Grant Received during the Financial Year 2022-2023 (Details of Sanction Letter Nos. & Dates are given vide enclosed statements)			Total Available Funds]	Expenditure Incurred	Closing Balances
							Actual Expenditure Incurred	(+) = Excess over Expenditure (Unspent Grant in hand) (-) = Shortfall (Excess Expenditure incurred over Gants recd.) (4 -5)
REVENUE	1	2	3			4	5	6
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
	NIL	NIL	F.No.32-3/2022-A&A	09/05/2022	31,66,000.00	1,80,00,000.00	1,80,71,537.00	(-) 71,537.00
			F.No.32-3/2022-A&A	02/06/2022	15,84,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	05/08/2022	31,67,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	14/09/2022	15,83,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	26/10/2022	15,84,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	21/11/2022	15,83,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	14/12/2022	15,83,000.00			
			F.No.32-3/2022-A&A	03/02/2023	37,50,000.00			
Total	NIL	NIL			1,80,00,000.00	1,80,00,000.00	1,80,71,537.00	(-) 71,537.00

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Details of Grants Position at the end of the year
Cash in Hand / Bank (Unspent Grant in the book of Accounts) : Rs NIL
Total Rs NIL

GUHA & MATILAL
KOLKATA
CHARTERED ACCOUNTANTS

STATEMENT- A

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Statement of Grant Received during 2022-23 under GRANT-IN AID (GENERAL)

F.No.32-3/2022-A&A	09-05-2022	45,83,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	02-06-2022	22,92,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	05-08-2022	45,83,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-09-2022	22,92,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	26-10-2022	22,92,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	21-11-2022	22,91,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-12-2022	22,92,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	03-02-2023	93,75,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-03-2023	1,00,00,000.00
Total		4,00,00,000.00

Statement of Grant Received during 2022-23 under GRANT-IN AID (CCA)

F.No.32-3/2022-A&A	26-10-2022	59,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	21-11-2022	59,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-12-2022	6,32,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	03-02-2023	2,50,000.00
Total		10,00,000.00

Statement of Grant Received during 2022-23 under GRANT-IN AID (SAP)

F.No.32-3/2022-A&A	09-05-2022	33,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	02-06-2022	17,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	05-08-2022	33,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-09-2022	17,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	26-10-2022	25,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	21-11-2022	13,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-12-2022	12,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	03-02-2023	50,000.00
Total		2,00,000.00

Statement of Grant Received during 2022-23 under GRANT-IN AID (SALARIES)

F.No.32-3/2022-A&A	09-05-2022	31,66,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	02-06-2022	15,84,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	05-08-2022	31,67,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-09-2022	15,83,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	26-10-2022	15,84,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	21-11-2022	15,83,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	14-12-2022	15,83,000.00
F.No.32-3/2022-A&A	03-02-2023	37,50,000.00
Total		1,80,00,000.00

SUJHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

BALANCE SHEET

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

BALANCE SHEET AS AT 31.3.2023

CAPITAL FUND AND LIABILITIES	Schedule	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
CAPITAL FUND	1	₹ 11,97,14,263.23	₹ 11,93,31,018.27
RESERVE AND SURPLUS	2	₹ 0.00	₹ 0.00
EARMARKED / ENDOWMENT OF FUND	3	₹ 0.00	₹ 0.00
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	₹ 0.00	₹ 0.00
UNSECURED LOANS AND BOROWINGS	5	₹ 0.00	₹ 0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	₹ 0.00	₹ 0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	₹ 2,13,55,463.11	₹ 2,13,08,702.11
TOTAL		**₹ 14,10,69,726.34**	**₹ 14,06,39,720.38**
ASSETS	**Schedule**	**Current Year 2022-23**	**Previous Year 2021-22**
FIXED ASSETS	8	₹ 8,24,17,768.79	₹ 8,71,33,019.03
CAPITAL-WORK-IN –PROGRESS	8	₹ 0.00	₹ 0.00
MAULANA AZAD MEMORABALIA	8	₹ 39,63,884.37	₹ 44,04,315.96
OFFICE DIGITILIZATION	8	₹ 10,53,873.72	₹ 11,70,970.79
INVESTMENTS – FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	₹ 0.00	₹ 0.00
INVESTMENTS – OTHERS	10	₹ 1,71,81,143.00	₹ 1,58,81,143.00
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.	11	₹ 3,64,53,056.46	₹ 3,20,50,271.60
MISCELLANEOUS EXPENDITURE	12	₹ 0.00	₹ 0.00
TOTAL		**₹ 14,10,69,726.34**	**₹ 14,06,39,720.38**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		-
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		-

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2023

(Amount in Rupees)

PARTICULAR	Schedule	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
INCOME			
Income from Sales/Services	12	-	
Grants/Subsidies	13	5,82,00,000.00	4,55,00,000.00
Fees/Subscriptions	14	0.00	0.00
Income from Investments (Income on Invest from earmarked/ endow. Funds transferred to Funds)	15	0.00	0.00
Income from Royalty, Publications, etc.	16	0.00	10,342.00
Interest Earned	17	1,61,772.00	2,35,918.00
Other Income	18	1,05,243.00	12,429.00
Decrease in stock of Finished Goods and works-in-progress	19	0.00	0.00
Deferred Revenue income		0.00	0.00
Total (A)		**5,84,67,015.00**	**4,57,58,689.00**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses (Salaries)	20	1,80,89,225.00	1,79,52,297.00
Other Administrative Expenses etc.(Plan)	21	21,76,447.00	11,56,828.00
Expenditure on Grants etc.(Plan)	22	3,29,48,450.00	2,79,62,012.00
Finance Charges (Bank Charges)	23	4,033.14	830.68
Depreciation (Net Total at the year-end-corresponding to Schedule 8)	8	58,65,614.90	65,26,449.13
Total (B)		**5,90,83,770.04**	**5,35,98,416.81**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		(-)6,16,755.04	(-) 78,39,727.81
Transfer to Special Reserve (Specify each)		0.00	0.00
Transfer to/from General Reserve		0.00	0.00
BALANCE BEING SURPLUS/DEFICIT CARRIED TO CAPITAL FUND		**(-)6,16,755.04**	**(-) 78,39,727.81**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24	0.00	0.00
CONTINGENT LIBILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25	0.00	0.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies

SCHEDULES

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023

(Amount in Rupees.)

SCHEDULE – 1 CAPITAL FUND	Current Year 2022-23		PreviousYear 2021-22	
Balance as at the beginning of the year	₹ 11,93,31,018.27		₹ 12,55,42,625.71	
Add- Contribution towards Capital Fund (As per Note A)	₹ 10,00,000.00		₹ 10,00,000.00	
		₹ 12,03,31,018.27		₹ 12,65,42,625.71
Add/Less:Balance of net Income /Surplus transferred from the Income & Expenditure Account		₹ 6,16,755.04		₹ 78,39,727.81
		₹ 11,97,14,263.23		₹ 11,87,02,897.90
Add- Adjustment from Capital Account (As per Note-D)				₹ 6,28,120.37
Total		**₹ 11,97,14,263.23**		**₹ 11,93,31,018.27**

Note-A

a) Library (Books)	₹ 1,33,371.00
b) Library (Journalas & Periodicals)	₹ 2,000.00
d)Procurement of Computer & Laptop	₹ 15,827.00
Total Expenditure on CCA in the year 2022-23	₹ 1,51,198.00
Add: unspent balance for the year 2022-23	₹ 8,48,802.00
	₹ 10,00,000.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
Salt Lake City, Kolkata

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 **(Amount in Rupees.)**

SCHEDULE – 2 RESERVES AND SURPLUS	Current Year 2022-23		Previous Year 2021-22	
1. Capital Reserve:				
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year (Depreciation)	Nil	Nil	Nil	Nil
2. Revaluation Reserve:	Nil	Nil	Nil	Nil
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year	Nil	Nil	Nil	Nil
3. Special Reserve :	Nil	Nil	Nil	Nil
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year	Nil	Nil	Nil	Nil
4. General Reserve :	Nil	Nil	Nil	Nil
As per last account	Nil	Nil	Nil	Nil
Addition during the year	Nil	Nil	Nil	Nil
Less : Deductions during he year	Nil	Nil	Nil	Nil

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023

(Figures in Rupees)

SCHEDULE – 3 EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	FUND-WISE BREAK UP				TOTAL	
	Fund Building & Others	Fund XX	Fund YY	Fund ZZ	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
a) Opening balance of the funds	Nil	Nil	Nil	Nil	NIL	₹ 31,583.37
b) Additions to the Funds :						
i) Donations/grants	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
ii) Income from investments made on account of funds	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
iii) Other additions (Bank Interest)	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
Total (a+b)					**NIL**	**₹ 31,583.37**
c) Utilization /Expenditure towards objectives of funds						
i) Capital Expenditure						
- Fixed Assets		Nil	Nil	Nil		
- Others		Nil	Nil	Nil		
Total		Nil	Nil	Nil		
ii) Revenue Expenditure						
Salaries, Wages and Allowances etc.		Nil	Nil	Nil		
Rent		Nil	Nil	Nil		
Other Administrative expenses		Nil	Nil	Nil		
Transfer to Capital Account		Nil	Nil	Nil	NIL	
Total (c)		Nil	Nil	Nil		
NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a + b - c)					**NIL**	**NIL**

Notes:

1. Disclosures shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grants.
2. Plan Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.

GOYAL & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 **(Figures in Rupees)**

SCHEDULE 4- SECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year 2022-23		Previous Year 2021-22	
1. Central Government		Nil		Nil
2. State Government (Specify)		Nil		Nil
3. Financial Institutions				
a) Term Loans	Nil		Nil	
b) Interest Accrued & Due	Nil	Nil	Nil	Nil
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest Accrued & Due	Nil		Nil	
b) Other Loans (Specify)				
- Interest accrued & due	Nil	Nil	Nil	Nil
5. Other Institutions & Agencies		Nil		Nil
6. Debentures & Bonds		Nil		Nil
7.Others (Specify)		Nil		Nil
TOTAL		**Nil**		**Nil**
Note: Amounts due within one year				

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023

(Figures in Rupees)

SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1. Central Government	Nil	Nil
2. State Government	Nil	Nil
3. Financial Institutions	Nil	Nil
4. Banks:		
a) Term Loans	Nil	Nil
b) Other loans (Specify)	Nil	Nil
5. Other Institutions and Agencies	Nil	Nil
6. Debentures and Bonds	Nil	Nil
7. Fixed Deposits	Nil	Nil
8. Others (Specify)	Nil	Nil
TOTAL	**Nil**	**Nil**
Note : Amounts due within one year		

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 **(Figures in Rupees)**

SCHEDULE 6-DEFERRED CREDIT LIABILITITES	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment & other assets	Nil	Nil
b) Others	Nil	Nil
TOTAL	Nil	Nil
Note : Amounts due within one year		

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Amount in Rupees.)

	Current Year 2022-23		Previous Year 2021-22	
SCHEDULE – 7 CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS CURRENT LIABILITIES	Details	Amount	Details	Amount
a) Acceptances				
b) Sundry Creditors				
For goods	₹ 0.00		₹ 0.00	
For others	₹ 0.00		₹ 0.00	
i) Library Books	₹ 3,413.00		₹ 3,413.00	
ii) Library (Journals & Periodicals)	₹ 50.00		₹ 50.00	
iii) Vendors (Journals & Periodicals)	₹ 2,66,409.00		₹ 2,66,350.00	
iv) Security Deposit(Journals & Periodicals)	₹ 0.00		₹ 0.00	
v) Maulana Azad Building (Renovation)	₹ 139.00		₹ 139.00	
vi) Library & Office Equipment & Furniture	₹ 43,790.00		₹ 43,790.00	
		₹ 3,13,801.00		₹ 3,13,742.00
c) Advance Received	₹ 0.00		₹ 0.00	
d) Interest Accrued but not due on				
Secured Loan/Borrowings	₹ 0.00		₹ 0.00	
Unsecured Loan/Borrowings	₹ 0.00		₹ 0.00	
e) Statutory Liabilities :				
Overdue	₹ 0.00		₹ 0.00	
Others	₹ 0.00		₹ 0.00	
f) Other Current Liabilities				
i) Accounts Payable				
Plan	₹ 5,64,404.00		₹ 5,64,404.00	
Non – Plan	₹ 0.00		₹ 0.00	
		₹ 5,64,404.00		₹ 5,64,404.00
iii) Miscellaneous Remittance				
Salaries	₹ 11,597.00		₹ 11,447.00	
Plan	₹ 10,680.00	₹ 22,277.00	₹ 17,962.00	₹ 29,409.00
iv) Security Deposit				
Journals & Periodicals		₹ 5,511.00		₹ 5,511.00
v) Security Deposit (Others)		₹ 10,17,278.00		₹ 10,37,278.00
vi) C.P.F Clearing		₹ 15,939.00		₹ 15,939.00
Total (A)		₹ 19,39,210.00		₹ 19,66,283.00

KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० ०९७
Salt Lake City, Kolkata-700 097

PROVISIONS				
g) For Taxation		**₹ 0.00**		**₹ 0.00**
h) Gratuity Fund		**₹ 16,90,846.00**		**₹ 20,40,846.00**
i) Superannuation/Pension Fund		**₹ 0.00**		**₹ 0.00**
j) Accumulated Leave Encashment Fund/Pension Leave		**₹ 35,15,949.00**		**₹ 26,65,949.00**
k) Trade Warranties/ Claim		**₹ 0.00**		**₹ 0.00**
l) Other (Specify)		**₹ 0.00**		**₹ 0.00**
i)Provision for Research Project				
-Central Asia	₹ 0.00		₹ 0.00	
-South Asia	₹ 0.00		₹ 0.00	
-General	₹ 21,450.00		₹ 21,450.00	
-North-East	₹ 9,550.00		₹ 9,550.00	
		₹ 31,000.00		**₹ 31,000.00**
ii) Provision for Seminar/Symposium				
a) South – East Asia	₹ 33,700.00		₹ 33,700.00	
b) Central Asia	₹ 2,00,149.00		₹ 2,00,149.00	
c) North-East	₹ 27,82,356.00		₹ 27,82,356.00	
d) General	₹ 26,71,823.00		₹ 26,71,823.00	
		₹ 56,88,028.00		**₹ 56,88,028.00**
iii) Provision for E.C./F.C/Society Meeting		**₹ 0.00**		**₹ 0.00**
iv)Provision for Audit Fee		**₹ 0.00**		**₹ 0.00**
v) Provision for Fellowship				
a) South-East Asia	₹ 25,000.00		₹ 25,000.00	
b) North-East	₹ 20,000.00		₹ 20,000.00	
		₹ 45,000.00		**₹ 45,000.00**
vi) Provision for Project Grant				
a) General	₹ 45,90,177.00		₹ 45,90,177.00	
b) North-East	₹ 21,66,618.00		₹ 21,66,618.00	
		₹ 67,56,795.00		**₹ 67,56,795.00**
vii) Provision for Travelling Expenses (Foreign)		**₹ 1,95,355.00**		**₹ 1,95,355.00**
viii) Provision for House Building Loan /Advance		**₹ 5,81,000.00**		**₹ 5,81,000.00**
ix) Provision for Website & Internet Service		**₹ 3,500.00**		**₹ 50,000.00**
x) Provision for Traveling Expenses (Domestic)		**₹ 42,869.00**		**₹ 42,869.00**
xi) Advance to Govt. Servant		**₹ 47,142.00**		**₹ 76,235.00**
xii) Suspense A/C		**₹ 40,956.11**		**₹ 40,956.11**
xiii)Stale Cheque Reversed		**₹ 7,77,813.00**		**₹ 11,28,386.00**
Total (B)		**₹ 1,94,16,253.11**		**₹ 1,93,42,419.11**
Total (A + B)		**₹ 2,13,55,463.11**		**₹ 2,13,08,702.11**

*Provision for Gratuity & Leave Encashment Fund made as per lump sum basis. No actuarial valuation has been made.

GUPTA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटि, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA			
SCHEDULE – 7 (A)			
Breakup of item b(i to vi)			
Sundry Creditors			
Library Books	Amount	Amount	Amount
Readers Service	₹ 255.00		
Manas Publication	₹ 2,618.00		
Emancipation Publication	₹ 540.00		
		₹ 3,413.00	
Library (Journals & Periodicals)			
Vendors (Journals & Periodicals)	₹ 50.00		
Mainstream			
Prints Publication	₹ 10.00		
VPH. Subscription Services	₹ 1,39,836.00	₹ 1,39,896.00	
Maulana Azad Building (Renovation)			
C.P.W.D		₹ 139.00	
Security Deposit (Journals & Periodicals)			
VPH. Subscription Services		₹ 1,26,563.00	
Libray & office Equipment & Furniture			
Webel Electronic Communication	₹ 43,786.00		
Genx Creation	₹ 4.00	₹ 43,790.00	₹ 3,13,801.00
Breakup of item f(i & ii)			
Accounts Payable			
From previous Year 2020-21		₹ 5,64,354.00	
T.D.S. (Income Tax)		₹ 50.00	₹ 5,64,404.00
Miscellaneous Remittance			
From Privious year 2021-22		₹ 22,127.00	
T.D.S (Profession Tax)	₹ 150.00	₹ 150.00	₹ 22,277.00
			₹ 9,00,482.00

GUPTA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA		
SCHEDULE – 7 (B)		
Provision for Project Grant		
A) Areas other than North East	Amount	Amount
i) India Central Asia Foundation	25,00,000.00	
ii) S. Sunderasan	1,60,500.00	
iii) Global India Foundation	1,05,164.00	
iv) Debesh Roy	2,75,000.00	
v) Amitava Bhattacharya	75,771.00	
vi) Kasaf Ghani	1,00,000.00	
vii) Shreya Ghosh	2,00,000.00	
viii)K.K.N.Kurup	1,50,000.00	
ix) Bidisha Dhar	1,50,000.00	
x) Arunava Patra	80,300.00	
xi) Paramita Roy	3,33,941.00	
xii) Parama Sinha	2,49,501.00	
xiiii)Bimal Narayan Prasad	2,10,000.00	
		45,90,177.00
B) North-East		
i) D. Nath	1,833.00	
ii) T.N Banerjee	1,09,890.00	
iii) Jemes Linggi	16,000.00	
iv) Dilip Banerjee	2,00,015.00	
v) Anirban Das	1,00,000.00	
vi) Kajera Kharashi	1,78,880.00	
vii) Lalandika	1,05,000.00	
viii)Philip Modi	50,000.00	
ix) Abdus Salam Azad	1,00,000.00	
x) Jadavpur Association of International Relation	3,00,000.00	
xi) –Do-	1,25,000.00	
xii) Abanti Adhikari	40,000.00	
xiii) Ranjit Ray	4,80,000.00	
xiv) A. Mahapatra	1,00,000.00	
xv) S. Shmon John	2,00,000.00	
xvi) Chandan Kumar Sharma	60,000.00	
		21,66,618.00
Provision for Seminar/Symposium		
Central Asia		
i) Seminar at Gwalior University	2,00,000.00	
ii) Seminar at Jamia Millia University	149.00	
		2,00,149.00
South-East Asia		
i) Bardwan University	26,621.00	
ii)Global India Foundation	7,079.00	
		33,700.00
North-East		
i) Seminar at Rajiv Gandhi University	2,65,000.00	
ii) Seminar at Mizoram University	5,85,000.00	
iv)Tezpur University	6,23,340.00	
v)-Do-	1,38,585.00	
vi)Seminar at North-Eastern hill University	1,14,010.00	
vii) Seminar at North Bengal University	55,888.00	
ix)Rajib Gandhi University	3,90,000.00	
x)–Do-	5,00,000.00	
		26,71,823.00
General		
i) Jawaharlal Nehru University	1,40,025.00	
ii) –Do-	4,50,000.00	

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०४
Salt Lake City, Kolkata-700 104

iii) –Do-	2,00,000.00	
iv)Seminar at U.K	21,271.00	
v) Global India Foundation	3,50,000.00	
vi) Jadavpur University	25,000.00	
vii) India Central Asia Foundation	6,22,260.00	
ix) Burdwan University	2,50,000.00	
x) I.C.C.R	1,00,000.00	
xi) Kolkata Doordarsan	28,240.00	
xii) India International Centre	7,500.00	
xiii) Global India Foundation	50,000.00	
xiv) Jadavpur University	25,000.00	
xv) Institute seminar	2,060.00	
xvi) Rabindra Bharati University	55,000.00	
xvii) Apeejay Oxford Store	50,000.00	
xviii) IRIIS	2,50,000.00	
xix)Swatch Bharat	1,56,000.00	
		27,82,356.00
Provision for Fellowship		
South-East Asia		
Dr. Malika Basu	25,000.00	
North-East		
Dr. I.S. Mumtaza Khatun	20,000.00	
		45,000.00
Provision for Research Project		
General		
Ms.Diloram Karamat	11,147.00	
Shri Subhra Parui	10,303.00	
		21,450.00
North East		
i) Research Project Nagaland University	7,000.00	
ii) Shri Mrinal Kanti Chakma	2,550.00	
		9,550.00
Provision for Website Maintenance & Internet Service		
Bangali Net	3,500.00	**3,500.00**
Provision for Traveling Expenses (Domestic)		
Shri Subhra Parui	3,352.00	
Dr. Anuradha Bhattacharya	9,107.00	
Ms. Safura Razzaq	490.00	
Ms. Sreemati Ganguly	2,670.00	
Ms. Antara Mitra	27,250.00	
		42,869.00
Security Deposit (Others)		
i) Security Service	4,95,210.00	
ii) Car Hiring Service	15,000.00	
iii) Out Source Service	4,15,976.00	
iv) Pest Control Service	5,000.00	
v) Housekeeping Service	86,092.00	
		10,17,278.00

GUHA MAHILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)

Name of the Entity : **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31.3.2023

SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS (A + B)

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION	NET BLOCK	
	Cost / valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Adjust. / Deduction during the year	Cost / valuation at the end of the year		As at the Current year end	As at the Previous year end
A. FIXED ASSETS							
1. LAND:							
a) Freehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) leasehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2. BUILDINGS:							
a) On Freehold Land	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Salt Lake Campus (Azad Bhavan Building)	3,21,84,365.21	0.00	0.00	3,21,84,365.21	32,18,436.52	2,89,65,928.69	3,21,84,365.21
c) Ownership Flats / Premises (Maulana Bldg.)	23,75,664.99	0.00	0.00	23,75,664.99	2,37,566.50	21,38,098.49	23,75,664.99
d) Superstructures on land not belonging to the entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. PLANT & MACHINERY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. VEHICLES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5. FURNITURE, FIXTURES	43,54,866.72	3,15,075.00	0.00	46,69,941.72	4,51,240.42	42,18,701.30	43,54,866.72
6. OFFICE EQUIPMENT	3,69,324.07	0.00	0.00	3,69,324.07	55,398.61	3,13,925.46	3,69,324.07
7. COMPUTER/PERIPHERIALS/SOFTWARES	5,06,579.03	15,827.00	0.00	5,22,406.03	2,08,962.41	3,13,443.62	5,06,579.03
8. ELECTRICAL EQUIPMENTS	24,291.25	0.00	0.00	24,291.25	2,429.12	21,862.13	24,291.25
9. LIBRARY – BOOKS	3,61,05,964.18	1,33,371.00	0.00	3,62,39,335.18	0.00	3,62,39,335.18	3,61,05,964.18
10. LIBRARY – JOURNALS	1,12,11,963.58	1,28,563.00	0.00	1,13,40,526.58	11,34,052.66	1,02,06,473.92	1,12,11,963.58
11. TUBEWELLS & WATER SUPPLY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. OTHER FIXED ASSETS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL OF CURRENT YEAR	8,71,33,019.03	5,92,836.00	0.00	8,77,25,855.03	53,08,086.24	8,24,17,768.79	8,71,33,019.03
PREVIOUS YEAR	9,35,09,709.85	4,27,326.00	8,97,044 .00	9,30,39,991.85	59,06,972.82	8,71,33,019.03	9,35,06,256.38
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
C. MAULANA AZAD MEMORABILIA	44,04,315.96	0.00	0.00	44,04,315.96	4,40,431.59	39,63,884.37	44,04,315.96
D. OFFICE DIGITALIZATION	11,70,970.79	0.00	0.00	11,70,970.79	1,17,097.07	10,53,873.72	11,70,970.79
TOTAL	9,27,08,305.78	5,92,836.00	0.00	9,33,01,141.78	58,65,614.90	8,74,35,526.88	9,27,08,305.78

KOLKATA CHARTERED ACC

Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)

Name of the Entity : **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31.3.2023

SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS A.

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION	NET BLOCK	
	Cost / valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Adjust. / Deduction during the year	Cost / valuation at the end of the year		As at the Current year end	As at the Previous year end
A. FIXED ASSETS							
1. LAND:							
a) Freehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) leasehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2. BUILDINGS:							
a) On Freehold Land	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Salt Lake Campus (Azad Bhavan Building)	3,21,84,365.21	0.00	0.00	3,21,84,365.21	32,18,436.52	2,89,65,928.69	3,21,84,365.21
c) Ownership Flats / Premises (Maulana Bldg.)	23,75,664.99	0.00	0.00	23,75,664.99	2,37,566.50	21,38,098.49	23,75,664.99
d) Superstructures on land not belonging to the entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. PLANT & MACHINERY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. VEHICLES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5. FURNITURE, FIXTURES	43,54,866.72	3,15,075.00	0.00	46,69,941.72	4,51,240.42	42,18,701.30	43,54,866.72
6. OFFICE EQUIPMENT	3,69,324.07	0.00	0.00	3,69,324.07	55,398.61	3,13,925.46	3,69,324.07
7. COMPUTER/PERIPHERIALS/SOFTWARES	5,06,579.03	15,827.00	0.00	5,22,406.03	2,08,962.41	3,13,443.62	5,06,579.03
8. ELECTRICAL EQUIPMENTS	24,291.25	0.00	0.00	24,291.25	2,429.12	21,862.13	24,291.25
9. LIBRARY – BOOKS	3,61,02,510.71	1,33,371.00	0.00	3,62,35,881.71	0.00	3,62,35,881.71	3,61,02,510.71
10. LIBRARY – JOURNALS	1,12,11,963.58	1,28,563.00	0.00	1,13,40,526.58	11,34,052.66	1,02,06,473.92	1,12,11,963.58
11. TUBEWELLS & WATER SUPPLY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. OTHER FIXED ASSETS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL OF CURRENT YEAR	8,71,29,565.56	5,92,836.00	0.00	8,77,22,401.56	53,08,086.24	8,24,14,315.32	8,71,29,565.56
PREVIOUS YEAR	9,35,06,256.38	4,27,326.00	8,97,044 .00	9,30,36,538.38	59,06,972.82	8,71,29,565.56	9,35,06,256.38
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
C. MAULANA AZAD MEMORABILIA	44,04,315.96	0.00	0.00	44,04,315.96	4,40,431.59	39,63,884.37	44,04,315.96
D. OFFICE DIGITALIZATION	11,70,970.79	0.00	0.00	11,70,970.79	1,17,097.07	10,53,873.72	11,70,970.79
TOTAL	9,27,04,852.31	5,92,836.00	0.00	9,32,97,688.31	58,65,614.90	8,74,32,073.41	9,27,04,852.31

GUHA & PAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

Director
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies
Salt Lake City, Kolkata-700 091

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)

Name of the Entity : **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS ON 31.3.2023

SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS **B. (Out of the Amount of Grant-in-Aid received from U.N.H.C.R.)**

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION	NET BLOCK	
	Cost / valuation as at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost / valuation at the end of the year		As at the Current year -end	As at the Previous year end
A. FIXED ASSETS							
1. LAND:							
a) Freehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) leasehold	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2. BUILDINGS:							
a) On Freehold Land	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
b) Salt Lake Campus (Azad Bhavan Building)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
c) Ownership Flats / Premises (Maulana Bldg.)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
d) Superstructures on land not belonging to the entity	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. PLANT & MACHINERY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. VEHICLES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5. FURNITURE, FIXTURES	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
6. OFFICE EQUIPMENT	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7. COMPUTER / PERIPHERIALS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
8. ELECTRICAL EQUIPMENTS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. LIBRARY – BOOKS	3,453.47	0.00	0.00	3,453.47	0.00	3,453.47	3,453.47
10. LIBRARY – JOURNALS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. TUBEWELLS & WATER SUPPLY	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. OTHER FIXED ASSETS	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
TOTAL OF CURRENT YEAR	3,453.47	0.00	0.00	3,453.47	0.00	3,453.47	3,453.47
PREVIOUS YEAR	3,453.47	0.00	0.00	3,453.47	0.00	3,453.47	3,453.47
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS						0.00	
TOTAL						3,453.47	

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

Director
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)		
Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA		
Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.20223 (Figures in Rupees)		
	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
SCHEDULE 9- INVESTMENTS FROM		
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
1. In Government Securities	NIL	NIL
2. Other approved Securities	NIL	NIL
3. Shares	NIL	NIL
4. Debentures and Bonds	NIL	NIL
5. Subsidiaries and Joint Ventures	NIL	NIL
6. Other (to be specified)	NIL	NIL
Total	NIL	NIL

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)		
Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA		
Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)		
	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
SCHEDULE 10-INVESTMENTS FROM		
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		
1. In Government Securities	NIL	NIL
2. Other approved Securities	NIL	NIL
3. Shares	NIL	NIL
4. Debentures and Bonds	NIL	NIL
5. Subsidiaries and Joint Ventures	NIL	NIL
6. Fixed Deposit with S.B.I. (Main Branch)	₹ 1,05,353.00	₹ 1,05,353.00
7. Fixed Deposit with S.B.I. (Ballygunge Branch)	₹ 1,70,75,790.00	₹ 1,57,75,790.00
Total	**₹ 1,71,81,143.00**	**₹ 1,58,81,143.00**

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 **(Amount in Rupees.)**

SCHEDULE 11 – CURRENTASSETS, LOANS ADVANCES ETC CURRENT LIABILITIES	Current Year 2022-23		Previous Year 2021-22	
A. CURRENT ASSETS	**Details**	**Amount**	**Details**	**Amount**
a. Inventories				
i. Stores and Spared	Nil		Nil	
ii. Loose Tools	Nil		Nil	
iii. Stock – in – Trade				
Finished Goods (Publication)	Nil		Nil	
Work in Progress (C.P.W.D.)	Nil		Nil	
Raw Material	Nil		Nil	
b. Sundry Debtors				
i. Debts outstanding for period exceeding six month		Nil		Nil
ii. Others		Nil		Nil
c. Cash Balance in Hand (including cheques /drafts & Imprest)		₹ 25,197.75		₹ 45,011.75
d. Cash Balance at Banks				
a) With schedules Banks				
S.B.I. Main Branch	₹ 62,520.50		₹ 61,542.50	
On Deposit Accounts (TDR)	---		---	
On Savings Accounts	---		---	
S.B.I. BikashBhavan SaltLake	₹ 57,79,120.39	₹ 58,41,640.89	₹ 25,63,004.53	₹ 26,24,547.03
b) With Non Schedule Banks				
1. On Current Account	---		---	
2. On Deposit Account (includes Margin)	---		---	
e. Post Office Savings Account	---	---	---	---
Total (A)		₹ 58,66,838.64		₹ 26,69,558.78
CURRENT ASSETS, LOANS ADVANCES ETC				
B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS				
1. Loans				
a) Staff (House Building loan Advance)	₹ 5,08,370.00		₹ 5,08,370.00	₹ 5,08,370.00
b) Other entities in activities/objectives similar to that of entity	---		---	---
c) Others (Specify)	---		---	---

SUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

Director
Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies
Salt Lake City, Kolkata-700 10

2. Advance and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received				
a) On Capital Accounts (Plan) C.P.W.D.	₹ 24,65,550.00		₹ 24,65,550.00	₹ 24,65,550.00
b) Prepayments (Plan	---			
c) Others				
i)Security Deposit (C.E.S.C.) (M.A B)	₹ 6,63,544.00		₹ 6,63,544.00	
ii) Security Deposit (Cellular Phone & Other Phone)	₹ 35,257.30		₹ 35,257.30	
iii) Security Deposit (Guest House)	₹ 750.00		₹ 750.00	
iv) Account Recoverable	₹ 80,052.00		₹ 80,052.00	
v) Advance to Employees	₹ 3,39,183.12		₹ 7,06,351.12	
vi) Advance to Others	₹ 1,40,99,656.75		₹ 1,19,97,321.75	
vii) Advance Vendors (Miscellaneous)	₹ 95,420.00		₹ 4,98,519.00	
viii)Vendor (Journal & Periodicals)	₹ 34,06,364.65		₹ 35,32,927.65	
ix) Advance to Govt. Servant	---		---	
x) Project Grant (Fellow)	₹ 88,92,070.00		₹ 88,92,070.00	
Income Accrued				
a) On Investment from Earmarked/ Endowment Fund				
b) On Investments – Others	---		---	
c) On Loans an advance	---		---	
d) Others (includes income due unrealized	---		---	
Claims Receivable				
i) Plan	---		---	
North-East	---		---	
Non -Plan	---		---	
ii) License Fee Receivable	---		---	
Total (B)		₹ 3,05,86,217.82		₹ 2,93,80,712.82
Total (A + B)		**₹ 3,64,53,056.46**		**₹ 3,20,50,271.60**

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedule 11 (B)		
Break up of Items C (vii)		
Advance to others	**Amount**	**Amount**
Gwalior University	₹ 2,00,000.00	
Rajib Gandhi University	₹ 2,65,000.00	
Mizoram University	₹ 5,85,000.00	
Kolkata Doordarshan	₹ 3,723.00	
Town Hall	₹ 66.00	
India Central Asia Foundation	₹ 5,82,862.00	
Jadavapur University	₹ 25,000.00	
India International Centre	₹ 7,500.00	
Rajiv Gandhi University	₹ 2,34,337.00	
Bardwan University	₹ 2,50,000.00	
Global India Foundation	₹ 3,50,000.00	
Kolkata Doordarshan	₹ 28,240.00	
Jadavpur University	₹ 25,000.00	
I.C.C.R	₹ 95,617.00	
Jawharlal Nehru University	₹ 200.00	
Rajiv Gandhi University	₹ 5,00,000.00	
Rabindra Bharati University	₹ 55,000.00	
Apeejay Oxford Book Store	₹ 50,000.00	
Tezpur University	₹ 60,000.00	
IRIIS	₹ 2,50,000.00	
Kahan Media	₹ 3,75,000.00	
Mizoram University	₹ 90,000.00	
Tezpur University	₹ 75,000.00	
I.A.A.P.S	₹ 62,605.75	
Mizoram University	₹ 45,005.75	
Manipal University	₹ 35,005.75	
Jawharlal Neheru University	₹ 1,00,000.00	
South Asian University	₹ 48,358.00	
India Inter National Centre	₹ 10,000.00	
Jamia Millia Islamia University	₹ 1,00,332.00	
I.C.H.R	₹ 15,00,000.00	
Krishnanagar College	₹ 2,07,000.00	
Bana sundari	₹ 1,82,000.00	
Jodhapa	₹ 1,82,000.00	
Jayanta Dhara	₹ 336.00	
Assam University	₹ 529.50	
Cachar Club	₹ 4,000.00	
Jyoti Bishnu Kala Kendra(D.C Cacher)	₹ 2,40,000.00	
Jyoti Bishnu Kala Kendra(D.C Cacher	₹ 40,000.00	
Mumbai University	₹ 3,24,000.00	
Jagannath University ,Dhaka	₹ 4,77,000.00	
ICHR, New Delhi	₹ 8,18,471.00	
AC LN college	₹ 2,02,500.00	
Antar Rastriya Sahayog Prisad	₹ 2,70,000.00	

GUPTA AMATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
बल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Indira Gandhi Tribal University	₹ 1,35,000.00	
Ramswaroop College	₹ 2,25,000.00	
SIES College	₹ 90,000.00	
DonBosco	₹ 36,805.00	
Vivekananda Kendra	₹ 4,25,000.00	
J.N.R.M	₹ 1,30,000.00	
Osmania University	₹ 3,75,000.00	
Chinchura College	₹ 5,00,000.00	
Jyoti Bharati	₹ 1,62,000.00	
Guwahati University	₹ 1,62,000.00	
R.B.College	₹ 90,000.00	
Womens College Silchar	₹ 1,57,500.00	
M.C.College Barpata	₹ 1,80,000.00	
Barak Upatyaka	₹ 2,10,000.00	
North Bengal University	₹ 2,10,000.00	
Digboy Mahila Sangathan	₹ 70,000.00	
Kolkata Society for Asian Studies	₹ 1,40,000.00	
Bengaluru University	₹ 3,15,000.00	
NSCB Memorial	₹ 1,75,000.00	
Guwahati University	₹ 1,00,000.00	
Jawharlal Neheru University	₹ 50,000.00	
B.B.Ambedkar University	₹ 1,40,000.00	
Womens College Silchar	₹ 1,05,000.00	
Guwahati University	₹ 75,000.00	
Lumding College	₹ 90,000.00	
J.N College	₹ 1,25,000.00	
Donbosco College	₹ 1,43,195.00	
Pranabananda Womens College	₹ 1,40,000.00	
Bharatiya Itihas Samsad	₹ 1,00,000.00	
S.S.F	₹ 1,35,000.00	
Indian Council of Cultural Research	₹ 27,140.00	
Samskar Bharati	₹ 25,000.00	
Vidyathi Vikash	₹ 1,00,000.00	₹ 1,40,99,656.75
Break up item C (viii)		
Advance Vendors (Miscellaneous)		
Godrej & Byco	₹ 360.00	
Sarencon	₹ 65,000.00	
Charieast Enterprise	₹ 10,000.00	
Bengal Club	₹ 10,000.00	
India International Centre	₹ 8,000.00	
Root Corporation of India	₹ 2,060.00	₹ 95,420.00
Break up item C (ix)		
Vendors (Journals & Periodicals)		
Balance as on 1.04 2021	₹ 35,32,927.65	
Less: Amount adjusted during 2021-22	₹ 1,26,563.00	
		₹ 34,06,364.65

GUHA & MOTILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटि, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

Project Grant		
General		
Ajoy Patnaik	₹ 75,000.00	
Global India Foundation	₹ 1,05,164.00	
Rakshandra Jalil	₹ 2,00,000.00	
Drishya	₹ 46,500.00	
Atig Ghosh	₹ 1,25,000.00	
K.K.N. Kurup	₹ 1,50,000.00	
Ms. S.Sundersan	₹ 1,60,500.00	
Shri Amitava Bhattacharya	₹ 75,771.00	
I.C.A.F	₹ 25,00,000.00	
Abeda Rezaq	₹ 1,00,000.00	
Bidisha Dhar	₹ 1,50,000.00	
Debesh Das	₹ 2,75,000.00	
Arunava Patra	₹ 80,414.00	
Kashshaf Ghani	₹ 1,00,000.00	
Sreya Ghosh	₹ 2,00,000.00	
Paramita Roy	₹ 3,33,941.00	
Parama Sinha	₹ 2,50,000.00	
Bimal Narayan Prasad	₹ 2,10,000.00	₹ 51,37,290.00
North-East		
Dr. Kajera Kharasi	₹ 2,00,060.00	
Shri T.N. Banerjee	₹ 1,09,890.00	
Ms. Trina Nileena	₹ 1,25,000.00	
Dr. N. Vennu	₹ 1,83,320.00	
Dr. H.Chettri	₹ 40,000.00	
Mrs. Sanjana Joshi	₹ 2,00,000.00	
Shri Imdad Hussain	₹ 2,50,000.00	
Sarit Chowdhuri	₹ 50,000.00	
Jayanti Alam	₹ 82,283.00	
James Lenghi	₹ 16,000.00	
D. Nath	₹ 5,337.00	
Ranjit Roy	₹ 6,67,375.00	
Dilip Banerjee	₹ 2,00,015.00	
Jadavpur Association of International Relation	₹ 1,25,000.00	
Jadavpur Association of International Relation	₹ 3,00,000.00	
Abanti Adhikari	₹ 40,000.00	
Philip Modi	₹ 1,50,000.00	
Salam Azad	₹ 3,00,000.00	
Anirban Das	₹ 1,00,000.00	
J. Gogai	₹ 1,25,000.00	
Lalandika	₹ 45,000.00	
A.Mahapatrta	₹ 1,00,000.00	
S.Shmon John	₹ 3,40,500.00	₹ 37,54,780.00
		₹ 88,92,070.00

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

ACCOUNT RECOVERABLE			
From previous year Accounts 2019-20	₹	6,292.00	
Add: a) Central Policy Research	₹	60,000.00	
b) International Union for Conservation of Nature & Natural Resources	₹	13,760.00	
	₹	80,052.00	80052.00

GUHA & MATILAL * KOLKATA * CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-700 091
Salt Lake City, Kolkata-700 091

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 12-INCOME FROM SALES/SERVICES	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1) Income from Sales		
a) Sale of Finished Goods	NIL	NIL
b) Sales of Raw Material	NIL	NIL
c) Sale of Scraps	NIL	NIL
2) Income from Services		
a) Labour and Processing Charges	NIL	NIL
b) Professional/Consultancy Services	NIL	NIL
c) Agency Commission and Brokerage	NIL	NIL
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	NIL	NIL
e) Others (Specify)	NIL	NIL
Total	NIL	NIL

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 13 – GRANTS/SUBSIDIES	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1) Central Government		
Plan (General)	₹ 4,00,00,000.00	₹ 2,75,00,000.00
Plan (Creation of Capital Asset)	₹ 10,00,000.00	₹ 10,00,000.00
Plan (North-East)	Nil	Nil
Non-Plan (Salaries	₹ 1,80,00,000.00	₹ 1,78,00,000.00
State Government(s)	Nil	Nil
2) Government Agencies (NCPCR)	Nil	Nil
3) Institutions/Welfare Bodies	Nil	Nil
4) International Organizations	Nil	Nil
5) Swatch Bharat	₹ 2,00,000.00	₹ 2,00,000.00
Total Grant received in the year 2021-22	₹ 5,92,00,000.00	₹ 4,65,00,000.00
Less: Expenditure incurred for creation of Capital Asset for the	₹ 10,00,000.00	₹ 10,00,000.00
Total Grant transferred to Income & Expenditure Account in 2022-23	₹ 5,82,00,000.00	₹ 4,55,00,000.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० ०९७
Salt Lake City, Kolkata-700 097

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 14 – FEES/SUBSCRIPTIONS	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1) Entrance Fees	Nil	Nil
2) Annual Fees/Subscriptions	Nil	Nil
3) Seminar/Program Fees	Nil	Nil
4) Consultancy Fees	Nil	Nil
5) Others (Specify)	Nil	Nil
Total	Nil	Nil

Director / Director
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

SCHEDULE 15 – INCOME FROM INVESTMENTS	Investment from Earmarked Fund		Investment - Others	
(Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1) Interest:				
a) On Govt. Securities	Nil	Nil	Nil	Nil
b) Other Bonds/Debentures	Nil	Nil	Nil	Nil
2) Dividends :	Nil	Nil	Nil	Nil
a) On Shares	Nil	Nil	Nil	Nil
b) On Mutual Fund Securities	Nil	Nil	Nil	Nil
3) Rents	Nil	Nil	Nil	Nil
4) Others (Specify)	Nil	Nil	Nil	Nil
Total	Nil	Nil	Nil	Nil
TRANSFERRED TO EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	Nil	Nil	Nil	Nil

SUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 097
Salt Lake City, Kolkata-700 097

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 16 – INCOME FROM ROYALTY,	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1) Income from Royalty	---	₹ 10,342.00
2) Income from Publications	---	---
3) Sale of Books	---	---
4) Award from Ministry of Information &	---	---
Total	---	₹ 10,342.00

GUHA & MAZUMDAR KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 17 – INTEREST EARNED	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1) On Term Deposits:		
a) With Scheduled Banks (Interest on F.D.)	₹ 6,347.00	₹ 6,320.00
b) With Non-Scheduled Banks	---	---
c) With Institutions	---	---
d) Others	---	---
2) On Savings Accounts:	---	---
a) With Scheduled Banks S.B.I. (Bikash Bhavan Br.)	₹ 1,25,641.00	₹ 1,90,394.00
b) With Non-Scheduled Banks		---
c) Post Office Savings Accounts		---
d) Others (Interest on S.T.D)		---
3) On Loans:		
a) Employees/Staff Interest on House Building Advance	₹ 29,784.00	₹ 39,204.00
b) Others	---	---
4) Interest on Debtors and Other Receivables	---	---
Total	₹ 1,61,772.00	₹ 2,35,918.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-700 097
Salt Lake City, Kolkata-700 097

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 18-OTHER INCOME	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1) Profit on Sale/disposal of Assets:		
a) Owned Assets	---	---
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	---	---
2) Export Incentives realized	---	---
3) Library membership subscription		₹ 8,934.00
4) Miscellaneous Income	₹ 1,05,243.00	₹ 3,495.00
Total	₹ 1,05,243.00	₹ 12,429.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
साल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 19 – INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WORK IN	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
a) Closing stock		
Finished Goods	Nil	Nil
Work-in-progress	Nil	Nil
b) Less: Opening Stock		
Finished Goods	Nil	Nil
Work-in-progress	Nil	Nil
NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]	Nil	Nil

GUHA & MATILAL CHARTERED ACCOUNTANTS KOLKATA

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० ०९७
Salt Lake City, Kolkata-700 097

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of Balance Sheet as at 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE 20 – ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
a) Salaries and Wages	₹ 1,34,34,374.00	₹ 1,47,40,671.00
b) Contribution to Provident Fund	₹ 8,50,000.00	₹ 8,50,789.00
c) Contribution to Other Fund (specify)	--	---
d) Staff Welfare Expenses:		
i) Medical Expenses	₹ 4,24,748.00	₹ 5,67,837.00
ii) Children Education Fund	₹ 1,89,000.00	₹ 2,43,000.00
iii) L.T.C. (Leave Travel Concession)	₹ 2,07,845.00	---
e) Expenses on Employee's Retirement and Terminal Benefits:		
i) Gratuity	₹ 16,50,000.00	₹ 7,50,000.00
ii) Leave Salary	₹ 13,33,258.00	₹ 8,00,000.00
f) Others (Specify)	---	----
Total	₹ 1,80,89,225.00	₹ 1,79,52,297.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
एकडलिया रोड, कोलकाता-700 106
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of INCOME & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE-21-OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC. (Non-Plan)		Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1)	Vehicles Running and Maintenance	₹ 7,58,504.00	₹ 6,67,934.00
2)	Expenses on Seminar /Workshops	---	---
3)	Travelling Expenses (Offic Staff)	₹ 4,34,943.00	₹ 20,807.00
4)	Expenses on Fees	₹ 0.00	₹ 0.00
5)	Auditors Remuneration	₹ 8,08,630.00	₹ 3,61,750.00
6)	Hospitality Expenses	₹ 1,68,440.00	₹ 1,00,894.00
7)	Others (Specify) :	₹ 0.00	₹ 0.00
	1)Office Maintenance	₹ 0.00	₹ 0.00
	2)Library Maintenance	₹ 0.00	₹ 0.00
	3)Miscellaneous Expenses	₹ 1,210.00	₹ 723.00
	4)Website & Internet Service	₹ 0.00	₹ 0.00
	5)Leased Accommodation	₹ 0.00	₹ 0.00
	6)Locker Rent	₹ 4,720.00	₹ 4,720.00
	7)Training Programme		
	Total	₹ 21,76,447.00	₹ 11,56,828.00

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: **MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA**

Schedules Forming Part of INCOME & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2023 (Figures in Rupees)

SCHEDULE-22-EXPENDITURE OF GRANTS , SUBSIDIES ETC	Current Year	Previous Year
a) Out of Grant given to MAKAIAS(Plan,North-East & Other Sources	2022-23	2021-22
1) Fellowship (General)	₹ 8,209,746.00	₹ 942,155.00
2) Research Project (General)	--	--
3) Seminar/Symposium (General)	₹ 2,243,343.00	₹ 3,684,455.00
4) Travelling Expenses (Project))	₹ 91,649.00	₹ 39,868.00
5) Travelling Expenses (Foreign)	--	--
6) E.C/F.C./Society Meeting	₹ 256,893.00	₹ 81,000.00
7) Special Committee Meeting	₹ 137,257.00	₹ 183,023.00
8) Membership Subscription	---	₹ 18,474.00
9) Printing of News Letter & Ocational paper	₹ 23,664.00	₹ 300,302.00
10) Guest House Expenses	---	₹ 60,958.00
11) Publication of Books	₹ 66,000.00	₹ 131,580.00
12) Maulana Azad Building (Maintenance)	₹ 4,153,723.00	₹ 3,844,477.00
13) Azad Bhavan Maintenance	₹ 12,130,737.00	₹ 12,534,229.00
14) Municipal Tax (Museum)	---	₹ 40,809.00
15) Repair & Maintenance of Office Equipment	₹ 3,470,096.00	₹ 4,220,938.00
16) General Office Maintenance	₹ 932,166.00	₹ 874,840.00
17) Legal Expenses	₹ 307,200.00	₹ 692,701.00
18) Professional Charges	₹ 99,120.00	---
19) Swatch Bharat Programme	₹ 206,147.00	₹ 215,036.00
20) AMC A.C	₹ 207,969.00	₹ 60,015.00
21)Workshop	₹ 412,740.00	₹ 6,000.00
22) Perliamentary Committee Meeting	---	₹ 31,152.00
Total	₹ 32,948,450.00	₹ 27,962,012.00

A.S.G

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Schedules Forming Part of INCOME & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD/YEAR ENDED 31.03.2023 (Figures in Rupe

SCHEDULE 23- INTEREST	Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
1) On Fixed Loans		
2) On Other Loans (including Bank Charges)		
3) Others (Specify):		
a)Bank Charges	₹ 4,033.14	₹ 830.68
Total	₹ 4,033.14	₹ 830.68

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS
Name of Entity -- MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA.
SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31.3.2023.

SCHEDULE 24 – SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Illustrative)

1. ACCOUNTING CONVENTION

The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting unless otherwise stated.

2. INVESTMENTS

3.1. Investments classified as "others" includes Fixed Deposits with Schedule Bank are shown as face value.. Provision for shortfall on the value of such investment is made for each investment considered individually and not on over all basis.

3.2. Investments classified as "Current" are carried at lower of cost and fair value. Provision for shortfall on the value of such investments is made for each investment considered individually and not on a global basis.

3.3. Cost includes acquisition expenses like brokerage, transfer stamps.

3. FIXED ASSETS

5.1. Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition.

5.2. Fixed Assets received by way of non-monetary grants, (other than towards the Corpus Fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to Capital Reserve.

4. DEPRECIATION

4.1 Depreciation is provided on Written Down value method as per rates specified in the Income-tax Act, 1961. In respect of additions to/deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered on pro-rata basis.

4.2 In respect of Addition /deductions from Fixed Assets during the year , depreciation is considered on pro –rata basis.

4.3 Asset costing Rs. 5,000.00 or less each are fully charged off to revenue.

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Name of Entity -- MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA.
SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31.3.2023

SCHEDULE 24 – SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Illustrative) – Contd.

5. ACCOUNTING FOR INCOME

5.1 Interest is accounted for on realization of the same

6. GOVERNMENT GRANTS/SUBSIDIES

6.1 Government grants of the nature of contribution towards capital cost of setting up projects are treated as Capital Reserve.

6.2 Grants in respect of specific fixed assets acquired are shown under Capital Fund .

6.3 Government grants/subsidies are accounted on realization basis.

7. RETIREMENT BENEFITS

7.1 Liability towards gratuity payable on death/retirement of employees is accrued not based on actuarial valuation.

7.2 Provision for accumulated leave encashment benefit to the employees is accrued and not computed on the assumption that employees are entitled to receive the benefit as at each year end.

GUHA & MATILAL * CHARTERED ACCOUNTANTS * KOLKATA

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata-700 106

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATIONS)
Name of Entity -- MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA.
SCHEDULE FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD ENDED 31.3.2023

SCHEDULE 25 – CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS (Illustrative)

		(Amount-Rs.)	
		Current Year	Previous Year
1.	**CONTINGENT LIABILITIES**		
1.1.	Claims against the Entity not acknowledged as debts	Nil	Nil
1.2	Disputed demands in respect of : Income-tax – Sales-tax –Municipal Taxes –	Nil	Nil
1.3.	In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the Entity –	Nil	Nil
2.	**CAPITAL COMMITMENTS** Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances) –	Nil	Nil
3.	**CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCE** In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet	Nil	Nil

4. **TAXATION**
   4.1 In view of there being no taxable income under Income-tax Act 1961, no provision for Income tax has been considered necessary.
   4.2 Steps are being taken to regulaise registration under Sec 12A and 80 G of the Income Tax Act 1961

5. Schedules 1 to 25 are annexed to and forms an intregal part of the Balance Sheet as at 31st March 2023 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

6. Excess Expenditure over grant received under head Plan (General), Plan (Creation of Capital Asset) adjusted against Capital Fund of this Institute.

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सल्टलेक सिटि, कोलकाता-७०० १४६
Salt Lake City, Kolkata-700 146

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT

FORM OF FINANCIAL STATEMENTS (NON-PROFIT ORGANISATION)

Name of Entity: MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES, KOLKATA

Receipts & Payment Account for the period / Year Ended 31st March 2023

(Figures in Rupees)

RECEIPTS		Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
I. Opening Balances			
a) Cash in Hand	15,011.75		
b) Bank Balances			
In Current A/c :			
S.B.I. (Ballygunge Branch)	-		
S.B.I. (Main Branch)	61,542.50		
ii) In Deposit Accounts	-		
iii) In Savings Accounts:			
S.B.I (Ballygange Branch)	25,63,004.53		
S.B.I (Bikash Bhvn Br.) (Bldg Fnd.)	-		
S.B.I (Bikash Bhavan Branch)	-		
		26,39,558.78	20,47,433.46
II Grant Received			
a)From Govt. of India			
Plan (General)	4,00,00,000.00		
Plan(Creation of Capital Asset)	10,00,000.00		
North-East	-		
Swatch Bharat	2,00,000.00		
Non-Plan (Salaries)	1,80,00,000.00		
		5,92,00,000.00	4,65,00,000.00
b) Grant –in Aid Receivable			-
c) Grant from others			-
III. Income on Investments			
a) Earmarked / Endow. Funds			
b) Own Funds (Other Investments)			
IV. Interest Received			
a) On Bank Deposit S.B.I. Ballygunge& Bikash Bhavan Branch		1,25,641.00	1,90,394.00
b) On Bank Fixed Deposit (At S.B.I. Main Br.)		6,347.00	6,320.00
V. Other Income			
Book Royalty		-	10,342.00
VI. Amount Borrowed			-

PAYMENTS		Current Year 2022-23	Previous Year 2021-22
I.Expenses under Non-Plan			
Establishment Expenses(Corresponding to Schedule 20)		1,67,71,537.00	1,62,57,235.00
Administrative Expenses(Corresponding to Schedule 21)		19,94,763.00	3,82,587.00
II.Payments made against Funds for Various Projects (Under Plan)			
Fellowship (General)	80,68,866.00		
Research Project (General)	-		
Seminar/Symposium(General)	12,85,302.00		
Workshop(General)	3,18,901.00		
North East			
Fellowship (North-East)	-		
Research Project (North-East)	-		
Seminar/Symposium (North-East)	-		
Project Grant (North-East)	-		
-			
Paliamentary Meeting	-		
Travelling Expenses (Domestic)	-		
Travelling Expenses (Project)	91,649.00		
E.C./F.C./Society Meeting	50,735.00		
Special Committee Meeting	54,713.00		
Membership Subscription	-		
Guest House Expenses	-		
Car hiring & conveyance charges	-		
Publication News Letter	23,664.00		
Maulana Azad Building(Maintenance)	40,21,592.00		
Azad Bhavan General Maintenance	1,18,09,090.00		
Insurance	-		
Repair & Maintenance of O.E	34,52,393.00		
AMC for A.C	1,80,649.00		
Legal Expenses	2,76,480.00		
Library Maintenance	-		

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक / Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-700 091
Salt Lake City, Kolkata-700 091

VII. Any Other Receipts				General Office Maintenance	8,14,102.00		
a) Miscellaneous Receipts		1,05,243.00	2,600.00	Professional Charges	90,720.00		
b) Sale of Books			-	Advertisement & Publicity	-		
VIII: Others				Website & Internet Service	-		
a) Security Deposit			-			3,05,38,856.00	2,44,48,712.00
b) Award from MIB			-	**III. Investment & Deposit Made**			
c) Library Membership Subscription			8,934.00	a) Out of Earmarked / Endow. Funds		-	-
d) Suspense A/C			-	b) Fixed Deposit (Gratuity & Leave)		13,00,000.00	15,50,000.00
e) Cheque Clearing			-	**IV. Expenditure or Fixed Assets & Capital Work in Progress**			
				a) Purchase of Fixed Assets			
				Library (J & P)	2,000.00		
				Digitalisation of Manuscripts,artefacts	-		
				Procurement of computer & laptop	15,498.00		
				Procurement of Electrical Equipment	-		
				Library (Books)	1,33,371.00		
				Library & Office Equipment Furniture	-		
				Vendors (Journals & Periodicals)	-		
				Publication Books	66,000.00		
				Fixed Deposit	-		
				Maulana Azad Memorablia	-		
						2,16,869.00	4,22,807.00
				b) Expenditure on Capital Work in Progress (Deposit) C.P.W.D.	-	-	
				c)Maulana Azad Building (Renovation)	-	-	
				d)Provision for Capital Work-in Progress	-	-	
				V. Refund of Surplus Money Loans			
				a) To the Govt. of India		-	
				b) To the State Government		-	
				c) To the Other Providers of Fund		-	
				VI. Finance Charges (Interest)			
				a) Bank Charges		3,974.14	830.68

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कलकत्ता-700 091
Salt Lake City, Kolkata-700 091

				VII Other Payments			
				a) i) T.D.S (Income Tax contractor)	3,14,637.00		3,89,529.00
				ii) T.D.S (G.S.T)	2,46,710.00		2,31,057.00
				b) i) T.D.S Profession Tax (P)	40,880.00		-
				ii) T.D.S. Income Tax (P)	1,00,000.00		-
				iii) Pay & Allowance Remittance	-		-
				c) Accounts Payable	46,500.00		10,000.00
				d) Sundry Creditors	-		-
				e) Municipal Tax	-		40,809.00
				f) Advance to others	25,45,335.00		17,66,305.00
				g) Swatch Bharat	2,03,622.00		1,89,889.00
				h) Advance to Employees	4,50,046.00		1,42,610.00
				i) Advance vendors (Misc.)	-		-
				j) Imprest A/c.	2,53,920.00		2,28,309.00
				k) Provision for Audit fee	-		-
				l) Miscellaneous Remittance	-		-
				m) Security Deposit (Phone)	8,00,000.00		-
				n) Provision for Municipal Tax	-		-
				o) Chque clearing	3,72,310.00		59,744.00
				p) Security Deposit (J & P)	-		-
				q) Security Deposit (Others)	20,000.00		6,041.00
						53,93,960.00	**30,65,123.68**
				VIII. Closing Balance			
				a) Cash in Hand	**15,189.75**		
				b) Bank Balances	-		
				In Current A/c :			
				S.B.I. (Ballygunge Branch)	**57,79,120.39**		
				S.B.I. (Main Branch)	**62,520.50**		
				ii) In Deposit Accounts			
				iii) In Savings Accounts:			
				S.B.I (Ballygange Branch)	-		
				S.B.I (Bikash Bhvn Br.) (Bldg Fnd.)	-		
				S.B.I (Bikash Bhavan Branch)	-		
						58,56,830.64	**26,39,558.78**
Total		**6,20,76,789.78**	**4,87,66,023.46**	**Total**		**6,20,76,789.78**	**4,87,66,023.46**

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आजाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
साल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६

Workings

Establishment Expenses (Corresponding to Schedule 20)	Amount	Administrative Expenses (Corresponding to Schedule 21)	Amount
Salary for officer/contractual/Manpower	1,11,81,408.00	Miscellaneous Expenses	-
T.D.S.(Income Tax)	11,74,007.00	Car Hiring & Conveyance charges	7,27,879.00
T.D.S.(Profession Tax)	34,080.00	Travelling Expenses(Domestic)	-
C.P.F. Clearing	4,43,790.00	Auditors Remuneration	8,08,630.00
C.P.F. Advance	3,53,196.00	Hospitality Expenses	26,827.00
C.P.F Contribution & Interest (Payable)	8,50,000.00	Locker Rent	4,720.00
CPF Vol.	6,000.00	Travelling exp. for office staff	4,26,707.00
Pay & Allowance Remittance	1,31,052.00		
Advance to Govt. Servant	50,000.00		
Festival Advance	-		
House Building loan	60,000.00		
Children Education Fund	1,89,000.00		
Medical Expenses	4,24,748.00		
Provision for Gratuity	-		
Provision for Leave EncashmentRs			
Pension & Leave Encashment	4,80,055.00		
Gratuity	12,00,000.00		
Leave Travel Concession	1,94,201.00		
Total	**1,67,71,537.00**	**Total**	**19,94,763.00**

GUHA & MATILAL KOLKATA CHARTERED ACCOUNTANTS

निदेशक/Director
मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
एशियाई अध्ययन संस्थान
Maulana Abul Kalam Azad
Institute of Asian Studies
सॉल्टलेक सिटी, कोलकाता-७०० १०६
Salt Lake City, Kolkata 700 106

MAULANA ABUL KALAM AZAD INSTITUTE OF ASIAN STUDIES

"Azad Bhavan" IB Block, Plot No 166, Sector III, Salt Lake City, Kolkata, West Bengal, 700106
Azad Museum : 5, Ashraf Mistri Lane, Kolkata 700019

makaiaskolkata MAKAIASKol makaias_kolkata www.makaias.gov.in

YouTube: https://www.youtube.com/@makaiaskolkataSocialmedia

Print by : Vrayashpati Udhyog